केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा - 7

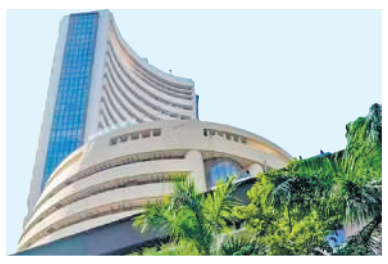

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का - 7

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र - 8

मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की - 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया 05:11 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 22 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 293, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

जी-20 सम्मेलन में शामिल होंगे मोदी द. अफ्रीका पहुंचे

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रहे जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को जोहानिसबर्ग पहुंचे। गौतेंग स्थित वाटरलूफ वायुसैनिक अड्डे (एएफबी) पर उनका पारंपरिक स्वागत किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने सांस्कृतिक गीत और नृत्य पेश किया। जी20 शिखर सम्मेलन में वह 'वसुधैव कुटुंबकम' तथा 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' की भावना के अनुरूप भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे। शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के जोहानिसबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है।

एसआईआर को चुनौती वाली याचिकाओं पर आयोग को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने केरल, यूपी और दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए शुक्रवार को सहमति जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न आधार पर एसआईआर की कवायद को चुनौती देने वाली विभिन्न राजनीतिक नेताओं की सभी नई याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया।

केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ

- केरल व दूसरे राज्यों की ओर से दाखिल याचिकाओं पर शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव भी होने हैं और इसलिए, इस मामले में तत्काल विचार की आवश्यकता है। पीठ ने निर्देश दिया कि केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 26 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए और दूसरे राज्यों में इस कवायद को चुनौती देने वाली बाकी याचिकाओं पर दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह अच्छी बात है कि अब निजी व्यक्तियों के बजाय राजनीतिक दल इस प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए आगे आ रहे हैं। शीर्ष अदालत पहले से ही पूरे भारत में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

एसआईआर ड्यूटी से तंग बीएलओ ने की आत्महत्या

कोडीनार (गुजरात)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में शुक्रवार को मतदाता सूची के एसआईआर के कार्य में लगे एक स्कूल शिक्षक, जो बीएलओ के रूप में तैनात थे, ने आत्महत्या कर ली। परिजनों का दावा है कि उन्होंने एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें मानसिक तनाव और कार्य के दबाव को आत्महत्या की वजह बताया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शिक्षक अरविंद वढेर ने सुबह करीब साढ़े छह बजे कोडीनार तालुका के देवली गांव स्थित अपने घर में फांसी लगा ली। सुसाइड नोट में वढेर ने इस कदम के लिए एसआईआर की ड्यूटी को जिम्मेदार ठहराया। वधेर ने नोट में लिखा, अब मेरे लिए एसआईआर का यह काम करना असंभव है। मैं पिछले कुछ दिनों से थका हुआ और मानसिक रूप से तनावग्रस्त महसूस कर रहा हूं। कृपया हमारे बेटे का ख्याल रखें।

ब्रीफ न्यूज

एलओसी से हथियार गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को एलओसी के पास एक ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद कर एक संभावित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। बरामद हथियारों में एम-सीरीज की दो असॉल्ट राइफल भी शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र में एलओसी के पास नीरियान वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया।

रुपया 98 पैसे टूटकर निचले स्तर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले शुक्रवार को रुपया धराशायी हो गया जब डॉलर के मुकाबले यह 98 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ 89 के स्तर को पार कर सर्वकालिक निचले स्तर 89 .61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। स्थानीय और वैश्विक शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर की जोरदार मांग के कारण रुपये में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बाजार सूत्रों ने कहा कि एआई, प्रौद्योगिकी शेयरों के आसपास हलचल को लेकर चिंताओं से भी निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। विदेशी निधियों की ताजा धननिकासी से भी निराशा और बढ़ गई।

नए श्रम कानून लागू, 1 साल में ग्रेच्युटी, अनुबंधित कर्मियों को समान पे स्केल

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा- नए कानून रोजगार को देंगे संगठित रूप

नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार ने शुक्रवार को ऐतिहासिक फैसला लेते हुए चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। इन संहिताओं के जरिए 29 पुराने श्रम कानूनों को एक साथ मिलाकर सरल बनाया गया है। इस बड़े बदलाव से गिग वर्कर्स (अल्पकालिक अनुबंध पर काम करने वाले) को भी सामाजिक सुरक्षा मिलेगी। सभी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य होगा। हर क्षेत्र में न्यूनतम मजदूरी तय की जाएगी। इसका भुगतान समय पर होगा। यह कदम देश के श्रमिकों को सशक्त बनाने और भारत की आर्थिक तरक्की को तेज करने के लिए उठाया गया है। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं।

सरकार ने लंबे कार्य घंटे, व्यापक निश्चित अवधि के रोजगार और नियोक्ता-अनुकूल छंटनी नियमों की अनुमति भी है, जिसकी श्रमिक संगठनों ने आलोचना की है। वेतन संहिता में चार, सामाजिक सुरक्षा संहिता में नौ, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता में 13 और औद्योगिक संबंध संहिता में तीन कानूनों को मिलाया गया है। हालांकि, श्रमिक संगठनों ने छंटनी संबंधी अस्पष्ट प्रावधानों और केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वयन के दौरान संभावित मनमाने व्यवहार को लेकर इन संहिताओं की आलोचना की है। श्रम संहिताओं में बंदी, छंटनी या लागत कटौती के लिए अनिवार्य सरकारी अनुमति की सीमा बढ़ा दी गई है। मौजूदा प्रावधान में 100 या अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को सरकारी अनुमति की जरूरत थी। अब नई संहिता में यह सीमा 300 श्रमिकों तक बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, फैक्टरियों में काम के घंटे नौ से बढ़ाकर 12 घंटे और दुकानों तथा प्रतिष्ठानों में नौ घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे कर दिए गए हैं। देश के 10 मजदूर संगठनों के एक संयुक्त मंच ने गए श्रम सुधारों की निंदा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि ये संहिताएं हमारे लोगों, नारी शक्ति और युवा शक्ति के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम और समय पर मजदूरी भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल तथा लाभकारी अवसरों की मजबूत नींव का काम करेंगी।

- सुधार के माध्यम से 29 मौजूदा श्रम कानून बनाए तर्कसंगत
- 300 श्रमिकों की बिना परमिशन की जा सकेगी छंटनी
- केंद्र के ऐतिहासिक फैसले की श्रमिक संगठनों ने की आलोचना

नए लेबर कानूनों से मिलने वाली 10 बड़ी गारंटी

- सभी मजदूरों को समय से न्यूनतम वेतन की गारंटी। ● युवाओं को जॉब लेटर (अपॉइंटमेंट लेटर) देना अनिवार्य। ● महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन और सम्मान। ● देश के 40 करोड़ मजदूरों को सोशल सिक्योरिटी। ● फिक्स्ड-टर्म कर्मचारियों को सिर्फ 1 साल में ग्रेच्युटी का अधिकार। ● 40 साल से ऊपर हर कर्मचारी की साल में एक बार मुफ्त हेल्थ जांच। ● ओवरटाइम करने पर दुगुना वेतन। ● खतरनाक उद्योगों में 100% हेल्थ सुरक्षा। ● अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सामाजिक न्याय की गारंटी। ● पीएफ, ईसीआईसी, बीमा और सामाजिक सुरक्षा का दायरा गिग वर्कर्स को भी मिलेगा।

ये हैं चार श्रम संहिताएं

● वेतन संहिता- 2019, ● औद्योगिक संबंध संहिता- 2020, ● सामाजिक सुरक्षा संहिता- 2020 ● व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता- 2020

दुबई एयरशो में तेजस क्रैश, विंग कमांडर शहीद

- दो वर्षों में स्वदेशी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान से जुड़ी यह दूसरी दुर्घटना
- दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन करेगी आईएएफ

नई दिल्ली/दुबई, एजेंसी

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का एक लड़ाकू विमान तेजस शुक्रवार को दुबई एयरशो के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट शहीद हो गया। पिछले दो वर्षों में स्वदेशी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान से जुड़ी यह दूसरी दुर्घटना है। शहीद पायलट की पहचान विंग कमांडर नमांश स्याल (35) के रूप में हुई है। वह हिमाचल प्रदेश के निवासी थे। उनकी पत्नी भी एयरफोर्स में ही कार्यरत हैं।

दुर्घटना के वीडियो फुटेज में विमान को अचानक ऊंचाई से गिरते और फिर आग के एक गोले में बदलते देखा जा सकता है। दुबई वर्ल्ड सेंट्रल स्थित अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ऊपर काला धुआं छा गया, तथा भयभीत दर्शक बड़ी संख्या में बाड़बंद हवाई पट्टी के पीछे एक विशाल स्टैंड क्षेत्र में एकत्र हो गए। भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर एक बयान में कहा, आईएएफ को इस हादसे में हुए जानमाल के नुकसान पर बहुत दुख है और वह दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' का गठन किया जा रहा है। विमान बनाने वाली सरकारी एयरोस्पेस कंपनी एचएएल ने कहा कि वह साहसी भारतीय पायलट की जान जाने से बहुत दुखी है। सीडीएस ने भी हादसे पर दुख जताया है।

हवाई प्रदर्शन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ तेजस।

1984 में शुरू हुआ था तेजस विमान का निर्माण

तेजस विमान के निर्माण की परियोजना वर्षों के विचार-विमर्श के बाद अंतत: 1984 में शुरू हुई थी और 2011 में विमान को औपचारिक रूप से उड़ान के लिए उपयुक्त घोषित किया गया। तेजस विमान भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार बनने के लिए तैयार है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। नवंबर 2023 में, मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस विमान के अतिरिक्त बैच की खरीद के लिए प्रारंभिक मंजूरी दी थी।

वीडीओ भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी, छह गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) भर्ती परीक्षा 2018 में धांधली करने वाले छह आरोपियों को ईओडब्ल्यू ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कुल 173 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें 15 की पहले गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य की तलाश में टीम दबिश दे रही है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में मलिहाबाद मधवापुर कसमंडी का कुलदीप कुमार, बाराबंकी के सफदरगंज स्थित चैला का सूर्य प्रकाश सिंह, वाराणसी के लोहता के भिठारी का रिंकू यादव, जानकीपुरम मौर्या भट्ठा का अजय कुमार यादव, जालौन कालपी स्थित काशीरामपुर का सर्वेश कुमार और बरेली के बरादरी स्थित सुरेश शर्मा नगर पार्ट-3 का निदेश गंगवार शामिल है। वीडीओके 1953 पद की भर्ती का आयोजन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने वर्ष 2018में किया था। परीक्षा कार्यदायी संस्थान टीसीएस लि. द्वारा कराई जा रही थी। परीक्षा में धांधली की शिकायत मिलने शासन ने ईओडब्ल्यू से जांच कराई गई। धांधली की रिपोर्ट आने के बाद विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया। मामले की जांच कर रही ईओडब्ल्यू को दी गई। इसके बाद एसआईटी ने वर्ष 2021 में फिर से अपने थाने में मामला दर्ज किया।

- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से वर्ष 2018 में की गई थी भर्ती
- लखनऊ के विभूतिखंड थाने में दर्ज की गई थी एफआईआर ईओडब्ल्यू की टीम ने की कार्रवाई

आयोग के अधिकारी व टीसीएस की मिली भगत से हुई धांधली

जांच में सामने आया कि इस मामले में उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के तत्कालीन अधिकारी, कर्मचारी, कार्यदायी संस्था टीसीएस लि. द्वारा अन्य संस्थाओं, दलालों व अभ्यर्थियों से मिलीभगत कर लाखों रुपये वसूले गए। इसके बदले में भर्ती की लिखित परीक्षा से संबंधित ओएमआर शीट्स में व्यापक स्तर पर कूटरचना कर अपात्र अभ्यर्थियों को उच्चतम अंक दिया गया। इसके कारण पात्र अभ्यर्थियों का चयन नहीं हो सका। धांधली की पुष्टि होने पर परीक्षा को निरस्त कर दी गई थी। इस मामे में कुल 173 लोगों के खिलाफ साक्ष्य मिले। जिसके बाद उनको मामले का आरोपी बनाया गया। इस मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने 15 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

23 से अयोध्या हाईवे पर डायवर्जन

अयोध्या, अमृत विचार: राम मंदिर परिसर में 25 नवंबर को होने वाले भव्य ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने का मौका आम श्रद्धालुओं को नहीं मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत विशिष्ट अतिथियों के समारोह में शामिल होने के कारण सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने 24 नवंबर की शाम छह बजे से अयोध्या धाम में प्रवेश करने वाली सीमाओं को सील करने का निर्णय लिया है। शहर के अंदर भी किसी प्रकार के वाहनों के चलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अयोध्या से जुड़ने वाले सभी हाईवे पर 23 नवंबर की रात 11 बजे से डायवर्जन लागू हो जाएगा। प्रशासन ने होटल, गेस्ट हाउस में 24 व 25 नवंबर की बुकिंग भी निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, राम जन्मभूमि परिसर में भव्य ध्वजारोहण समारोह को लेकर शुक्रवार से अनुष्ठान आदि प्रारंभ हो गया। पुलिस अधीक्षक यातायात एपी सिंह ने बताया कि हाईवे पर ट्रक, डीसीएम व ट्रैक्टर आदि को अन्य मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। यह डायवर्जन 26 नवंबर की रात 10 बजे तक लागू रहेगा। वहीं प्रशासन ने राम मंदिर परिसर के 200 मीटर की परिधि में स्थित सभी होटल, धर्मशाला व होम स्टे में 24 व 25 नवंबर को बाहरी व्यक्ति को ठहराने से मना किया है।

दिल्ली पुलिस बोली, सीएए विरोध का उद्देश्य बांग्लादेश-नेपाल जैसा सत्ता परिवर्तन करना था

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली दंगों में उमर खालिद शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का किया विरोध

दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिका का विरोध करते हुए शुक्रवार को शीर्ष कोर्ट से कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कोई साधारण धरना नहीं था, बल्कि बांग्लादेश, नेपाल की तरह सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से किया गया था।

पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पीठ को बताया कि दिल्ली दंगे ताहिर हुसैन, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, इशरत जहां और खालिद सैफी सहित कई आरोपियों की संलिप्तता वाली साजिश का नतीजा थे। राजू ने कहा कि षड्यंत्रकर्ताओं ने हिंसा की योजना बनाई, हालात बिगाड़ने और असम को भारत से अलग करने के लिए चक्का जाम किया, तथा दंगाइयों को संगठित किया। उनके मन में संविधान के प्रति सम्मान नहीं है। मामले पर 24 नवंबर को सुनवाई करेगी।

वक्तव्य सीएम ने मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया बड़ा संदेश, कहा-दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास बेमानी

भारत की सोच निकाल सकती है वैश्विक चुनौतियों का रास्ता : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सोच वैश्विक चुनौतियों का रास्ता निकाल सकती है। जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य के संकट, वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफॉर्म का बेहतर उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है, वहां सतत विकास की बात करना बेमानी है। योगी ने वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को भारत की हजारों वर्षों की परंपरा करार दिया।

वे शुक्रवार को सिटी मॉन्टेसरी स्कूल द्वारा आयोजित मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें यूएन के घोषणा को स्मरण करना होगा, जिसमें सतत विकास के लक्ष्यों के बारे में दुनिया के देशों से आह्वान किया गया था। इन 16 लक्ष्यों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा दुनिया में जहां अशांति व अराजकता है, वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर एजुकेशन, स्वास्थ्य व सतत विकास की बात बेमानी सी दिखती है। सभी को इस बारे में विचार करना चाहिए कि कैसे इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब हम दुनिया के अंदर शिक्षा की बात करते हैं तो 250 करोड़ से अधिक बच्चों के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा पर फोकस करते हैं। विचार करना होगा कि बस्ते के बोझ से बच्चे डिप्रेस्ड न हों। उन्होंने कहा कि आज की कोई भी समस्या केवल एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया की समस्या होती है और दुनिया को ही मिलकर ही समाधान निकालना पड़ेगा।

मुख्य न्यायाधीशों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी और गणमान्य।

वास्तविक समस्या न भूलें

योगी ने कहा कि ये कभी विस्मृत नहीं करना चाहिए कि विश्व की वास्तविक समस्या क्या है। जब हम तह में जाते हैं तो लगता है कि डायलॉग एक-दूसरे के बीच में नहीं है। स्वयं के वर्चस्व को स्थापित करने के लिए डायलॉग को बाधित किया गया। ये कॉन्फ्रेंस डायलॉग का एक माध्यम है। दुनिया के जाजों के माध्यम से यह मानवता व उन लोगों के लिए भी एक उद्घोषणा है, जिन्होंने वर्चस्व स्थापित करने के लिए अराजकता का वातावरण पैदा करने का प्रयास किया।

वंदे मातरम् की प्रस्तुति

कार्यक्रम की शुरुआत गोमती नगर एक्सटेंशन ब्रांच के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति से की। छात्र-छात्राओं ने ट्रिनिडाड व टोबैगो, तुवालु, स्वीडन और भारत समेत विभिन्न देशों के प्रतिनिधि के तौर पर अपना पक्ष रखा। क्रोएशिया के पूर्व राष्ट्रपति, लेसोथो के पूर्व प्रधानमंत्री, वर्तमान व पूर्व राष्ट्र प्रमुख, सीएमएस की संस्थापक निदेशक डॉ. भारती गांधी, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के अध्यक्ष डॉ. रोजर किंगडम और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला उपस्थित रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 22 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा के नए कार्यालय का लोकार्पण करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

ब्रजेश पाठक ने किया नए कार्यालय का लोकार्पण

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा के नए कार्यालय की स्थापना से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कार्यों में गति आएगी। चिकित्सा शिक्षा के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों में सीटों में बढ़ोत्तरी, अधोसंरचना विकास तथा संस्थानों के प्रभावी संचालन के लिए यह कार्यालय प्रभावी सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोमतीनगर में विभूतिखंड स्थित किसान बाजार के द्वितीय तल पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण के नवीन कार्यालय का लोकार्पण करने के बाद बोल रहे थे। विभूति खंड स्थित किसान बाजार के द्वितीय तल पर खुले कार्यालय में बतौर विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष, महानिदेशक एवं सचिव अपर्णा यू, विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न चिकित्सा शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मोबाइल कोर्ट में सुनी गईं दिव्यांगों की समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ : दिव्यांगजन के अधिकारों की सुरक्षा एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के दिव्य कला मेला क्षेत्र में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। कोर्ट का आयोजन आयुक्त, दिव्यांगजन, भारत सरकार एवं राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मोबाइल कोर्ट में मौजूद 259 दिव्यांगजनों की समस्याओं पर मौके पर ही सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

खंड स्नातक निर्वाचन संबंधित कार्यक्रम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : भारत निर्वाचन आयोग की ओर से उप्र. विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 5 व खण्ड शिक्षक के 6 निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों को नये सिरे (डी-नोवो) से तैयार किए जाने को लेकर शेष कार्यक्रम का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 2 दिसम्बर को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिक इस दौरान दावे और आपत्तियां निर्धारित अवधि में प्रस्तुत कर सकेंगे। अन्तिम निर्वाचक नामावलियां 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित होंगी।

राजभवन में शुरू हुई पंचतंत्र वाटिका-2

अमृत विचार, लखनऊ : राजभवन प्रांगण में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को "पंचतंत्र वाटिका भाग 2" की शुरुआत की गई। ज्ञान, नैतिक मूल्यों और प्राचीन भारतीय साहित्य की अमर विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से वाटिका तैयार की गयी है। मालूम हो कि राज्यपाल ने 31 जुलाई 2021 को पंचतंत्र वाटिका के प्रथम चरण का उद्घाटन किया था। जिसमें पंचतंत्र की आठ प्रख्यात कथाओं को आकर्षक शिल्प, मनोहारी चित्रांकन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था।

आधी आबादी सशक्त तो समाज मजबूत

मुख्यमंत्री योगी ने फिक्की फ्लो के राष्ट्रीय अधिवेशन में महिलाओं को दिया आत्मनिर्भरता का मंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी सशक्त होगी तो समाज, प्रदेश और देश तीनों मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि जितनी मजबूत भूमिका पुरुष निभाते हैं, उससे भी बड़ी जिम्मेदारी महिलाएं निभा सकती हैं। समाज की प्रगति महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भरता के साथ निवेश और रोजगार का मंत्र भी दिया। कहा कि फिक्की जैसे संगठन नेतृत्व करते हैं और सरकार उन्हें पीछे से सपोर्ट करती है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित फिक्की फ्लो के राष्ट्रीय अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 20 चैप्टर में 16 हजार से अधिक प्रोफेशनल्स आपके साथ जुड़े हैं, लेकिन 140 करोड़ के भारत में यह संख्या कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 वर्ष पहले का उत्तर प्रदेश आज पूरी तरह बदल चुका है। असुरक्षा, दंगों और अव्यवस्था से निकलकर राज्य आज कानून-व्यवस्था के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ का ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुका है। बहुत जल्द 5 लाख करोड़ के नए निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरेंगे।

फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (फिक्की-फ्लो) के राष्ट्रीय अधिवेशन में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

आतंकी का वीडियो सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाला : जैदी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- यूपी शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

अमृत विचार : दिल्ली में हुए कायराना आतंकी धमाके के बाद जांच एजेंसियों को आरोपी उमर के मोबाइल फोन से मिला वीडियो बेहद गंभीर, उत्तेजक और घोर आपत्तिजनक है। यूपी शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस वीडियो में जिस प्रकार हिंसा और नफरत को बढ़ावा देने की कोशिश की गई है, वह न केवल समाज के लिए खतरा है, बल्कि देश की शांति, सुरक्षा और साम्प्रदायिक सौहार्द पर सीधा हमला है। हम इस जघन्य कृत्य और इसे सही साबित करने के किसी भी प्रयास की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

आतंकी कार्रवाई करना और फिर डिजिटल माध्यम से इसे जायज दिखाने की कोशिश, आतंकवादी मानसिकता की गहरी विकृति को दर्शाती है। सुरक्षा एजेंसियां इस मामले की विस्तृत जांच कर रही हैं और हमें विश्वास है कि इस घटना से जुड़े सभी दोषियों को कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलेगी। उन्होंने अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाह या भड़काऊ सामग्री से दूर रहें और शांति बनाए रखें।

कई जिलों में एक्यूआई 300 पार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हवा में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में, सांस लेना मुश्किल
- गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ और लखनऊ सबसे अधिक प्रभावित
- प्रदूषण की परत के कारण सूरज की रोशनी भी पड़ी हल्की

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में प्रदूषण का स्तर निरंतर गहरा रहा है। कई जिलों का प्रदूषण स्तर 300 के पार हो चुका है। इसमें सबसे आगे गाजियाबाद है, इसके बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ और लखनऊ शामिल हैं।

सेंट्रल कंट्रोल पॉल्यूशन बोर्ड (सीपीसीबी) रिपोर्ट के अनुसार, हाल के दिनों में लखनऊ का रात्रि का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 356 दर्ज किया गया, वहीं दोपहर को 290 दर्ज किया गया। इसके अलावा इंडस्ट्रियल एरिया का हाल भी काफी खराब है।

गोमती नगर, कुकरैल, लालबाग और अलीगंज का प्रदूषण स्तर लगभग 300 के करीब पहुंच रहा है। रिपोर्ट में तालकटोरा इंडस्ट्रियल एरिया का एक्यूआई 299, केन्द्रीय विद्यालय लखनऊ का एक्यूआई 178, लालबाग का एक्यूआई 231, गोमती नगर का एक्यूआई 180, अंबेडकरनगर विवि का एक्यूआई 182 और कुकरैल पिकनिक स्पॉट का एक्यूआई 127 है। जिलों में एक्यूआई की स्थिति देखें तो गोरखपुर में 264, गाजियाबाद में 330 कानपुर में 263, मेरठ में 234 नोएडा में 308, प्रतापगढ़ में 216, प्रयागराज में 247 है।

15 जिलों में छापेमारी, 34 फर्मों पर एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कोडीन युक्त कफ सीरप और नारकोटिक्स औषधियों के अवैध करोबारियों पर बड़ी कार्रवाई

अमृत विचार : कोडीन युक्त कफ सीरप व नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं के अवैध भंडारण, बिक्री और अन्य राज्यों में संभावित अवैध सप्लाई को रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान में उप्र. खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एसएफ) ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को विभाग ने 15 जिलों में छापेमारी की। इस दौरान अवैध व्यापार में संलिप्त पाए गए कुल 34 फर्मों-व्यक्तियों के विरुद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त रोशन जैकब ने बताया कि जांच अभियान के दौरान एबॉट हेल्थ केयर के सुपर स्टॉकिस्ट शैली ट्रेडर्स, रांची (झारखंड) और लखनऊ ट्रांसपोर्ट नगर के फार्मास्युटिकल इंडिया लिमिटेड एवं बायोहब से प्राप्त विक्रय रिकार्ड के सत्यापन में कई फर्मों व व्यक्तियों की अवैध संलिप्तता का खुलासा हुआ, जिसके बाद इन सभी के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि कई जिलों में जांच के दौरान संचालित व असंचालित फर्मों से लिए गए प्रपत्र रिकार्डों की जांच जारी है।

इन फर्मों पर की गई कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया कि जांच के दौरान जौनपुर में सबसे ज्यादा 12 फर्में पकड़ी गई, जिनमें बद्रीनाथ फार्मेसी एंड सर्जिकल एजेंसी, श्री केदार मेडिकल एजेंसी, हर्ष मेडिकल एजेंसी और मिलन ड्रग सेंटर, मिलन मेडिकल एजेंसी बलुआ घाट, निगम मेडिकल एजेंसी , पूर्वांचल एसोसिएट, शौकश्य फार्मा सरफराजपुर, शिवन मेडिकल, श्री मेडिकल एजेंसी, स्टार इंटरप्राइजेज और गुप्ता ट्रेडिंग शामिल हैं। इसके अलावा अम्बेडकरनगर में नाग ड्रग हाउस और नाग मेडिकल स्टोर, बहराइच की तीन फर्मों में बाबा महादेव फार्मेसी, नारायण फार्मा और रॉयल फार्मा, बलरामपुर में अमन मेडिकल एजेंसी और अशोक मेडिकल स्टोर, बस्ती की गोयल फार्मा, भदोही में महेन्द्र मेडिकल एजेंसी, लखीमपुर खीरी में पियूष मेडिकल एजेंसी, रायबरेली में अजय फार्मा और पाल मेडिकल एजेंसी, संत कबीर नगर में संकल्प मेडिकल स्टोर और लाइफ मेडिकल स्टोर, सिद्धार्थनगर में कसौधन मेडिकल स्टोर, सुल्तानपुर में हिन्दुस्तान मेडिकल एजेंसी गोलाघाट, चंदौली की तीन फर्मों में वॉइस डिस्ट्रीब्यूटर्स, समृद्धि इंटरप्राइजेज और एस.पी. फार्मा, प्रयागराज में ओम सॉई फर्मास्युटिकल और मुगलसराय (चंदौली) में सिंह मेडिकोज शामिल हैं।

आत्मनिर्भर अभियान को गति देगा खादी महोत्सव

खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने 10 दिवसीय महोत्सव का किया उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

खादी महोत्सव में चरखा चलाते मंत्री राकेश सचान।

अमृत विचार : प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि खादी महोत्सव आत्मनिर्भर भारत अभियान को और गति देगा। आज प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छता, स्वदेशी, स्वरोजगार व आत्मनिर्भर भारत के अभियान के अंतर्गत खादी पुनः राष्ट्रीय पहचान की शान बन रही है।

वे शुक्रवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमतीनगर में 10 दिवसीय 'खादी महोत्सव-2025' का फीता काटकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि खादी महात्मा गांधी के स्वावलंबन के विचार से जुड़ी हुई है। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनियों का आयोजन कर ग्रामीण उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। सचान ने बताया कि खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्तमान में 3,90,000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने कहा कि खादी अब आधुनिक डिजाइनों और तकनीकों के माध्यम से युवाओं की पहली पसंद बन रही है।

उद्यमियों को बड़ा मंच, स्वदेशी उत्पादों की शान : महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 160 से अधिक उद्यमियों और इकाइयों ने स्टॉल लगाए हैं। इनमें सहारनपुर का नक्काशीदार फर्नीचर, भदोही की कालीन, अमरोहा के गमछे-सदरी, सीतापुर की दरी-तौलिये, वाराणसी की सिल्क साड़ियां, प्रतापगढ़ के आंवला उत्पाद, लखनऊ की रॉयल हनी-मिट्टी कला, बीकानेरी पापड़, लेदर उत्पाद और तमाम स्वदेशी वस्तुएं प्रमुख आकर्षण हैं।

राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात के दौरान उन्हें पुस्तक भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

एसआईआर अभियान में जुटें कार्यकर्ता: धर्मपाल

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में अवध क्षेत्र के मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार चुनाव के समय सभी कार्यकर्ता बूथों पर एकजुट होकर काम करते हैं, उसी सक्रियता और ऊर्जा के साथ एसआईआर अभियान को भी मिशन मोड में आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने गणना फार्म, नवमतदाता और बोगस नाम हटाने पर विशेष जोर दिया। कहा कि बीएलए-2, बूथ अध्यक्ष और बूथ प्रवासी की रोजाना बूथ पर उपस्थिति अनिवार्य होगी।

धर्म के नाम पर ठगने वाला गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सदस्यों के खातों में मंगाता था साइबर ठगी की रकम
- एसटीएफ की आगरा यूनिट की टीम ने किया गिरोह का पर्दाफाश

अमृत विचार : धार्मिक आयोजन के नाम पर महिलाओं और अन्य लोगों को संगठन से जोड़कर साइबर ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को एसटीएफ की आगरा यूनिट ने गिरफ्तार किया है। गिरोह के मास्टरमाइंड की तलाश जारी है। आरोपी के पास से दो कारें, महिला स्वास्थ्य मिशन ट्रस्ट के नाम की रसीदें, कई क्रेडिट और डेबिट कार्ड तथा 10 हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं।

एसटीएफ के एएसपी राकेश के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी रवि प्रकाश मूल रूप से देवरिया के खुखुंदू थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव का रहने वाला है। उसे आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र में आवास विकास कालोनी, सेक्टर-6 स्थित महाजन कॉम्प्लेक्स से पकड़ा गया। गिरोह का सरगना अजय उर्फ बिल्लू मैनपुरी थाना कोतवाली क्षेत्र की गिहार कालोनी, नवीन मंडी का निवासी है, जिस पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं।

एसटीएफ इंस्पेक्टर यतींद्र शर्मा के अनुसार, रवि ने महिला स्वास्थ्य मिशन ट्रस्ट बना रखा था। उसकी आड़ में वह धार्मिक आयोजन कराता और गरीब महिलाओं व लोगों को सदस्य बनाता था। सदस्यता और आईडी कार्ड के नाम पर 50 से 100 रुपये लेता था। इसके बाद लालच देता कि ट्रस्ट के पास बड़ी धनराशि आती है, जो सदस्यों के खातों में जाएगी। इसी बहाने वह बैंक खाते, चेकबुक और हस्ताक्षर ले लेता था। साथ ही सदस्यों के नाम से सिम लेकर एटीएम कार्ड भी जारी करा लेता था। गिरोह इन्हीं खातों में साइबर फ्रॉड की रकम मंगवाकर निकालता था।

गिरोह ने आवास विकास कालोनी के ललित गर्ग और सतीश चंद्र सिंघल को भी इसी तरीके से जाल में फंसाया। ललित गर्ग के खाते में संदिग्ध रूप से बड़ी रकम आने पर खाता सीज हुआ, जिसके बाद उसने एसटीएफ से शिकायत की। जांच में गिरोह का खुलासा हुआ।

वाराणसी के दालमंडी व्यापारियों को दाल की तरह न दले सरकार

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कई साल से भाजपा सरकार वाराणसी दाल मंडी के व्यापारियों की दुकानों को ध्वस्त कर रही है। यह ध्वस्तीकरण राजनीतिक है। भाजपा उस बाजार से चुनाव हारी है, इसीलिए व्यापारियों को परेशान कर रही है। हमारी मांग है कि बीजेपी वाराणसी के दालमंडी वालों को दाल की तरह ना दले। दाल मंडी वाले व्यापारियों और कारोबारियों को संरक्षण और सम्मान दे। सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी कार्यालय मे वाराणसी से आए व्यापारियों के साथ प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे।

26 पीसीएस अधिकारी होंगे रिटायर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सूची में अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट समेत विभिन्न पदों पर तैनात अधिकारी शामिल

अमृत विचार : राज्य सरकार ने वर्ष 2026 में अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले 26 पीसीएस अधिकारियों की सेवानिवृत्ति सूची जारी कर दी है। सूची में अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, अपर आयुक्त, नगर मजिस्ट्रेट समेत विभिन्न पदों पर तैनात प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं।

नियुक्ति विभाग अनुभाग-2 द्वारा शुक्रवार को वरिष्ठ व कनिष्ठ वेतनमान के अधिकारियों की जारी सूची के अनुसार, जनवरी 2026 से दिसंबर 2026 के मध्य अपनी 60 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले पीसीएस अधिकारी निर्धारित तिथि पर सेवानिवृत्त हो जाएंगे। सेवानिवृत्त होने वाले मुख्य अधिकारियों में उप जिलाधिकारी सुरेश राय (सोनभद्र), राजेश कुमार (रामपुर), राम दयाल (बहराइच), अभय राज पाण्डेय (आजमगढ़), राम आसरे वर्मा (सहारनपुर) दिग्विजय कुमार सिंह (कानपुर देहात) व चन्द्रमान सिंह (सिद्धार्थनगर), एडीएम भैरपाल (गौतमबुद्धनगर), आशुतोष द्विवेदी (कानपुर नगर), विजय शंकर तिवारी (हमीरपुर), अनिल कुमार (लखीमपुर खीरी), बच्चू सिंह (गौतमबुद्ध नगर), प्रेम कुमार राय (कुशीनगर), राशिद अली खान-13, अजय कुमार सिंह (मिर्जापुर), अनिल चतुर्वेदी-15 (अमेठी), अपर आयुक्त बृज किशोर (कानपुर), भगवान शरण (चित्रकूट) और शमशाद हुसैन-09 (आजमगढ़), नगर मजिस्ट्रेट रवि शंकर सिंह (वाराणसी) और संजय कुमार (फर्रुखाबाद), मिथिलेश कुमार (राजस्व परिषद), सचिव विकास प्राधिकरण हेम सिंह (अयोध्या), विशेष कार्याधिकारी राजस्व परिषद मिथिलेश कुमार (लखनऊ), रजिस्टार सत्य प्रकाश (प्रयागराज) और मुख्य राजस्व अधिकारी बाबू राज (सुल्तानपुर) शामिल हैं। सरकार ने सभी अधिकारियों की सेवानिवृत्ति तिथियां निर्धारित करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सुविधा | खत्म होगी कार्यालयों की दौड़, अधिवक्ताओं का बनेगा डिजिटल प्रोफाइल

राजस्व न्यायालयों में ऑनलाइन दायर होंगे वाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केस फाइलिंग सिस्टम तैयार व्हाट्सएप पर भी मिलेगी सूचना

अमृत विचार : प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में वाद दाखिल करने की प्रक्रिया अब अधिक सरल और आधुनिक होने जा रही है। राजस्व परिषद ने न्यायालयों में भीड़ कम करने और वाद दाखिल प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन केस फाइलिंग सिस्टम तैयार कर लिया है। अगले माह से इसे सबसे पहले राजस्व परिषद के न्यायालयों में लागू किया जाएगा, जिसके बाद यह व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से सभी जिलों में लागू की जाएगी।

नए सिस्टम में अधिवक्ताओं को अपना डिजिटल प्रोफाइल बनाकर राजस्व परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। प्रोफाइल सत्यापित होते ही उन्हें ऑनलाइन वाद दाखिल करने की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। अधिवक्ता की सदस्यता, वरिष्ठता और लंबित मामलों का पूरा विवरण भी इसी प्रोफाइल में उपलब्ध रहेगा। राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली के तहत राजस्व परिषद पहले से ही विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध करा रहा है। अब ऑनलाइन वाद दायर करने की सुविधा जुड़ जाने से न केवल कार्यप्रणाली में तेजी आएगी, बल्कि अधिवक्ताओं व नागरिकों को कार्यालया के चक्कर लगाने से भी राहत मिलेगी। नई व्यवस्था से राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, तेजी और तकनीकी दक्षता बढ़ेगी और लोगों को न्याय के प्रति एक बेहतर अनुभव प्राप्त होगा।

केस डायरी बनाने की जरूरत नहीं

नई व्यवस्था से अधिवक्ताओं को केस डायरी बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उनके प्रोफाइल पर ही सभी मामलों की सुनवाई की तारीखें स्वत: अपडेट होती रहेंगी। वाद से संबंधित सूचनाएं अब केवल एसएमएस ही नहीं, बल्कि व्हाट्सएप पर भी भेजी जाएंगी, जिससे उनका समय बचेगा और सूचनाएं तुरंत मिल सकेंगी। राजस्व परिषद अधिकारियों का कहना है कि यह सिस्टम लागू होने के बाद पेशकारों का बोझ भी काफी कम हो जाएगा और न्यायालयों में वाद दाखिल से जुड़े कार्य अधिक व्यवस्थित और सहज हो जाएंगे।

पंचायत चुनाव : मतदाता सूची तैयार करना चुनौती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कई जिलों में मतदाता सूची फाइनल करने का कार्य चल रहा ढीला, आयोग सख्त
- डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाना भी बड़ी समस्या

अमृत विचार : उप्र पंचायत चुनाव के मद्देनजर फाइनल वोटर तैयार करना भी चुनाव आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। दरअसल, लोकसभा और विधानसभा चुनाव को लेकर चल रहे एसआईआर के बीच अधिकांश जिलों में सूची फाइनल करने का काम ढीला चल रहा है। वहीं, इस सूची से डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाना भी बड़ी समस्या है।

विपक्षी दल बिहार का उदाहरण देकर डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम पर सही वोटर्स के नाम हटाने का भी आरोप मढ़ रहे हैं। इस बीच राज्य निर्वाचन आयोग के बार-बार दिशा निर्देशों के बावजूद जिलों में अधिकारी पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम बाहर करने और नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के कार्य में ढुलमुल रवैयार अख्तियार कर रहे हैं। ऐसे में जहां मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का काम चल रहा है, पंचायत चुनाव की सूची के कार्य में अब और देरी हो रही है। इस देरी के चलते अप्रैल-मई में पंचायत चुनाव कराना बड़ी चुनौती होगी।

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अब वोटर लिस्ट जारी करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर छह फरवरी तक कर दी गई है। पहले यह तारीख 15 जनवरी तक निर्धारित की गई थी। आयोग की ओर से जो संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है, उसके अनुसार अब ड्राफ्ट मतदाता सूची 23 दिसंबर को जारी होगी। पहले इसे 5 दिसंबर को जारी किया जाना था। यही नहीं मतदाता सूची पर दावे व आपत्तियों का निस्तारण 31 दिसंबर से 6 जनवरी तक किया जाएगा। पहले यह कार्य 13 से 19 दिसंबर के बीच किया जाना था।

निर्देश के बावजूद कार्य धीमा

पंचायत चुनाव की मतदाता सूची में 12.43 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। पूर्व में डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम लिस्ट से बाहर करने के लिए अगस्त में ही राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से सभी जिलों को पत्र भेजा गया था, लेकिन अभी तक यह काम नहीं हुआ। कुल 90.76 लाख मतदाताओं के नाम दो या तीन-तीन बार होने के कारण 2.27 करोड़ डुप्लीकेट मतदाता दर्ज हैं। सूची को ठीक करने का कार्य धीमी गति से चल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

नवीन संपत्ति मूल्यांकन दर सूची जारी

कुशीनगर, अमृत विचार : जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर द्वारा संपत्ति मूल्यांकन से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यालय आदेश जारी किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टाम्प (संपत्ति का मूल्यांकन) नियमावली–1997 तथा वर्ष 2013 एवं 2015 में संशोधित प्रावधानों के तहत जनपद कुशीनगर के सभी उपनिबंधक कार्यालय–पडरौना–सदर, हाटा, तमकुहीराज, कसया, कप्तानगंज एवं खड्डा के क्षेत्राधिकार में आने वाली सभी प्रकार की अचल संपत्तियों के नवीन मूल्यांकन दर निर्धारित कर दी गई है।इससे पूर्व जारी सभी दर सूचियां एवं दिशा–निर्देश अवकाशित माने जाएंगे। नई मूल्यांकन दर सूची 22 .11 .2025 से प्रभावी होगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि सभी संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि नवीन दर सूची के आधार पर ही सभी कार्यवाही की जाए।

चाचा ने भतीजे पर किया कुदाल से प्रहार

कुशीनगर, अमृत विचार : जिले के अहिरौली थाना क्षेत्र में सुबह खेत की गेहू की बुवाई के दौरान चाचा द्वारा भतीजे पर कुदाल से प्राणघातक हमले से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार सेन्दुआर गांव के निवासी मनीष तिवारी सुबह खेत में गेहूं की बुआई करने गए थे खेत में अचानक उन पर हमला कर उन्हे गंभीर रूप से घायल कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची लोगों की मदद से उन्हे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उन्हे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर लिया अभी स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तहरीर मिलने पर हमलावरों की पहचान सुनिश्चित करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से लोगों में आक्रोश है।

सहमति, विवाह व मातृत्व के बाद पॉक्सो की कार्यवाही औचित्यहीन

हाईकोर्ट ने पॉक्सो व दुष्कर्म के मामले की आपराधिक कार्यवाही रद की

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को 2016 में दर्ज पॉक्सो और दुष्कर्म के एक मामले की आपराधिक कार्यवाही यह कहते हुए रद्द कर दी कि आरोपी ने पीड़िता से 'बहुत पहले' विवाह कर लिया था। दंपति अब एक बच्चे के साथ सुखी वैवाहिक जीवन जी रहे हैं। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने वसीउल्लाह और दो अन्य की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए कहा कि यदि कोई अपराध था... तो अब वह समाप्त हो चुका है। इस स्थिति में अभियोजन जारी रखने से न केवल न्यायिक समय की बर्बादी होगी, बल्कि एक स्थिर वैवाहिक जीवन को भी हानि पहुंचेगी। दोषसिद्धि की संभावना अब न केवल दूर है बल्कि धूमिल भी हो चुकी है। याचियों ने बीएनएसएस की धारा 528 के तहत दाखिल वर्तमान याचिका के माध्यम से आईपीसी की विभिन्न धाराओं और पोक्सो की धारा 7/8 के तहत लंबित मुकदमे सहित संपूर्ण कार्यवाही निरस्त करने की मांग की थी। मामले के अनुसार जनवरी

2017 में पीड़िता के पिता ने एफआईआर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाया गया। बरामदगी के बाद पीड़िता ने सीआरपीसी की धारा 161 के तहत अपने बयान में कहा कि वह बालिग है और स्वेच्छा से याची के साथ गई थी तथा उससे विवाह की इच्छा रखती है। कोर्ट ने दर्ज किया कि सीएमओ की रिपोर्ट (फरवरी 2017) के अनुसार घटना के समय पीड़िता की आयु लगभग 18 वर्ष थी। मुकदमे की लंबित अवस्था में दोनों ने विवाह किया, वर्ष 2018 में उनके यहां पुत्र का जन्म हुआ। इसके बाद मामला मध्यस्थता केंद्र भेजा गया, जहां पीड़िता के पिता सहित सभी पक्षों ने समझौता कर लिया। हालांकि राज्य की ओर से इस पर आपत्ति जताते हुए तर्क दिया गया कि पीड़िता पोक्सो की परिभाषा के अनुसार 'बच्ची' थी और ऐसे मामलों में समझौता अपराध को समाप्त नहीं कर सकता। लेकिन कोर्ट ने उपरोक्त तर्क को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि अभियोजन जारी रखने से यह 'खुशहाल परिवार' टूट सकता है, जो न्याय की भावना के प्रतिकूल होगा।

आजम खां के केस की सुनवाई से न्यायमूर्ति ने खुद को किया अलग

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- न्यायमूर्ति समीर जैन के समक्ष आजम के चार मामले थे लंबित

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहे इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति समीर जैन ने अचानक स्वयं को इन सभी मामलों से अलग कर लिया। शुक्रवार को 2016 के यतीमख़ाना मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जैन ने अधिवक्ताओं की मौजूदगी में अचानक यह घोषणा की कि वह अब आजम खां से जुड़े किसी भी मामले की सुनवाई नहीं करेंगे। हालांकि उन्होंने इस निर्णय के पीछे कोई कारण नहीं बताया।

न्यायमूर्ति जैन की एकलपीठ के समक्ष आजम खां के कुल चार मामले लंबित थे। उनकी अलगाव घोषणा के साथ ही अब इन मामलों को नई पीठ को सौंपा जाएगा, जिसके निर्धारण की जिम्मेदारी

आजम खां।

मुख्य न्यायाधीश पर होगी। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति समीर जैन अदालत में कई चर्चित संवेदनशील मामलों की सुनवाई के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पूर्व में माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को सुनाई गई दो वर्ष की सजा पर रोक लगाने का आदेश दिया था, जिससे उनकी विधायकी बहाल हुई थी। इसके अतिरिक्त कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आज़ाद, सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क और पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के मामलों की सुनवाई भी उनकी पीठ ने की है।

ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर परिवहन सुविधा की मिलेगी बड़ी सौगात

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) दयाशंकर सिंह से विधायक विनय कुमार ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने मंत्री से शोहरतगढ़ विधानसभा के परिवहन ढांचे को और मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की। विधायक ने बताया कि शोहरतगढ़ एवं बढ़नी दोनों स्थानों पर नये बस अड्डों के निर्माण को स्वीकृति मिल गई है। जिसको लेकर मंत्री ने आश्वस्त किया कि आवश्यक धनराशि शीघ्र जारी की जायेगी, आने वाले महीनों में दोनों बस अड्डों का शिलान्यास किया जायेगा। इसके लिए विधायक ने विधानसभा वासियों की ओर मंत्री जी को हृदय से आभार व्यक्त किया। कहा कि इन बस अड्डों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी।

घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्राप्त कराएं बीएलओ व लेखपाल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत तहसील नौगढ़ एवं तहसील बांसी के मतदाता पंजीकरण केन्द्र का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2026 के अन्तर्गत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा को बांटे गये गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) एवं जमा किये गये प्रपत्र के बारे में जानकारी ली। उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि लेखपाल द्वारा अपने क्षेत्र के बीएलओ से समन्वय स्थापित करते हुए सभी मतदाताओं को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र प्राप्त करा दें। मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरने के बाद उसको बीएलओ, रोजगार सेवक, ग्राम प्रधानों के माध्यम से प्राप्त कर लें। गणना प्रपत्र की फीडिंग में प्रगति लायें। जो लेखपाल अच्छा कार्य कर रहे हैं उनको फील्ड में भेजकर कार्य में प्रगति लायें। जिन बीएलओ की प्रगति कम है उनके सहयोग में किसी कर्मचारी को लगाकर कार्य में

अधिकारी से जानकारी लेते डीएम शिवशरणप्पा जीएन।

प्रगति लायें। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में रूचि न लेने के कारण ए.ई.आर.ओ./खण्ड विकास अधिकारी नौगढ़, सेक्टर ऑफिसर/खण्ड शिक्षा अधिकारी नौगढ़ एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी जोगिया का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव एवं उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, उपजिलाधिकारी न्यायिक शशांक शेखर राय, तहसीलदार एवं अन्य सम्बन्धित उपस्थित थे।

पशु आरोग्य मेला का किया गया आयोजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। तहसील व विकास खण्ड बांसी अन्तर्गत ग्राम पंचायत खजुरिया के ग्राम टोला बिशनपुर में शुक्रवार को पशु चिकित्सालय बांसी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। पशु आरोग्य मेले का शुभारम्भ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि चन्द्र प्रकाश यादव के द्वारा गौ वंश की पूजा कर फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। उप पशु चिकित्सा अधिकारी बांसी डॉ0 राकेश चौधरी ने मुख्य अतिथि 1962 इमरजेंसी सेवा के डॉक्टर बनारसी मिश्रा को माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कैम्प में 157 पशु पालको का रजिस्ट्रेशन कर 427 पशुओं का दवा वितरण भी किया गया।

रुंगटा एजेंसी में लगी भीषण आग

- अग्निकांड में लाखों रुपए के नुकसान होने की आशंका

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर के औद्योगिक क्षेत्र गीडा में स्थित सेक्टर-13 की रूंगटा एजेंसी (रूंगटा इंडस्ट्रीज) में शुक्रवार को भीषण आग लग जाने से लाखों रुपए के नुकसान होने की आशंका है।

ब्रान ऑयल उत्पादन करने वाली इस फैक्ट्री में आग लगने के कुछ ही मिनटों मे उठती लपटों और धुएं की मोटी परत ने न सिर्फ फैक्ट्री परिसर को अपनी चपेट में ले लिया, बल्कि आसपास के क्षेत्र में भी दहशत का माहौल पैदा कर दिया। गीडा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर दिया गया है। लोगों को घटना स्थल तक जाने से रोक दिया गया है । जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया किया ऑयल में आग लगने से अंदर वेपर बन रहा है। जिस टीम ने इस प्लांट को लगाया उन्हें भी बुलाया गया है। चार इंजीनियर दिल्ली से पहुंच रहे है। राहत की बात है कि अग्निकांड में किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार आग लगते ही फैक्ट्री परिसर में मौजूद कर्मचारियों ने शोर मचाकर अन्य साथियों को सतर्क किया और प्रारंभिक प्रयास करते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। लेकिन देखते ही देखते आग इतनी तेजी से फैली कि कर्मचारियों को जान बचाकर बाहर भागना पड़ा। कर्मचारियों के सुरक्षित बाहर निकलते ही घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई।

सूत्रों ने बताया कि दमकल विभाग की लगभग एक दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचकर फैक्ट्री के अंदर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी हुई थीं। दमकल विभाग टीम को डर है कि आग टैंक के अंदर पहुंच गई तो विस्फोट होने का डर है। इसलिए कूलिंग की जा रही है। तेज़ लपटों और लगातार उठते धुएं के कारण आग पर नियंत्रण की कोशिशें चुनौतीपूर्ण बनी हुई थीं। दमकल कर्मियों के अनुसार फैक्ट्री में ज्वलनशील सामग्री होने से आग और भी भड़क गई, जिससे इसे नियंत्रित करने में समय लग रहा है। आग बुझाने के लिए चार अधिकारियों की टीम बनाई गई है।

लोटस ग्रैंड होटल का भव्य शुभारंभ

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। खलीलाबाद क्षेत्र हाइवे स्थित लोटस ग्रैंड होटल का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। होटल के प्रबंधक अनुराग सिंह एवं उनकी माता लक्ष्मी सिंह ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। मैनेजिंग डायरेक्टर नंदन पांडे के नेतृत्व में आगंतुकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में जनपद के एडीएम जयप्रकाश, सीओ सदर अजय सिंह सहित कई सम्मानित जनप्रतिनिधि, व्यवसायी और समाजसेवी उपस्थित रहे। होटल में

खलीलाबाद स्थित लोटस ग्रैंड होटल का शुभारंभ करते प्रबंधक अनुराग सिंह एवं उनकी माता लक्ष्मी सिंह व अन्य लोग। अमृत विचार

50 सुसज्जित कमरे, बहु-व्यंजन रेस्टोरेंट और आधुनिक सुविधा युक्त सम्मेलन हॉल उपलब्ध हैं। उद्घाटन अवसर पर आए मेहमानों ने होटल की व्यवस्थाओं की सराहना की और कहा कि यह प्रतिष्ठान क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

शिखर पर भगवा ध्वज लहराएगा, उसी दिन भारत हिंदू राष्ट्र घोषित हो जाएगा : वेदांती

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: राम मंदिर में 191 फीट ऊंचे शिखर पर धर्म ध्वज का आरोहण 25 नवंबर को होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्वज का आरोहण करेंगे। सोशल मीडिया पर ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर एक पुराना ऑडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

यह पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का बताया जा रहा है। सन् 1990 के राम मंदिर आंदोलन के दौरान हुए दिल्ली में रामलीला मैदान का भाषण है जिसमें वेदांती कहते सुने जा रहे हैं कि जिस दिन राम

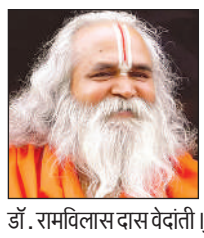

डॉ. रामविलास दास वेदांती।

मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज लहराएगा, उसी दिन भारत हिंदू राष्ट्र घोषित हो जाएगा। ध्वजारोहण के कार्यक्रम से पहले देशभर में इस ऑडियो को लोग अपने सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे है। डॉ. रामविलास दास वेदांती ने शुक्रवार को कहा कि 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर केसरिया ध्वज फहराया जाएगा। जो जीवन का अत्यंत सुखद और ऐतिहासिक क्षण होगा। बताया कि 25 नवंबर और श्रीराम के विवाह उत्सव पंचमी तिथि का बड़ा ही शुभ मुहूर्त है। यह दिन भारत के लिए मंगलकारी है। जिस मंगलकारी तिथि पर प्रधानमंत्री भगवा ध्वज लहराने जा रहे है। वह सामाजिक एकता का प्रतीक होगा। उन्होंने बताया कि दिल्ली के रामलीला मैदान में सन 1990 में जब धर्म संसद हुआ था तब हमने भी यह घोषणा की थी कि जिस दिन अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार होगा। मंदिर के शिखर पर जिस दिन भगवा ध्वज लहरा दिया जाएगा। उस दिन भारत के संविधान में हिंदू राष्ट्र की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी।

यातायात पुलिस ने अभियान चलाकर वाहनों का किया चालान

सिद्धार्थनगर , अमृत विचार। यातायात पुलिस ने यातायात माह के तहत शुक्रवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप स्टीकर लगाया गया। दो पहिया वाहन पर तीन सवारियां बैठाने व बिना हेलमेट बाइक चलाने पर चालान किया गया। क्षेत्राधिकारी यातायात विश्वजीत सौरयान के नेतृत्व में प्रभारी यातायात में टीम ने हाईडिल तिराहा, सिद्धार्थ तिराहा, पेट्रोल पम्प तिराहा, स्वामी विवेकानंद चौक से सनई चौराहा, साड़ी तिराहा, कस्बा बांसी, बांसी रोडवेज आदि स्थानों पर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। पम्पलेट्स वितरण किया गया। दुर्घटना से बचाव के लिए वाहनों पर रिफ़लेक्टर टेप लगाया गया। साथ ही विशेष अभियान के तहत दुर्घटना से बचाव हेतु कस्बा बाँसी मे अवैध अतिक्रमण हटवाने के साथ-साथ रतनसेन इंटर कालेज बच्चों को जागरूक करते हुए पम्पलेट्स वितरित किया गया।

महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे ने समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे महाप्रबन्धक कांफ्रेंस हॉल में शुक्रवार को कार्मिक विभाग एवं तीनों मंडलों के वरिष्ठ कार्मिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर की अध्यक्षता में प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ मुख्यालय एवं मंडलों के वरिष्ठ कार्मिक अधिकारियों में विचार-विमर्श के लिए एक सत्र रखा गया, जिसमें प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्मिक विभाग द्वारा निर्धारित किये गये लक्ष्य के सम्बन्ध में जानकारी दी।

उदय बोरवणकर महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे।

महाप्रबन्धक ने कहा कि सभी अधिकारियों को पूरी पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ अपने विभाग का नेतृत्व करने की आवश्यकता है। रेलकर्मियों के जो भी सुधार एवं सुझाव उनके सम्मुख आते हैं, उनका उचित प्रकार से शीघ्रता से निस्तारण करें। अनुकम्पा आधारित नियुक्ति के मामलों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुये उन पर त्वरित एवं उचित निर्णय लेना चाहिये।

विजयी टीम को ट्राफी देते आयोजक। अमृत विचार

वार्षिक क्रीड़ा समारोह में इटवा चैंपियन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्धार्थनगर में संपन्न दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह में 136 अंक प्राप्त कर इटवा ब्लॉक ने चैंपियनशिप का ताज हासिल किया। 120 अंक पाकर शोहरतगढ़ ब्लॉक ने द्वितीय तथा 105 अंकों के साथ नौगढ़ एवं भनवापुर ब्लाक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ज़िला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने विजेता टीमों एवं बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सतत् अभ्यास करने हेतु अभिप्रेरित किया। कार्यक्रम में विकास क्षेत्र इटवा की बालिका उजाला ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर ज़िला चैंपियन का व्यक्तिगत खिताब हासिल किया। कार्यक्रम में जिला व्यायाम शिक्षक उपेन्द्र नाथ उपाध्याय, सत्येन्द्र गुप्ता, सीमा द्विवेदी, बीईओ रामकुमार सिंह, धर्मेन्द्र कुमार पाल, महेंद्र प्रसाद,नियाज़ कपिलवस्तुवी, आलोक श्रीनेत, मुस्तन शेरुल्लाह आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा वाराणसी मंडल के छपरा–औंड़िहार खण्ड पर गाजीपुर सिटी–अंकुसपुर स्टेशनों के मध्य समपार संख्या–19 सी पर गर्डर लांचिंग कार्य के प्ररिप्रेक्ष्य में ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं नियंत्रण किया जयेगा। 15054 लखनऊ जं–छपरा एक्सप्रेस और 12562 नई दिल्ली–जयनगर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी।

विशेष गाड़ी की अवधि विस्तार 30 दिसम्बर तक

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए पूर्व से चलाई जा रही 05062/05061 टनकपुर–अछनेरा–टनकपुर विशेष गाड़ी का अवधि विस्तार 30 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार एवं शनिवार को किया जायेगा। इस गाड़ी की रेक संरचना पूर्ववत रहेगी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

बैठक करते भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान। अमृत विचार

24 को निकलेगी एकता पदयात्रा

संवाददाता, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर भाजपा द्वारा कपिलवस्तु विधानसभा में 24 नवंबर को एकता पदयात्रा निकाली जाएगी। जिसकी तैयारी के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सभी को आवश्यक निर्देश देते हुए जिम्मेदारियां सौंपी गई। पदयात्रा में मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर शामिल होंगे। जिलाध्यक्ष ने बताया कि यह यात्रा दिन में 10 :00 बजे जवाहर इंटर कॉलेज से पुराने नौगढ़ से भारत माता चौक, हनुमान मंदिर, सिद्धार्थ चौक, बैंक रोड से ब्राह्मण चौक फिर जेल रोड होते हुए बीएसए ग्राउंड में समापन होगा।

पिटाई से युवक की मौत तीन सगे भाइयों पर केस

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के बड़गो गांव में पड़ोसियों की पिटाई से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। 18 नवंबर की रात वह शराब के नशे में पड़ोसी के घर गाली-गलौज कर रहा था। घायल युवक को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार की देर शाम पुलिस ने पड़ोसी तीन सगे भाइयों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है। रीना देवी पत्नी रंगीलाल ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे विक्की उर्फ विकास की मौत पड़ोसियों की पिटाई की वजह से हुई है। पुलिस ने तीन सगे भाई प्रांजल, विनीत और विवेक पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है।

विकास

लखनऊ–अयोध्या–गोरखपुर एनएच–27 हाईवे पर वाहन अंडरपास का निर्माण पूरा, बसों की स्टेशन पर जाने की राह हुई आसान

जल्द ही दोनों लेन से जुड़ जाएगा अयोध्या धाम बस स्टेशन

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर हाईवे पर अयोध्या धाम बस स्टेशन के सामने बन रहे ओवरब्रिज व अंडरपास का निर्माण पूरा हो गया है। अब जल्द ही यह बस स्टेशन हाईवे की दोनों लेन से जुड़ जाएगा। करीब 21 करोड़ रुपये की लागत से बना यह अंडरपास अब पूरी तरह तैयार हो चुका है। वाहनों की आवाजाही शुरू हो चुकी है। जल्द ही इसके संचालन की अधिकृत घोषणा की जाएगी। इसके निर्माण से लखनऊ से गोरखपुर जाने वाली बसों को अयोध्या धाम बस अड्डे जाने के लिए बड़ी सहूलियत मिल जाएगी। इसके साथ ही हजारों यात्री और स्थानीय लोग पहले की तुलना में बहुत आसानी से और सुरक्षित तरीके से आवागमन कर सकेंगे।

अयोध्या धाम बस स्टेशन के सामने बनकर तैयार ओवरब्रिज। अमृत विचार

भारत माला परियोजना के तहत एनएचएआई द्वारा कराए जा रहे अयोध्या बाईपास के सुधार एवं पुनर्वास कार्य के दौरान किमी 137.100 पर यह वाहन अंडरपास (वीयूपी) बनाया गया है। यह स्थान महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय के ठीक पास है। निर्माण कार्य मेसर्स हार्दिक कंस्ट्रक्शन कंपनी ने ईपीसी मोड में पूरा किया है। वर्तमान में केवल फिनिशिंग का काम बाकी है, जिसे जल्द पूरा कर अंडरपास को पूर्ण रूप से चालू कर दिया जाएगा। इस अंडरपास के साथ-साथ दो पैदल अंडरपास (पीयूपी), एक बॉक्स कल्वर्ट और एक माइनर ब्रिज भी बनाए गए हैं। इन संरचनाओं से ग्रामीण और शहरी दोनों तरह के यातायात को सुरक्षित रास्ता मिल गया है।

पैदल यात्रियों को भी नहीं उठाना पड़ेगा जोखिम

पैदल यात्रियों के लिए भी अब मुख्य सड़क पर जोखिम भरा क्रॉसिंग करना नहीं पड़ेगा। दो अलग-अलग पैदल अंडरपास बनने से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग पूरी सुरक्षा के साथ एक छोर से दूसरे छोर तक जा सकेंगे। इससे वाहनों की औसत गति बढ़ेगी और ईंधन बचत के साथ-साथ वायु एवं ध्वनि प्रदूषण में भी कमी आएगी।

विकास में मील का पत्थर साबित होगा : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि फिनिशिंग कार्य तेजी से चल रहा है। कुछ ही दिनों में सभी काम पूरे कर यह वाहन अंडरपास और पैदल अंडरपास जनता को समर्पित कर दिए जाएंगे। बताया कि अयोध्या बाईपास पर बना यह नया अंडरपास हजारों लोगों की दैनिक यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

सुरक्षित सफर प्रदान करना ही उद्देश्य : अवनीत

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पीआईयू अयोध्या के परियोजना निदेशक अवनीत सिद्धार्थ ने बताया कि हम अयोध्या में लगातार कार्य करा रहे हैं। हमारी कोशिश है कि सभी को एक सुरक्षित सफर प्रदान करें। इसी दिशा में काम करते हुए अंडरपास का निर्माण कराया गया हैं।

नौहट प्रधान हत्या मामले में सभी आरोपी कोर्ट से हुए दोषमुक्त

संतकबीरनगर। कोतवाली क्षेत्र के नौहट गांव के चर्चित प्रधान कौशल चौधरी हत्या कांड मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय मोहन लाल विश्वकर्मा की कोर्ट ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए नामजद सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में विफल रहा है। विपक्षी वरिष्ठ अधिवक्ता जय प्रकाश राय ने अभियुक्तों की ओर से बहस करते हुए यह तर्क रखा कि घटना के समय अभियुक्तों की मौजूदगी साबित करने वाला कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा, प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान भी आपस में विरोधाभासी पाए गए, जिससे अभियोजन की कहानी कमजोर पड़ गई। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि वादिनी द्वारा दी गई प्रथम सूचना रिपोर्ट गढ़ी हुई प्रतीत होती है और घटना से सीधे तौर पर जोड़ने वाला कोई प्रमाण पेश नहीं किया जा सका। सभी साक्ष्यों और तर्कों पर विस्तृत सुनवाई के बाद न्यायालय ने माना कि अभियोजन पक्ष अपना मामला पुख्ता रूप से सिद्ध नहीं कर पाया। संदेह का लाभ देते हुए अदालत ने अभियुक्त हरेन्द्र चौधरी, परमात्मा चौधरी, चन्द्रशेखर चौधरी और आलोक चौधरी पुत्रगण अभिनव, विजयनाथ उर्फ गादुर को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। वहीं, अभियुक्तों के दोषमुक्त होने से परिवार में खुशी का माहौल है। कोर्ट के फैसले से लोगों ने राहत की सांस ली है।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 22 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

डीआईओएस का आदेश रद्द

लखनऊ, एजेंसी :इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राजधानी के चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कालेज की कार्यवाहक प्रधानाचार्या के निलंबन आदेश को नामंजूर करने के मामले में लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक (डी आई ओ एस) द्वितीय के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायालय ने मामले को डीआईओएस को वापस भेजकर, कालेज प्रबंध समिति और प्रधानाचार्या को सुनवाई का समुचित मौका देकर छह सप्ताह में नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की एकल पीठ ने शुक्रवार को यह फैसला चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कालेज के प्रबंधक पवन वर्मा व एक अन्य व्यक्ति की याचिका को मंजूर करके दिया। याचिका में लखनऊ की प्रभारी डीआईओएस द्वितीय के नौ जुलाई 2025 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी। जिसके तहत कालेज की कार्यवाहक प्रधानाचार्य डा सुमन शुक्ला को प्रबंध समिति द्वारा निलंबित करने के आदेश को नामंजूर कर दिया था।

कमरे में लटका मिला महिला का शव

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र के हसनापुर गांव में गुरुवार देर रात कुसुम (34) का शव संदिग्ध हालात में कमरे के पीछे पड़ी टीन में रस्सी के सहारे लटकता हुआ मिला। भाई साहिल ने पति मुकेश रावत पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुबग्गा के सैदापुर निवासी भाई साहिल ने बताया कि बहन कुसुम का विवाह लगभग 16 वर्ष पूर्व हुआ था। मुकेश मजदूरी और कुसुम सिलाई का काम करती थी। परिवार में एक बेटा व एक बेटी हैं। आरोप है कि पति मुकेश दहेज में बाइक न मिलने पर कुसुम को प्रताड़ित करता था। तीन वर्ष पूर्व गांव में समझौता भी हुआ था। गुरुवार देर रात करीब दो बजे मुकेश ने कॉल कर कुसुम की आत्महत्या की सूचना दी। आत्म हत्या करने की जानकारी पति मुकेश से मिली थी। लेकिन उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छत पर मिला ड्रोन अनहोनी की आशंका

अमृत विचार, लखनऊ : हिंदू समाज पार्टी उत्तर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष गौरव गोस्वामी के दुर्विजयगंज स्थित घर की छत पर शुक्रवार को ड्रोन कैमरा मिला। करीब ढाई बजे पत्नी छत पर कपड़े लेने गयी तो ड्रोन पड़ा मिला। उन्होंने पति को सूचना दी। जिसके बाद गौरव ने ड्रोन कैमरा नाका पुलिस के सुपुर्द कर दिया। उन्होंने थाने में तहरीर देकर बताया कि पूर्व अध्यक्ष कमलेश तिवारी की हत्या के बाद वे निशाने पर हैं। पीड़ित ने अनहोनी की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि छानबीन की जा रही है।

मरीज को नहीं मिला समुचित इलाज, मौत

अमृत विचार, लखनऊ : केजीएमयू में महिला मरीज के इलाज में लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। सीतापुर निवासी मीना हॉर्निया की समस्या से पीड़ित थीं। ओपीडी में दिखाने के बाद उन्हें नौ जून की भर्ती तिथि दी गई, लेकिन उस दिन भर्ती नहीं किया गया। करीब तीन माह बाद 13 सितंबर को भर्ती किया गया, जबकि कागजों में 9 जून ही दर्ज रहा। 30 सितंबर को गैस्ट्रो सर्जरी विभाग में ऑपरेशन हुआ। सर्जरी के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखकर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया, जहां वे 15 दिन रहीं। बेटे अविनाश शुक्ला का आरोप है कि किडनी समस्या की वजह से डायलिसिस जरूरी थी, लेकिन दीपावली का हवाला देकर टाल दी गई, जिससे मां की हालत बिगड़ती गई और 21 अक्टूबर को मौत हो गई। अविनाश ने मृत्यु प्रमाणपत्र में महिला को पुरुष दर्ज किए जाने की भी शिकायत की। शासन ने पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दे दिए हैं।

अमीनाबाद में जल्द मिलेगी पार्किंग सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ : अमीनाबाद क्षेत्र में पार्किंग की समस्या जल्द दूर होने की उम्मीद है। यहां खाली कराए गए तीन स्थलों पर नगर निगम पार्किंग सुविधा विकसित कर रहा है। शुक्रवार को नगर आयुक्त गौरव कुमार ने निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति देखी और पार्किंग एप्रोच के लिए रैंप निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत रानी लक्ष्मीबाई वार्ड से हुई, जहां घंटाघर पार्किंग में चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। आयुक्त ने निर्धारित समय में निर्माण पूरा करने, इंटरलॉकिंग और सीसी कार्य तेज करने तथा स्पष्ट साइनेज लगाने को कहा। अमीनाबाद पार्किंग के पास रैन बसेरे में सफाई, दरवाजों की मरम्मत, पेंटिंग और प्रकाश व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।

हाईवे जामकर हंगामा करने वाले 500 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

19 नवंबर को युवक का शव रख परिजनों और ग्रामीणों ने किया था प्रदर्शन

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार: चार दिन पूर्व प्रेमिका के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए विकास कुमार (20) का शव हाइवे पर रखकर मुख्य मार्ग जाम कर प्रदर्शन करने वाले परिजन समेत अज्ञात 500 लोगों के खिलाफ मलिहाबाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उपनिरीक्षक राहुल तिवारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करने के साथ ही पुलिस वीडियोग्राफी के माध्यम से प्रदर्शन कर रहे लोगों को चिन्हित करने का प्रयास कर रही है।

मलिहाबाद के ग्राम पाठकगंज निवासी रामगोपाल के पुत्र विकास कुमार का प्रेम प्रसंग माल की रहने वाली युवती से था। युवती के परिजन 17 नवंबर को विकास के घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर चले गए। इसके बाद 18 नवंबर तड़के करीब साढ़े चार बजे विकास कुमार का शव गांव के पास रेलवे ट्रैक पर मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंपा।

उसके बाद मृतक के परिजन और अन्य ग्रामीणों ने लखनऊ-हरदोई राज्यमार्ग पर ग्राम महमूदनगर में सड़क पर शव रखकर जाम लगाया। पीड़ित परिजन ने प्रेमिका के परिजन पर हत्या का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन शुरू किया। पुलिस ने काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अंतिम संस्कार करने से मना करते रहे। देर शाम पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने और कार्रवाई के आश्वासन पर धरना समाप्त कर शव का अंतिम संस्कार कराया।

बीट प्रभारी उपनिरीक्षक राहुल तिवारी ने 20 नवंबर को मलिहाबाद थाने में मृतक के परिजन और करीब 500 अज्ञात लोगों पर गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप है कि भीड़ में शामिल 100–150 लोग लाठी-डंडे लेकर वाहनों को रोकते रहे, गाली-गलौज और राहगीरों के साथ दुर्व्यवहार किया। कुछ महिलाओं द्वारा मारपीट की पुष्टि भी हुई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी फैल गई। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस ने मौके की वीडियोग्राफी कराई और भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन नाकाम रही।

शराब के रुपये नहीं देने पर पत्नी की बट्टे से कूचकर हत्या

संवाददाता, गोसाईंगंज

- बेटी व दामाद के घर में रहते थे दोनों
- हत्या के बाद पत्नी के शव के पास बैठा रहा आरोपी
- दामाद की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

अमृत विचार : सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के माढरमऊ कला में शुक्रवार को पति-पत्नी के बीच शराब के रुपये को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि पति नन्हकऊ ने सिलबट्टे के बट्टे से पत्नी नन्ही देवी (58) की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी घर के अंदर ही शव के पास बैठा रहा। दोपहर बाद दामाद रवि रावत ड्यूटी से लौटा तो सास का खून से लथपथ शव देखकर पुलिस को सूचना दी। एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर खून लगा बट्टा बरामद किया गया है।

मूल रूप से उन्नाव के असोहा स्थित समाधा गांव निवासी नन्ही देवी करीब डेढ़ वर्ष से पति संग बेटी और दामाद के घर रह रही थीं। दामाद निजी स्कूल की वैन चलाता है, जबकि बेटी नौकरी करती है। नन्हकऊ शराब का आदी था और रुपये न मिलने पर आए दिन पत्नी से मारपीट करता था।

शुक्रवार सुबह बेटी और दामाद के काम पर जाने के बाद नन्हकऊ ने फिर शराब के लिए रुपये मांगे। मना करने पर गाली-गलौज की और तैश में आकर पास रखा बट्टा उठाकर पत्नी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से नन्ही देवी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दामाद की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चीखती रही नन्ही नहीं रुके पति के हाथ

- दामाद रवि के अनुसार, घर लौटने पर सास का शव फर्श पर पड़ा था और पास ही खून से सना बट्टा। आरोपी ससुर के हाथ और कपड़ों पर खून लगा था। रवि ने बताया कि हालात देखते ही साफ था कि नन्ही ने बचने की कोशिश में काफी संघर्ष किया होगा, लेकिन मदद को कोई नहीं था।

वीआईपी मूवमेंट के चलते दिनभर कानपुर रोड पर लगा रहा जाम

संवाददाता, सरोजनीनगर

- दिनभर सड़क जाम से जूझते रहे लोग
- घंटों तक रेंग-रेंग कर आगे बढ़ते रहे वाहन

अमृत विचार: कानपुर रोड शुक्रवार को वीआईपी मूवमेंट के चलते दिनभर सड़क जाम से जूझता रहा। सीएमएस कानपुर रोड शाखा में आयोजित विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने आए अतिथियों के कारण सुबह से ही यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। दोपहर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर शहीद पथ के पास पुलिस ने कानपुर रोड पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी। करीब आधे घंटे तक लगाए गए ब्लॉकेज से सड़क पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। आम जनता के साथ-साथ स्कूली वाहनों और एंबुलेंस तक को जाम में फंसना पड़ा, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। बैरिकेटिंग हटने के बाद भी वाहन घंटों तक रेंग-रेंग कर आगे बढ़ते रहे।

शाम होते-होते हालात फिर बिगड़ गए, जब केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एयरपोर्ट से सीएमएस पहुंचना था। इस मूवमेंट के लिए एयरपोर्ट वीआईपी चौराहे पर यातायात करीब आधे घंटे रोका गया। नतीजतन कानपुर से लखनऊ आने वाली पटरी पर एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे से नादरगंज तिराहे तक लंबा जाम लग गया। पीक ऑवर्स में यातायात रोकने से पूरी ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई और लोग घंटों जाम में फंसे रहे। जाम की चपेट में बंथरा में आयोजित कार्यक्रम से लौट रहे पूर्व मुख्यमंत्री व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का काफिला भी आ गया। कई एंबुलेंस भी देर तक फंसी रहीं, जिससे मरीजों को गंभीर दिक्कतें हुईं। सड़क पर घंटों रुके रहने के कारण लोग समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। वहीं एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ी।

दंगल अनुशासन का प्रतीक : अखिलेश

संवाददाता, सरोजनीनगर

पहलवानों के साथ मौजूद सपा प्रमुख अखिलेश यादव। अमृत विचार

अमृत विचार : समाजवादी आंदोलन के पुरोधा स्व. मुलायम सिंह यादव के 86वें जन्मदिवस पर बंथरा के गुलाबखेड़ा में भव्य अंतरराष्ट्रीय दंगल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव के पुत्र और युवा नेता कुमार दुर्गेश सिंह 'सोनू भैया' ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उपस्थित रहे।

हजारों दर्शकों और कार्यकर्ताओं के बीच अखिलेश यादव ने दंगल को उत्तर भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोहर बताते हुए कहा कि यह उनके परिवार की विरासत है और नेताजी का इससे गहरा नाता रहा। उन्होंने पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव और उनके परिवार की सराहना की और स्व. हीरालाल यादव तथा स्व. मुलायम सिंह यादव के मध्य पुराने संबंधों का स्मरण किया।

अखिलेश यादव ने कहा कि दंगल सिर्फ खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, कौशल और संघर्ष का प्रतीक है और राजनीतिक संघर्ष में भी यही भावना अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने बीजेपी की एसआईआर लागू कर वोटर लिस्ट दोबारा बनाने की नीति पर आलोचना की और कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर मतदाता जोड़ने के अभियान में सक्रिय रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, युवा नेता कुमार दुर्गेश सिंह 'सोनू', पूर्व सांसद प्रत्याशी अरुण शंकर शुक्ला, पूर्व विधायक उदय राज यादव, पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दंगल में लखनऊ, गोरखपुर, गोंडा, मेरठ, कानपुर, प्रयागराज, गाज़ीपुर, हरियाणा, ग्वालियर सहित कई राज्यों और ईरान के करीब 100 पहलवान शामिल हुए। 3 हजार रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक की कुश्तियाँ हुईं। मेरठ के साकिर नूर ने 1.5 लाख रुपये की कुश्ती में रोहतक के सुमित को हराया, जबकि मुख्य आकर्षण रही 5 लाख रुपये की कुश्ती में रोहतक के नीतीश ने ईरान के इरफान को पराजित कर खिताब जीता।

सोनी, ट्रंप स्टारलेट्स, पार्थ, ब्लेज विलो सहित नौ टीमों ने बनाई बढ़त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: 21वीं बीबीडी सी डिवीजन क्रिकेट लीग में शुक्रवार को खेले गए नौ मुकाबलों में रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिला। विभिन्न मैदानों पर आयोजित इन मैचों में सोनी क्रिकेट अकादमी, ट्रंप स्टारलेट्स, पार्थ अकादमी, ब्लेज विलो क्लब, अन्नपूर्णा क्लब, आर्यवर्त अकादमी, स्टैंडर्ड क्लब, स्पोर्ट्स कॉलेज और भारत क्लब ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अंक तालिका में बढ़त बनाई। दिन के पहले मुकाबले में ट्रंप स्टारलेट्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ क्रिकेट हॉस्टल को 138 रन से मात दी। ट्रंप स्टारलेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 192 रन बनाए, जिसके जवाब में लखनऊ क्रिकेट हॉस्टल की टीम 17.4 ओवर में महज 54 रन पर ऑलआउट हो गई। विजेता टीम के दुर्गेश सिंह ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए पांच विकेट झटके और टीम को आसान जीत दिलाई।

दूसरे मैच में पार्थ क्रिकेट अकादमी ने आशा स्पोर्ट्स फाउंडेशन को छह विकेट से पराजित किया।आशा फाउंडेशन के 89 रन के लक्ष्य को पार्थ अकादमी ने 28.4 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।विजेता टीम के वरुण सेनी ने 36 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं ब्लेज विलो अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इकाना टाइटंस को 55 रन से हराया। इसके अलावा अन्नपूर्णा क्लब ने शानदार ऑलराउंड खेल दिखाते हुए मल्टी एक्टिविटी अकादमी को 81 रन से मात दी।आर्यवर्त अकादमी ने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर टॉस स्पोर्ट्स अकादमी को 37 रन से हराया।स्टैंडर्ड क्लब ने सार स्पोर्ट्स ग्रुप को 40 रन से पराजित किया। इसके अलावा सोनी क्रिकेट अकादमी ने लखनऊ हंटर्स क्लब को 33 रन से मात देकर अपनी चुनौती मजबूत की।भारत क्रिकेट क्लब ने बढ़िया खेल दिखाते हुए लखनऊ कोल्ट को पांच विकेट से हराया। दिन के अंत में स्पोर्ट्स कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्रोण क्रिकेट अकादमी को 127 रन से हराया।

बुद्धेश्वर मंदिर के कांवरिया विश्राम सभागार में काव्य संध्या आयोजित

संवाददाता, काकोरी

कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किए गए साहित्यकार। अमृत विचार

अमृत विचार : पारा के प्रसिद्ध बुद्धेश्वर महादेव मंदिर के काँवरिया विश्राम स्थल के सभागार में लब्धप्रतिष्ठ वरिष्ठ साहित्यकार साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु के जन्मदिवस को राष्ट्रीय कवि संगम की लखनऊ इकाई द्वारा धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक काव्य संध्या का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कवि संगम की लखनऊ इकाई के जिलाध्यक्ष ओज कवि अशोक अग्निपथी, उपाध्यक्ष वरिष्ठ कवि श्री कृष्ण कुमार मौर्य 'सरल' और महामंत्री डॉ. राघवेन्द्र मिश्र 'प्रणय' की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ कवयित्री सोनी मिश्रा की वाणी वंदना से हुआ। सभी कवियों ने अपने काव्य पाठ से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया और खूब तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त कारागार अधीक्षक मिजाजी लाल यादव ने कहा कि कविता संस्कार की पाठशाला होती है। विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनेश चन्द्र अवस्थी ने मृदु के साथ अपने दीर्घकालिक आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

काव्य संध्या में डॉ. अशोक अज्ञानी, मंजुल मिश्र 'मंज़र', विजय तनहा, संजय सांवरा, नवीन बैसवारी, प्रभाकर शुक्ला, आदर्श सिंह निखिल, सोनी मिश्रा, रेनू सिंह, मान सिंह, शुभम, रामसागर यादव, उदयभानु प्रताप, कुलदीप पाण्डेय, राघवेंद्र प्रताप सहित कई कवियों और गणमान्य जनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन कृष्ण कुमार मौर्य 'सरल' ने किया। अंत में जिलाध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध कवि अशोक अग्निपथी ने आगत अतिथियों और कवियों का आभार व्यक्त किया।

सेल्समैन ने आभूषण किए चोरी, स्टॉक में मिली गड़बड़ी

अमृत विचार , आलमबाग: कृष्णानगर के सर्राफा मार्केट स्थित एक ज्वैलरी शॉप में कार्यरत सेल्समैन दुकान से गहने चोरी करता रहा। स्टॉक में गड़बड़ी मिलने पर उससे पूछताछ की तो बाथरूम के बहाने भाग निकला। सीसी फुटेज में आरोपी की करतूत कैद हुई है। इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

रामनगर इलाके में अजय अग्रवाल का ज्वैल पैलेस के नाम पर ज्वैलरी शोरूम है। जिसपर औरास उन्नाव निवासी अंशू कुमार पाल करीब सात वर्षों से मैनेजर व सहायक सेल्समैन पद पर कार्यरत था। दुकान मालिक ने बताया कि 16 नवंबर को अंशू पाल ड्यूटी पर नहीं आया था। उसी दिन उन्होंने अपने अन्य एक सेल्समैन के साथ स्टॉक का मिलान किया तो सोने और चांदी काफी मात्रा में कम पाया गया। आरोप है कि अंशू ही स्टॉक का मिलान करता था और इंट्री कर तिजोरी में रखता था।

सिटी डायरी

ताला तोड़कर आठ लाख की चोरी

चोरी के बाद खुली पड़ी अलमारी।

अमृत विचार , बख्शी का तालाब : थाना क्षेत्र में चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाया। ताला तोड़कर घर में घुसे चोरों ने नकदी और जेवर समेत करीब आठ लाख रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। चकगंजागिरी सरकपुर सरैया रैथा रोड निवासी हरीशंकर अवस्थी ने बताया कि वे बाबा विश्वनाथ आश्रम में परिवार के साथ रहते हैं। बुधवार को वह त्रिवेणी नगर स्थित अपने रिश्तेदार के घर वैवाहिक कार्यक्रम में गए थे। गुरुवार देर रात जब वापस लौटे तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ पाया। भीतर जाकर देखा तो अलमारी खुली और सामान बिखरा हुआ था। हरीशंकर ने चोरी की सूचना डायल-112 पर दी। मौके पर पहुंची बीकेटी पुलिस घटनास्थल और आसपास के सीसी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पीड़ित के अनुसार चोर करीब साढ़े सात लाख के जेवर और 50 हजार रुपये ले गए। इंस्पेक्टर संजय सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

मतदाता सूची कैंप में अपना नाम सही करवाते ग्रामीण।

मतदाता सूची शुद्धिकरण कैंप लगा

अमृत विचार, निगोहां : निगोहां क्षेत्र में शुक्रवार को मतदाता सूची के शुद्धिकरण और एसआईआर पत्र भरने से जुड़ी ग्रामीणों की परेशानियों को दूर करने के उद्देश्य से एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का संचालन बूथ प्रभारी अशोक वर्मा की देखरेख में किया गया, जिसमें पंचायत के सभी संबंधित बीएलओ मौजूद रहे। इस कैंप में बूथ संख्या 287, 288, 289 और 290 के बीएलओ ने मौके पर ही ग्रामीणों के एसआईआर फॉर्म भरे। कैंप की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए बूथ प्रभारी अशोक वर्मा ने डुग्गी पिटवाकर विशेष सूचना प्रसारित कराई। जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में कैंप स्थल पर पहुंचे और अपने दस्तावेज अपडेट कराने के साथ-साथ मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराया।

मछरेहटा पहुंचे एमएलसी अवनीश कुमार सिंह।

एमएलसी ने की बैठक

मछरेहटा, सीतापुर, अमृत विचार : लखनऊ खंड स्नातक से एमएलसी अवनीश कुमार सिंह ब्लाक मुख्यालय मछरेहटा पहुंचे। आगामी चुनाव के मद्देनजर उन्होंने क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों के साथ विचार विमर्श किया। उन्होंने पूरे मछरेहटा क्षेत्र में अलग अलग केंद्र स्थापित कर स्नातक मतदाता बनवाने पर जोर दिया, जिससे अधिक से अधिक संख्या मे मतदाता बन सकें। बैठक में विधायक रामकृष्ण भार्गव, पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय भार्गव, रामगढ गन्ना समिति के चेयरमैन रामगोपाल अवस्थी, संतोष शुक्ला, अंजनी कुमार शुक्ल, मोनू सिंह, राजन आदि थे।

कार्रवाई | फरार डीलर की तलाश में दबिश, पुलिस खंगाल रही आपराधिक इतिहास

रोक के बाद प्रॉपर्टी डीलर ने कर दी 500 रजिस्ट्रियां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रॉपर्टी डीलर पर गोमतीनगर व गोमतीनगर विस्तार थाने में दर्ज है रिपोर्ट

अमृत विचार: जालसाज प्रॉपर्टी डीलर ठाकुर सिंह मनराल ने चार सहकारी समितियां बनाई। इसकी आड़ में करीब 200 एकड़ भूखंड फर्जी तरीके से खरीदे। जिसमें ज्यादातर बंजर, ऊसर, नाला, तालाब के नाम से सरकारी रिकार्ड में दर्ज थी। सरकारी कर्मचारियों से मिलकर जालसाज ने इन भूखंडों पर फर्जी तरीके से अपने नाम दर्ज कराये। इसके बाद इन भूखंडों को बेचना शुरू कर दिया। शिकायत के बाद भूखंडों के बिक्री पर रोक लगा दी गई थी। पर, जालसाज प्रॉपर्टी डीलर ने 500 से अधिक भूखंडों की रजिस्ट्री कर दी। अपर आयुक्त प्रशासन ने हाल ही में उसकी 15.81 लाख् वर्गफीट जमीन को सरकारी घोषित कर दिया है। आरोपी प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ गोमतीनगर, गोमतीनगर विस्तार थाने में दर्जन भर मामले दर्ज है। जिसमें वह फरार चल रहा है। पुलिस भी उसकी कुंडली खंगाल रही है।

प्रॉपर्टी डीलर ठाकुर सिंह मनराल ने कौशलपुरी सहकारी आवास समिति के नाम से 2006 से 2013 के बीच में सरकारी भूखंडों को बेचा। जो भूखंड अवर न्यायालय द्वारा सरकारी होने के कारण निरस्त करने योग्य बताया था। इस मामले में समिति के सचिव व प्रॉपर्टी डीलर ठाकुर सिंह मनराल को नोटिस दी गई। जिसके जवाब में उसने शपथ पत्र दाखिल किया कि समिति के पास विक्रय के लिए कोई भूखंड शेष नहीं है। इसके बाद भी पांच सौ से अधिक भूखंड की रजिस्ट्री टीएस मनराल ने की। इसकी जानकारी होने पर अवर न्यायालय की तरफ से इन रजिस्ट्रियों को निरस्त करने की बात कही थी।

सहकारी समितियों के अधिनियम का किया उल्लंघन

- कौशलपुरी सहकारी आवास समिति लि. द्वारा जो भूमि खरीदी गयी, उसमें 24 किसानों का नाम दिया गया है। जिनकी कुल 96 बीघा 4 बिस्वा 7 बिस्वांसी जमीन खरीदी गयी है। इसमें कई जमीने अनुसूचित जाति की है। जो सरकार में निहित होनी चाहिए। बगैर जिलाधिकारी की अनुमति के क्रय विक्रय किया गया है। अधिकारी, कर्मचारी व लेखपाल की मिली भगत से ठाकुर सिंह मनराल सरकारी जमीनों पर सहकारी धन्धा करता रहा। नियम कानून को धता बताते हुए फर्जी क्रय विक्रय किया है। कौशलपुरी सहकारी आवास समिति द्वारा सचिव ठाकुर सिंह मनराल ने समिति के बाइलाज व सहकारी समितियाँ अधिनियम का घोर उल्लघंन किया है। नियमानुसार 2200 वर्ग फिट से ज्यादा भूमि समिति अपने सदस्यों को नही बेच सकती है। किन्तु इस समिति ने अपने सदस्यों को एक नाम से 2200 वर्गफिट से अधिक जमीन बेची है।

जली हुई फसल देखता किसान। अमृत विचार

किसान की धान की फसल में लगी आग

अमृत विचार, निगोहां : निगोहा के रघुनाथ खेड़ा गांव में एक किसान के खेतों में कटान के बाद रखी धान की फसल में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग की लपटें देख किसान ने परिवारजनों और आसपास के लोगों को सूचित किया और बोरवेल चालू कर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका और डेढ़ बीघे की धान की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई।

अभेद्य सुरक्षा में होगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अयोध्या दौरा

एंटीसबोटाज, एंटीमाइनिंग चेकिंग व शीर्ष सुरक्षा एजेंसियां हो गईं सक्रिय

- दिल्ली कार विस्फोट, रिसिन जहर से आतंकी साजिश के खुलासे के बाद बढ़ी संवेदनशीलता

संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार: श्रीराम मंदिर के ध्वजारोहण में शामिल होने आ रहे प्रधानमंत्री मोदी का दौरा अभेद्य सुरक्षा में होगा। सुरक्षा को लेकर स्थलों की एंटीसबोटाज, एंटीमाइनिंग चेकिंग की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा घेरा कई स्तरों का होगा। सुरक्षा मानकों के लिहाज से सुरक्षा की तैयारी है। शीर्ष सुरक्षा एजेंसियां यहां सक्रिय हैं। पल-पल अयोध्या की खबर पर नजर है। अफसर लगातार रिव्यू के साथ स्थलों का भ्रमण कर रहे हैं।

दिल्ली कार विस्फोट और रिसिन जहर से आतंकी साजिश के खुलासे के बाद संवेदनशीलता बढ़ गई। पीएम मोदी के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का लगातार रिव्यू किया जा रहा है। सुरक्षा से जुड़े अफसरों की बैठकें हो रही है। मंदिर परिसर के साथ उनके मार्गों और स्थलों पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर है। एयरपोर्ट से लेकर मंदिर परिसर में कार्यक्रम स्थल इसके दायरे में है। देश की शीर्ष सुरक्षा एजेंसियों की नजर अयोध्या पर है। अयोध्या आने जाने वाले व्यक्ति पर पैनी नजर है। चेकिंग अभियान शुरु कर दिया गया है। जिले की सीमा से ही निगरानी है। व्यवस्था ऐसी है कि जिले से शहर में प्रवेश करने वाला हर व्यक्ति कैमरे की नजर में रहे। कार्यक्रम स्थल का अब तक कई बड़े अफसरों और एजेंसियों के विशेषज्ञों ने दौरा किया है।

सीमित हो सकती है पीएम मोदी से मिलने वालों की संख्या

अयोध्या दौरे के समय पीएम मोदी से मिलने वालों की संख्या सीमित हो सकती है। एयरपोर्ट और साकेत महाविद्यालय में पीएम मोदी का स्वागत होगा। सूत्रों का कहना है कि दोनों स्थानों पर पहले से कम संख्या में स्वागत करने वाले होंगे। पीएमओ से स्वीकृति के बाद ही इसे अंतिम रूप मिलेगा।

सुरक्षा को लेकर जिले में चला सघन तलाशी अभियान

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार। अयोध्या जिले की सभी थाना पुलिस ने वीआईपी कार्यक्रम को लेकर गुरुवार देर रात से सघन तलाशी अभियान शुरू किया है। इस दौरान सभी प्रमुख बाजारों, हाईवे, कॉलोनियों आदि में भी आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की गई। शहर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने टीम के साथ रामपथ पर बेनीगंज, साहबगंज, रीडगंज, फतेहगंज में वाहनों की चेकिंग की। थाना कैंट प्रभारी पंकज सिंह ने जालपा कॉलोनी, सदर बाजार और आसपास के क्षेत्रों में खड़े वाहनों की जांच की, मालिकों का सत्यापन कराया और कागजात चेक किए। घरों में किराए पर रह रहे लोगों व उनके परिवारों का भी सत्यापन किया गया। थाना प्रभारी राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला ने निषादराज चौराहे पर वाहनों की चेकिंग की। संदिग्धों के पहचान पत्र का सत्यापन भी किया। अयोध्या कोतवाल मनोज शर्मा ने साकेत पेट्रोल पंप, बूथ नंबर चार पर चेकिंग की। रुदौली सीओ आशीष निगम के नेतृत्व में सर्किल में व्यापक स्तर पर चेकिंग, पेट्रोलिंग और प्वाइंट-टू-प्वाइंट निगरानी की जा रही है।

सड़क पर शव रखकर मांगा 10 लाख रुपये का मुआवजा

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। बाइक सवार की ट्रैक्टर से कुचल कर हुई मौत के मामले में गुस्साए ग्रामीणों ने शव रख कर हाईवे पर जाम लगा दिया। परिजनों व ग्रामीणों ने 10 लाख रुपये का मुआवज़ा और ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग लेकर करीब आधे घंटे तक प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पहुंचे एसडीएम सदर सुशील कुमार मिश्र ने ग्रामीणों की पूरी बात सुनी। एसडीएम ने मुआवजा दिलाने व अन्य मांगों को पूरा कराने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। बताते चलें कि गुरुवार की सुबह कोतवाली देहात के डुड़ैला मजरा दानियाल गंज निवासी वीरेंद्र पुत्र राम लड़ैते अपनी बेटी को स्कूल छोड़ कर बाइक से घर जा रहा था। उसी बीच ककवाही गांव में रामू के खेत के पास तेज़ रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। वह गिर पड़ा, तभी ट्राली का पहिया उसके ऊपर से निकल गया, जिससे वीरेंद्र की मौत हो गई। शुक्रवार को हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने 10 लाख रुपये मुआवज़ा और ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
नीलामी सूची सं0	Catg2025
कार्य का विवरण	Allotment of catering Stall at PYGS station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.11.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.12.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.12.2025 at 11:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under:

SN	Station	Lot No	Stall ID	Close Date/Time	Quota	Sub Quota
1	PRAYAGRAJ SANGAM	Catg-LKO-PYGS-SMU-42-24-1	PYGS/PF-1/104/NEW	03.12.2025 at 11:30 hrs.	SMU	SC

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3620/25

लखनऊ नगर निगम

लालबाग, टी.एन. रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)

e-tenderportal : https://etender.up.nic.in

ई-निविदा सू0सं0: 2057/पी/उद्यान दिनांक : 21.11.2025

निविदा सूचना (द्वितीय बार)

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निम्नलिखित 01 कार्य की ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर0टी0 जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लॉगिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 28.11.2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी, जिन्हें उसी दिन अपराह्न 04:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त नियम/शर्तें तथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र की सूचनाएं सम्बन्धित पोर्टल पर उपलब्ध है।

अधीक्षक उद्यान

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बहराइच–श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच

पत्रांक : 3578/8 काम/ई–टेण्डरिंग/बहराइच–श्रावस्ती वृत्त/2025–26 दिनांक : 12–11–2025

ई–प्रोक्योरमेण्ट नोटिस

1. अधीक्षण अभियन्ता, बहराइच–श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में सेतु कार्य में "ए" श्रेणी के पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद बहराइच के निम्न वर्णन के अनुसार सेतु निर्माण हेतु कार्य की निविदा प्रतिशत दरों के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा की लागत (बिना जी0एस0टी0) (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क + स्टेशनरी शुल्क + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
विधानसभा–बलहा।						
1	बहराइच	जनपद बहराइच में ग्राम सभा गोपिया में रामसहायपुरवा से नहर पटरी मार्ग के मध्य स्थित बूढ़ी नदी पर लघु 9x4x4.00 मी0 स्पान लघु सेतु, पहुंच मार्ग तथा सुरक्षात्मक कार्य का निर्माण कार्य।	260.00	15.00	2715.00	12 माह

2. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड–सबमिट करने का माध्यम–

(क) बिड डाक्यूमेन्ट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25–11–2025 से 11–12–2025 तक उपलब्ध रहेगी, जो आनलाइन इसी साइट पर सबमिट की जायेगी।

(ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेबसाइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आनलाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।

(ग) ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 11–12–2025 दोपहर 12.00 बजे तक एवं टेक्निकल बिड दिनांक 11–12–2025 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, बहराइच–श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच में खोली जायेगी। विस्तृत विवरण http://etender. up.nic.in पर देखा जा सकता है।

(घ) निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्त तथा विवरण वेबसाइट http://etender. up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.uppwd.gov.in के प्रहरी साफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि 11–12–2025 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धि पत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–टेण्डर पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

UP – 240930 दिनांक: 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(इं0 प्रदीप कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच

(इं0 अजय भास्कर)
अधीक्षण अभियन्ता
बहराइच–श्रावस्ती वृत्त, लो0नि0वि0, बहराइच

रायबरेली में निजी बस और ट्रक की भीषण टक्कर में चालक समेत 10 लोग घायल

संवाददाता, बछरावां (रायबरेली)

- बछरावां-मौरावा मार्ग पर मदाखेड़ा गांव के पास हुआ हादसा, बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बछरावां-मौरावा मार्ग पर मदाखेड़ा गांव के पास बृहस्पतिवार की देर रात निजी डबल डेकर बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इसमें बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। वहीं उक्त हादसे में चालक समेत दस लोग घायल हो गए।

बछरावां से दिल्ली जा रही निजी बस सर्विस की एक डबल डेकर बस जैसे ही उक्त मार्ग पर मदाखेड़ा गांव के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे ट्रक की उससे जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं बस चालक अपने केबिन में फंस गया। घटना की सूचना पर पहुंचे सैकड़ो ग्रामीणों के द्वारा तत्काल बस चालक को केबिन से बाहर निकाला गया। वहीं इस घटना में गंभीर रूप से घायल बस चालक व एक अन्य यात्री का पास में ही स्थित निजी अस्पताल में इलाज कराया गया है। वही उक्त हादसे में आधा दर्जन यात्रियों को मामूली चोटे आई हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक बस में लगभग 100 सवारियां मौजूद थी। बस बछरावां से दिल्ली जा रही थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर मय पुलिस बल के साथ पहुंचे थाना प्रभारी बछरावां राजीव सिंह ने तत्परता दिखाते हुए बस संचालक के द्वारा दूसरी बस मंगवाकर उक्त यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना कराया। साथ ही साथ मार्ग पर लगे जाम को खुलवाकर आवागमन फिर से शुरू कराया गया है।

सख्ती के बावजूद बसों का अवैध संचालन: सरकार की सख्ती के बावजूद बसों का अवैध संचालन नहीं थम रहा। स्थानीय लोगों की माने तो बस में क्षमता से अधिक लोग सवार थे। पुलिस की ओर से भी कार्रवाई को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई गई।

पूर्वोत्तर रेलवे ई-आक्शन नोटिस सं.-15/25

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है:-

क्र.स	लाट सं	कार्य का विवरण
1	PnU-LJN-BNZ-Toi-46-25-1 (Pay and Use Toilets)	बादशाहनगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं0-1 (गोमतीनगर साईड) स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।
2	PnU-LJN-MLN-Toi-34-25-1 (Pay and Use Toilets)	मैलानी रेलवे स्टेशन के वेटिंग हॉल स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।
3	PnU-LJN-TLR-Toi-31-24-1 (Pay and Use Toilets)	तुलसीपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं0–1 (बुकिंग हॉल के बगल में) स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।
4	PnU-LJN-GKP-Toi-48-25-1 (Pay and Use Toilets)	गोरखपुर जं० स्टेशन के 02 स्थानों पर 1–प्लेटफार्म सं0 01 साईड कैब–वे एंव ए०सी०लाउंज के सामने (प्रवेश द्वार सं0 02 के पास) NAMMA नम्मा पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु।

♦ निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। आइआरपीएस पोर्टल पर दिये गये तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ♦ सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दि0–02-12-2025, 10:00 बजे प्रारंभ होकर 02-12-2025 को 11:00 बजे बंद होगी। ♦ इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ♦ अर्नेस्ट मनी की राशि (10%) का भुगतान केवल IREPS पॉर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे–डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी।♦ विज्ञप्ति सूचना एंव निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तो की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मुजाधि/वाणिज्य–183 सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांकः– 4838/98काम–गो0वृ0/25–26 दिनांक 15.11.2025

ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्षाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है ।

क0 सं0	जनपद/खण्ड/विधान साभ का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में)	धरोहर धनराषि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गोण्डा/निर्माण खण्ड–2/करनैलगंज	चकरौत पण्डितपुरवा से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र होते हुए गुरसड़ीडीह सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	112.50	7.65	2600.00	12 माह	ए,बी
2	गोण्डा/निर्माण खण्ड–2/करनैलगंज	हिलालपुर का मजरा खालेपुरवा तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	124.28	8.25	2600.00	12 माह	ए,बी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25.11.2025 से 16.12.2025 तक दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 16.12.2025 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा ।

UP – 241009 दिनांक: 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनोद कुमार त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, गोण्डा

(योगेन्द्र सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचल कर दो बाइक सवारों की मौत

हरदोई, अमृत विचार। बिलग्राम कोतवाली के सुनारी पुरवा निवासी रजनीश कुमार (28) पुत्र राजबहादुर व उसी गांव का मदनपाल (35) पुत्र छोटेलाल गुजरात के अहमदाबाद में साथ-साथ नौकरी करते थे। मदनपाल दीपावली पर और रजनीश 15 नवंबर को गांव आया था। शुक्रवार की शाम मदनपाल रजनीश के साथ बाइक से एटीएम से किसान निधि का पैसा निकालने के लिए बिलग्राम आ रहा था। रास्ते में जसेनामऊ-म्योरा के बीच उन्हे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मारते हुए कुचल दिया। एक साथ दोनों की मौत होने की खबर से पूरे सुनारी पुरवा में कोहराम बरपा हो गया। मदनपाल के परिवार में पत्नी मायावती के अलावा दो बेटे और एक बेटी है।

कार्यालय नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

E-mail-npbeniganjhardoi@gmail.com

पत्रांकः 800/सीवरेज एवं जतल निकासी योजना/ई–टेण्डर/2024–25 दिनांक–21/11/25

ई–टेण्डरिंग/ निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बेनीगंज हरदोई के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 'सीवरेज एवं जल निकासी' योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्न निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमन्त्रित की जाती है। जो कि ई–टेण्डरिंग की वेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनांक–22.11.2025 को अपरान्ह 01: 00 PM से 13.12.2025. को 09 AM बजे तक उपलब्ध है जो कि वेबसाइड से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते हैं। दिनांक–13.12.2025 को निविदा अधिशासी अधिकारी एवं अध्यक्ष नगर पंचायत बेनीगंज के समक्ष निविदा दाता की उपस्थिति में खोली जायेगी। धरोहर धनराशि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बेनीगंज के नाम बन्धक होगी। टेक्निकल बिड की समस्त नियम व शर्ते www.etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर देखी जा सकती हैं। निविदा की समस्त कार्यवाही www.etender.up.nic.in पर की जायेगी।

क्र0	नगर पंचायत बेनीगंज	Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि व समय
01	Tender Release		22.11.2025 01 PM	13.12.2025 09 AM
02	–	Tender Download	22.11.2025 01 PM	13.12.2025 09 AM
03	–	Bid Submission	22.11.2025 01 PM	-
04	Close of Bid	-	13.12.2025 09 AM	-
05	Technical Bid Opening	-	13.12.2025 09 AM	-
06	Finance Bid Opening		After Approval of Technical Bid	

(संजय कुमार अग्रहरि)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

(शिवप्यारी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

कार्यालय नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

E-mail-npbeniganjhardoi@gmail.com

पत्रांक–799/15वाँ–वि0आयोग/ ई–टेण्डरिंग / 2025–26 दिनांक 21/11/25

ई–टेण्डरिंग/ निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों / फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बेनीगंज हरदोई के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष–2025–26 मे 15वाँ वित्त आयोग (Tied Grant" के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से आपूर्ति कार्य हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमन्त्रित की जाती है। जो कि ई–टेण्डरिंग की वेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनांक 22.11.2025 को अपरान्ह 01: 00 PM से 13–12–2025 को 09 AM बजे तक उपलब्ध है जो कि वेबसाइड से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते हैं। दिनाँक 13–12–2025 को निविदा 11 AM बजे कार्यालय नगर पंचायत बेनीगंज में निविदा दाता की उपस्थिति में खोली जायेगी। धरोहर धनराशि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बेनीगंज के नाम बन्धक होगी। टेक्निकल बिड की समस्त नियम व शर्ते www.etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर देखी जा सकती हैं। निविदा की समस्त कार्यवाही– www.etender.up.nic.in पर की जायेगी।

क्र0	नगर पंचायत बेनीगंज	Vendor Stage	प्रारम्भ तिथि व समय	अन्तिम तिथि व समय
01	Tender Release		22.11.2025 01 PM	13.12.2025 09 AM
02	–	Tender Download	22.11.2025 01 PM	13.12.2025 09 AM
03	–	Bid Submission	22.11.2025 01 PM	-
04	Close of Bid	-	13.12.2025 09 AM	-
05	Technical Bid Opening	-	13.12.2025 09 AM	-
06	Finance Bid Opening		After Approval of Technical Bid	

(शिवप्यारी)
अध्यक्ष
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बेनीगंज, हरदोई

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, अयोध्या–अम्बेडकरनगर वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या

पत्रांक 6785/1कॉम अयो0अम्बे0वृ0/25 दिनांक–17.11.2025

ई–निविदा सूचना

09.2018उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृ0, लोक निर्माण विभाग अयोध्या में सेतु वर्ग में रजिस्ट्रर्ड एवं अनुमोदित ठेकेदारों से प्रतिशत दरों के आधार पर आनलाईन निविदा आमंत्रित करते है।

क्र0सं0	जिला	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि लागत रू0 (लाख में)	कार्य को पूर्ण करने का समय	निविदा प्रपत्र मूल्य जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	अम्बेडकर नगर	जनपद अम्बेडकरनगर में झलरी का पुत्वा से बनगांव निबिअहवा पोखरा होकर भरतपुर गिरएण्ट मुख्य मार्ग के कि0मी0–3 में स्थित क्षतिग्रस्त एवं सकरे पुलिया के स्थान पर 2x4x3.00 मी0 स्पॉन के आर0सी0सी0 बाक्स कल्वर्ट एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।	66.00	5.30	06 Month	2714/-	A,B (Setu)	ग्रा0व0, लो0नि0वि0, अम्बेडकरनगर	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृ0, लो0नि0वि0, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या

निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा विवरण https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

1. बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुए लगायी गयी है।
2. निविदा ऑनलाइन दिनांक 24.11.2025 से दिनांक 02.12.2025 को अपरान्ह 12.00 बजें तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 02.12.2025 को 12.30 बजें खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।
3. निविदा सम्बन्धी अधिक जानकारी वेड साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्ता/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांक कर ली गयी है। जो सही है।

UP – 240936 दिनांक: 20/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(इं0 सौरभ सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, अम्बेडकरनगर

(इं0 ओ0पी0 वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता
अयो0अ0वृ0, लो0नि0वि0
अयोध्या

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

राम शंकर सोनी बनाम सरकार ग्राम–डोमईपुर परगना बभनीपायर तहसील मनकापुर जनपद गोण्डा धारा–80 उवप्रवराजस्व सहिता 2006 गाटा संख्या–220/0.7170 हे0 में से रकबा 0.0092हे0 की धारा–80 उ0प्र0राजस्व सहिता 2006 की घोषित करने हेतु आवेदन किया गया है यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 24.11.2025 तक उपजिलाधिकारी मनकापुर के न्यायालय पर आकर आपत्ति कर सकता है।

उपजिलाधिकारी
मनकापुर–गोण्डा।

सूचना

मैने अपना नाम MOHD ANEES से बदलकर MOHAMMAD ANEES रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-NOOR MOHAMMAD ADD-435/190, NEW RAJJAB GANJ, NEAR ICECREAM FACTORY, THAKURGANJ DIST-LUCKNOW-226003 (U.P)

सूचना

सूचित करना है कि विवाहोंपरान्त मैंने अपना पूर्व नाम अनीता जनार्दन भाई दूबे से बदल कर अनीता तिवारी W/O श्री अवनीश नारायण तिवारी रख लिया है अब से मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा पढ़ा व समझा जाये। निवासी– 322 ,मानस गार्डन, फैजाबाद रोड उत्तरधौना तिवारी गंज , लखनऊ–226028

सूचना

सूचित हो कि मैं **खुर्शीदा पत्नी मुश्ताक निवासी कादर खां नगर कस्बा समधन तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज**, मैने अपने पुत्र मुर्सलीम पुत्र मुश्ताक से उसके गलत चाल चलन के कारण अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं और अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र मुर्सलीम को बेदखल कर दिया है। अब मेरा उससे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा अपने कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना

सूचित करना है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1232681096 माध्यमिक शिक्षा उत्तर प्रदेश, जन शिक्षा संस्थान से आते समय कहीं रास्ते में खो गया है। काफी प्रयास के बाद भी नहीं मिला। **लाईबा राईनी पत्नी शहबान, दर्जी टोला, परसपुर जिला गोंडा** 7860641991

बेदखली सूचना

मैं **अनिल कुमार पुत्र प्रताप नरायन अग्निहोत्री निवासी ग्राम सेना निवादा पो0 छतरपुर थाना शिवराजपुर तहसील बिल्हौर कानपुर नगर।** मेरा पुत्र निखलेश कुमार पुत्र अनिल कुमार का चालो चलन व कार्य व्यवहार ठीक नहीं है उसे मैं अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके कार्य व्यवहार से आजिज आकर उससे अपने व अपने परिवार के सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है उनका मुझसे व मेरे परिवार से कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। यदि मेरे पुत्र द्वारा कहीं भी कोई लेन देन व उचित अनुचित कृत्य व्यवहार करता है तो उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

बेदखली सूचना

मैं **श्यामलाल मौर्य सुत स्व0 राममिलन मौर्य निवासी ग्राम पारावासूपुर पोस्ट–अखण्डनगर थाना अखण्डनगर तहसील कादीपुर जिला सुलतानपुर** मैने अपने पुत्र बैजनाथ मौर्य जो कही बाहर रहता है मुझसे सन् 2019 से कोई सम्पर्क नही हुआ है और बीच में एक बार गांव में आया था किन्तु घर पर नही आया। पुत्र का स्वभाव व चाल चलन गलत है मेरे कहने सुनने में नही रहता है। उसके कृत्यों से क्षुब्ध होकर उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ उक्त बैजनाथ के कृत्य से मेरी कोई जिम्मेदारी नही होगी। बैजनाथ स्वंय जिम्मेदार होगा।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 22 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नौकरी के नाम पर थमाया टूरिस्ट वीजा

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार :विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से लाखों रुपये ठग लिए गए। उसे टूरिस्ट वीजा थमा दिया गया। रामपुर भवानीपुर कटरा के निवासी मो. जुनैद ने तहरीर में कहा कि कस्बा इचौली थाना टिकैतनगर निवासी मो. राशिद ने ओमान में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे कुल 1,20,000 रुपये की रकम ऐंठ ली। आरोपी ने नौकरी का वीजा दिलाने के नाम पर महज 10 दिन का टूरिस्ट वीजा बनवाकर दे दिया और पीड़ित को विदेश भेजकर बीच में ही टहला दिया। इससे वह आर्थिक नुकसान का शिकार हुआ बल्कि विदेश में फंसने जैसी स्थिति भी उत्पन्न हो गई। मो. जुनैद की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जिला बदर किए गए तीन हिस्ट्रीशीटर

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद लोनीकटरा पुलिस ने क्षेत्र के तीन हिस्ट्रीशीटरों के विरूद्ध जिला बदर की कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष अभय कुमार मौर्य ने बताया कि क्षेत्र के रबड़हिया गांव के सगे भाई मोहित व प्रदीप धीसा पुरवा मजरे तेजवापुर के नेवल किशोर हिस्ट्रीशीटर हैं, जिन्हें जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला बदर किया गया है।

छज्जा गिरा, मलबे में दबने से युवक की मौत

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : बल्ली बांस हटाते समय नवनिर्मित छज्जा युवक पर गिर गया। लोगों ने मलबा हटाकर युवक को बाहर निकाला तो उसकी मौत हो चुकी थी। मोहल्ला हुज्जाजी दो पूर्वी निवासी आरिफ (19) शुक्रवार की सुबह अपने तीन मंजिल के मकान के नवनिर्मित छज्जे में लगे बल्ली बांस पटरा खोल रहा था। इसी दौरान छज्जा उस पर गिर गया। जिसके मलबे में दबकर आरिफ की मौत हो गई। इस घटना से परिवारवालों में कोहराम मच गया।

आत्महत्या को उकसाने पर 7 साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने 11 जुलाई-2022 को कोतवाली क्षेत्र के मकैया ताल गायत्री नगर निवासी हर्षित पुत्र स्व. पप्पू सिंह पर आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। मुकदमे की विवेचना तत्कालीन सीओ आशुतोष कुमार ने की और आरोपी के खिलाफ साक्ष्य एकत्र कर 26 सितंबर-2022 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की। शुक्रवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश शिप्रा आर्या ने शासकीय अधिवक्ता अलंकार द्विवेदी की दलील व साक्ष्य के आधार पर हर्षित को 7 साल की सजा सुनाई है।

मुआवजा न देना पड़ा भारी एक्सईएन कार्यालय सील

नौ साल पहले एक व्यक्ति की हुई थी करंट लगने से मौत

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

कार्रवाई

अमृत विचार : बिजली विभाग द्वारा करंट से मृत ग्रामीण के परिजनों को मुआवजा न देना महंगा पड़ गया। न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने अधिशासी अभियंता रामनगर के कार्यालय को कुर्क करते हुए सील कर दिया।

अधिवक्ता राजकुमार यादव के मुताबिक थाना मसौली के बड़ागांव निवासी कैलाश यादव की 20 मई 2016 को ट्रांसफार्मर के पास टूटे तार की चपेट में आने से मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी शिवदेवी ने मामले में विद्युत विभाग के खिलाफ बाराबंकी की सिविल कोर्ट में वाद दायर किया, जिसकी पैरवी वह स्वयं और पुत्र अशोक कुमार के साथ कर रही हैं। इस घटना में विभाग ने कोई कार्रवाई की न ही पीड़ित परिवार को मुआवजा ही दिया। साक्ष्यों व तर्कों पर विचार करते हुए न्यायालय ने मृतक के परिजनों को 6 लाख 63 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था।

आदेश का पालन न करने पर 17 नवंबर को अदालत ने ब्याज सहित 9 लाख 41 हजार रुपये भुगतान करने तथा अनुपालन न होने पर अधिशासी अभियंता का कार्यालय कुर्क करने के निर्देश दिए थे।

निर्देशों के तहत शुक्रवार को टीम ने कार्यालय को सील कर दिया। हालांकि विभागीय कर्मियो की मानें तो वर्ष 2016 में रामनगर डिवीजन अस्तित्व में नहीं था, यह क्षेत्र बाराबंकी डिवीजन से नियंत्रित होता था। इस बारे में पूछे जाने पर अधिशासी अभियंता मोहम्मद खालिद ने कहा कि मामला काफी पुराना है, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है।

मिर्च झोंककर व्यापारी से लूट का प्रयास

बाराबंकी, अमृत विचार : दुकान बंद कर घर जा रहे सगे भाईयों की आंख में लाल मिर्च झोंककर बैग छीनने की कोशिश की गई। पुलिस जांच कर रही है।

नाका सतरिख चौराहा के पास सीताराम वाली गली के सामने नजीब अहमद की किराना की दुकान है। वह गुरुवार की देर शाम दुकान बंदकर भाई के साथ बाइक से घर जा रहे थे। छाया रेलवे स्टेशन मार्ग पर जमुरिया नाला के निकट नकाबपोश बाइक सवार तीन बदमाश पीछे से पहुंचे और उनमें से एक ने नजीब की आंख में लाल मिर्च झोंक दिया फिर बैग छीनने का प्रयास करने लगे। हालांकि व्यापारी ने साहस दिखाया और बैग छिनने से बचा लिया। असफल बदमाश वहां से फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की बात कही।

तत्कालीन ग्राम प्रधान, वीडीओ एडीओ व कानूनगो पर मुकदमा

संवाददाता, फतेहपुर, बाराबंकी

- एक दशक पुराने मामले में कोर्ट का आदेश
- जबरन वारिस बनाकर जमीन कब्जाने की कोशिश का मामला

अमृत विचार : सीतापुर की महिला को पत्नी बनाकर वारिस का रूप दे दिया गया। फर्जीवाड़े का पता लगते ही तहसील में शिकायत कर अमलदरामद पर रोक लगवा दी गई। पीड़ित ने थकहार कर कोर्ट की शरण ली तब तत्कालीन ग्राम प्रधान, वीडीओ, एडीओ, लेखपाल व कानून गो के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के ग्राम सकटूपुरवा मजरे सैलक जलालपुर निवासी 69 वर्षीय केशन ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या-18 में गुहार लगाते हुए बताया कि उनके भाई सियाराम व उनकी पत्नी जनका के नाम वर्ष 2015 तक परिवार रजिस्टर की आधिकारिक नकल दर्ज थी लेकिन सरोजनी पत्नी नान्हू निवासी बरुई बरुआ जिला सीतापुर ने कथित रूप से अपना नाम बदलकर रामलली दिखाते हुए तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, लेखपाल, कानूनगो व ग्राम प्रधान की मिलीभगत से परिवार रजिस्टर में अपना नाम रामलली के रूप में चढ़वा लिया। इसके बाद बिना सही सत्यापन और बिना परिवार रजिस्टर की नकल के ही कृषि भूमि की अमलदरामद भी करा ली गई। आरोप है कि यह संपूर्ण कार्रवाई फर्जी दस्तावेजों और कूटरचना के आधार पर की गई। जब उसको इस धोखाधड़ी की जानकारी हुई तो तत्काल 26 दिसंबर 2015 को तहसील फतेहपुर में शिकायत कर भूमि की अमलदरामद पर रोक लगवा दी और बिक्री किए जाने की आशंका के मद्देनजर विक्रय पर प्रतिबंध भी लगवाया। यदि समय पर रोक न लगती तो आरोपी पक्ष भूमि बेचकर रुपये का बंटवारा भी कर लेते। उसने थाना मोहम्मदपुर खाला, थाना फतेहपुर, डीएम तथा एसपी को कई बार शिकायती पत्र दिए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां तक कि वर्ष 2024 में भी लगातार शिकायतें देने के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। आरोपी लगातार धमकी दे रहे हैं कि जमीन बेचकर ही दम लेंगे।

अदालत में घटनास्थल के वीडियो फुटेज चलाए गए

कानपुर, अमृत विचार : कुशाग्र हत्याकांड में एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में सुनवाई जारी है। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को कोर्ट में विवेचक अखिलेश पाल की गवाही हुई। कोर्ट में घटनास्थल के वीडियो फुटेज चलाए गए, जिसे अदालत ने देखा। वीडियो फुटेज में दिखा कि किस तरह तीनों आरोपियों ने कुशाग्र की हत्या का षड़यंत्र रचा। मामले की अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी। इससे एक दिन पहले 10 वें गवाह विधि विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिक डा. प्रवीण श्रीवास्तव की गवाही और जिरह हुई। डॉ.ने अपनी जिरह में बताया कि घर पर फिरौती वाला पत्र डालने वाला शिवा ही था। बता दें कि 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के 11वीं के छात्र कुशाग्र की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर शव प्रभात शुक्ला के घर से बरामद किया गया था।

हत्या के दोषी को आजीवन कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : 11 हत्या के प्रकरण में न्यायालय ने अभियुक्त को आजीवन कारावास व एक लाख रुपये अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई है।

17 अगस्त 2014 को थाना मसौली क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम व कस्बा बांसा निवासी वादी राहुल कुमार ने अभियुक्त के विरुद्ध वादी के पिता को जहर खिलाने व बाद में मौत हो जाने की शिकायत पुलिस को से की। इस मामले में थाना मसौली पर अभियुक्त मो. इस्माइल के खिलाफ हत्या का मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

भाजपा विधायक के भाई की हादसे में मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : हैदरगढ़ क्षेत्र से भाजपा विधायक दिनेश रावत के अनुज मिथलेश की शुक्रवार तड़के सड़क हादसे में क मौत हो गई। हादसा लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर सैफई के निकट हुआ, जहां पर डंपर ने उनकी कार में टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही विधायक के गांव मीरापुर में सन्नाटा पसर गया। पार्टी नेता, कार्यकर्ता, शुभचिंतक जनता ने घर पहुंचकर शोक संवेदना जताई।

मिथलेश रावत फाइल फोटो।

विधायक के गांव में शोक जताने पहुंचे राज्यमंत्री व अन्य लोग ● अमृत विचार

भाजपा विधायक दिनेश रावत के छोटे भाई मिथिलेश रावत देवस्थान दर्शन को कार से गए थे। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे 128.5 किमी पर करखा के पास कार चालक ने नींद आने की बात कही तो चालक की अदलाबदली होने लगी। इसी बीच डंपर ने कार में साइड से टक्कर मार दी। हादसे में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं गंभीर रूप से जख्मी मिथिलेश रावत की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घायल को इलाज के लिए भेजा गया। सूचना मिलते ही विधायक दिनेश रावत घटनास्थल की ओर रवाना हुए। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जिसे अंतिम दर्शन के लिए मीरापुर लाया गया। इसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। राज्यमंत्री सतीश शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य, एमएलसी अंगद सिंह, अवनीश सिंह, जिपं अध्यक्ष राजरानी रावत के अलावा अन्य दलों के नेता, पार्टी पदाधिकारियों ने संवेदना व्यक्त की।

खेल प्रतियोगिता में पूरेडलई व हैदरगढ़ का दबदबा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित उच्च प्राथमिक विद्यालयों की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता शुक्रवार को पुलिस लाइन मैदान में संपन्न हुई।

जिले के 16 ब्लॉकों के लगभग 500 बालक-बालिकाओं ने खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल और हैंडबॉल प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि बीएसए संतोष कुमार देव पांडे ने विजयी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रतियोगिताओं में खो-खो बालक वर्ग में पूरेडलई ने विजेता का खिताब जीता जबकि बंकी उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में बंकी प्रथम और सिरौली गौसपुर द्वितीय स्थान पर रहा। कबड्डी बालिका वर्ग में सिरौली गौसपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया तथा पूरेडलई की टीम उपविजेता रही। बालिका कबड्डी टीम की रानी, अंजली, प्रियांशी, कोमल, आराधना, शगुन, खुशबू, गुड़िया और सावनी ने शानदार प्रदर्शन किया। कबड्डी बालक वर्ग में पूरेडलाई विजेता बना, जबकि निंदूरा उपविजेता रहा। हैंडबॉल के बालक और बालिका दोनों वर्गों में हैदरगढ़ की टीमें चयनित की गईं। वॉलीबॉल बालक वर्ग में सिद्धौर ने प्रथम तथा त्रिवेदीगंज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं वॉलीबॉल बालिका वर्ग में हैदरगढ़ की टीम ने पहला स्थान और हरख की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में जिला व्यायाम शिक्षिका रीतू पाठक, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक दिलीप तिवारी, मनोज चौधरी, शशि सिंह, सुरेन्द्र जायसवाल, लवलेश सिंह, सोमनाथ, राजेंद्र पांडे, विपिन कुमार, दिवाकर गांधी, रमाकांत, संजीव चौधरी, फिरोज समेत अनेक शिक्षक-शिक्षिकाओं का सहयोग सराहनीय रहा। प्रतियोगिता के दौरान शिक्षकों और प्रतिभागियों का उत्साह पूरे समय बना रहा।

कबड्डी बालिका वर्ग में सिरौली गौसपुर की विजयी टीम के साथ शिक्षक।

हमले में घायल अधेड़ की मौत, तीन लोगों की हालत गंभीर

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : पेड़ काटने को लेकर हुआ विवाद इस कदर हिंसक हुआ कि एक पक्ष के जानलेवा हमले में घायल अधेड़ की मौत हो गई जबकि इसी परिवार के तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए भेजा, वहीं मामले की रिपोर्ट दर्ज की। बसंतपुर घाट गांव की सावित्री सिंह ने बताया कि उनके पिता विजय चौहान ने मूलचंद यादव से बंटाई पर लिया हुआ खेत कई वर्षों से संभाल रखा था और उसमें यूकेलिप्टस के पेड़ लगाए थे। बुधवार को विपक्षी प्रताप, प्रदीप, दीपक, सर्वेश, शारदा और विनोद ने उनके पेड़ काट दिए। विरोध करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद तनाव बढ़ गया। गुरुवार दोपहर विजय कुमार खेत देखने पहुंचे, तभी सभी आरोपी वहां आ धमके और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों व बांके से उन पर हमला बोल दिया। गंभीर रूप से घायल विजय किसी तरह जान बचाकर घर की ओर भागे, लेकिन हमलावरों का कहर यहीं नहीं रुका। आरोपियों ने घर के पीछे मौजूद खेत में घुसकर पुन: हमला किया। इस दौरान विजय कुमार के साथ उनकी पत्नी, बेटी सावित्री, भाई आलोक और चाचा लल्लू चौहान को पीटा गया। ग्रामीण इकट्ठा होने लगे तो आरोपी फरार हो गए। हमले में विजय और लल्लू गंभीर रूप से घायल हुए। लल्लू को जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

भागवत कथा में बही आस्था की बयार

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राजाजीपुरम टेंपो स्टैंड के पास स्थित बाबा की बगिया में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन आस्था की बयार बही। साध्वी वैष्णवी भारती ने भगवान श्रीकृष्ण की मथुरा गमन की लीलाओं का वर्णन किया।

आशुतोष महाराज की शिष्या कथा व्यास साध्वी वैष्णवी भारती ने कहा कि कंस के आज्ञानुसार अक्रूर कन्हैया और दाऊ को मथुरा लाने के लिए वृंदावन की ओर बढ़ जाते हैं। सारे गांव के अंदर यह समाचार जंगल की आग की तरह फैल गया कि कन्हैया हम सब को छोड़ कर जा रहे हैं। सभी उनसे मिलने के लिए नंदजी के आंगन में एकत्रित हो गए। सभी ग्वाल और गोपियां कन्हैया को भावभीनी विदाई देते हैं। वो कुंज गलियां, जिनमें कभी जीवन मुस्कुराया करता था, आज रूआसी सी थीं। वैष्णवी भारती ने कहा कि अक्रूर भगवान श्रीकृष्ण को रथ पर बिठाकर मथुरा ले गए। साध्वी ने कहा कि यह भगवान श्रीकृष्ण का शौर्य है जो कंस का वध कर मथुरा उग्रसेन को दी। भौमासुर के बाद उसके पुत्र भगदत्त को सिंहासन पर बिठाया। ठीक ऐसे ही आज हमारे सैनिक सीमा की रक्षा कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. आरके मिश्रा, नीरज कुमार श्रीवास्तव, सौरव रस्तोगी, अनिल मौर्य, संदीप यादव, विनय श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

दीप प्रज्ज्वलित कर भागवत कथा का शुभारंभ करते विशिष्टजन। ● अमृत विचार

कथा सुनातीं साध्वी वैष्णवी भारती।

खुदकुशी करने जा रही महिला को बचाया

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार : शुक्रवार सुबह रेलवे पुल पर खुदकुशी की कोशिश कर रही महिला को आरपीएफ ने बचा लिया। धोबिन पुलिया निवासी महिला सुबह कानपुर पुल बायां किनारा स्टेशन के पास ट्रैक की ओर जा रही थी। पास में रहने वाली महिलाओं ने गेटमैन रविशंकर को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंची आरपीएफ ने महिला को समझाया। महिला ने बताया कि उसकी दो बेटियां कोचिंग में पढ़ने जाती थीं, लेकिन गुरुवार को दोनों घर नहीं लौटीं। उसने हरदोई निवासी भाई से संपर्क किया, जिसने बताया कि वह दोनों बेटियों को अपने साथ ले गया है। घबराहट और तनाव में महिला आत्महत्या करने पहुंच गई थी।

सिटी डायरी

उपकरणों की जानकारी लेते एसपी। अमृत विचार

एसपी ने किया निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेने के पश्चात परेड व पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। एसपी अर्पित विजयवर्गीय द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई, तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ कराई गयी व पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने रिक्रूट आरक्षियों की परेड, अनुशासन एवं शारीरिक क्षमता की भी समीक्षा की गई तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर मानक के अनुसार उपकरणों को अपने पास रखने का निर्देश दिया।

जानकारी देत मत्स्य अधिकारी। अमृत विचार

किसानों को दी तकनीकी जानकारी

बाराबंकी, अमृत विचार : कस्बा जैदपुर में विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर जलीय संसाधनों के संरक्षण, टिकाऊ मत्स्य पालन और मत्स्य किसानों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समारोह आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (मत्स्य) अच्छे लाल निषाद ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और दो योजनाओं में किसानों का पंजीकरण मौके पर ही कराया। सेवानिवृत्त मत्स्य अधिकारी एवं अभिनव विकास समिति लखनऊ के तकनीकी विशेषज्ञ मोहम्मद आफाक खान ने विश्व मत्स्य दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

एसआईआर की जानकारी लेते सीडीओ।

एसआईआर में लापरवाही अक्ष्म्य

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : तहसील सभागार रामनगर में शुक्रवार को सीडीओ अन्ना सुदन ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होने तहसील क्षेत्र में चल रहे कार्यों की प्रगति, मतदाता सूचियों के अद्यतन बूथवार सत्यापन और नाम जोड़ने-कटाने की प्रक्रिया पर बिंदुवार जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण है इसलिए निर्धारित समय सीमा के भीतर इसे पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि बीएलओ स्थल पर जाकर सत्यापन सुनिश्चित करें।

महादेवा महोत्सव

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बलजीत गोंडा को पराजित किया

क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ की टीम ने जीता खिताब

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

अमृत विचार : महादेवा महोत्सव में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया और खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर सर्विस लगाई। प्रतियोगिता का संचालन रियाज अहमद ने किया। इस प्रतियोगिता में बरेली स्टेडियम, बलजीत गोंडा, क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ, सुल्तानपुर स्टेडियम, गंगापुर आजमगढ़, गाजीपुर स्टेडियम, टीडी कॉलेज जौनपुर और केडी सिंह बाराबंकी की आठ टीमें भाग लीं। पहले दिन के मैचों में बलजीत गोंडा, क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ, टीडी कॉलेज जौनपुर और गंगापुर आजमगढ़ ने जीत हासिल की। सेमीफाइनल में क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ ने टीडी कॉलेज जौनपुर को हराया, जबकि बलजीत गोंडा ने गंगापुर आजमगढ़ को मात दी। फाइनल मुकाबले में क्रिश्चियन कॉलेज लखनऊ ने बलजीत गोंडा को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। बलजीत गोंडा उपविजेता रहा। ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी और नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान किए।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन और सहयोग के लिए मोहम्मद जैद, डॉ. आलोक शुक्ला, अब्बुल हसन, मास्टर हबीब, कमलेश यादव, विनय कुमार सिंह, अफसर अब्बास, इंजाज अहमद और सानू को सम्मानित किया गया। समारोह में पूर्व डीडीसी राघवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रज्जू, बिन्ना दुबे, दीन मोहम्मद सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

विजेता टीम को ट्रॉफी और पुरस्कार देते ब्लॉक प्रमुख संजय तिवारी। ● अमृत विचार

महोत्सव में आज

- दोपहर 12 बजे दंगल प्रतियोगिता।
- दोपहर 3 बजे म्यूजिकल बैण्ड (पीयूष मिश्रा)।
- दोपहर 3:30 बजे ध्रपद गायन (मलिक ब्रदर्स)।
- शाम 4:00 बजे वैदेही के राम (सूरज, कारवां फाउंडेशन)।
- शाम 4:30 बजे सूफी ख्याल बैंड (नितीश व धनन्जय)।
- शाम 5 बजे बालीवुड मेगा शो विद अक्षरा सिंह एंड टीम।

ई-लाटरी कराते अधिकारी। अमृत विचार

ई-लाटरी सम्पन्न

बाराबंकी, अमृत विचार : लोक सभागार में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू योजनांतर्गत कृषि यंत्रों के आवंटन हेतु ई-लाटरी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिलाधिकारी के निर्देश पर बैठक की अध्यक्षता एसडीएम विवेक शील ने की। समिति के सदस्य सचिव उप कृषि निदेशक धीरेंद्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी राजित राम, एनआईसी प्रतिनिधि अभय भारतीय आदि थे।

न्यूज ब्रीफ

कॉम्बिनेशन मीटर बदलने को 11500 अर्बन क्रूजर हाइडर वापस मंगाईं

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने मध्यम आकार की एसयूवी अर्बन क्रूजर हाइडर की 11,529 इकाइयों को डैशबोर्ड के एक हिस्से की जांच और बदलने के लिए वापस मंगा रही है। इन इकाइयों को वापस मंगाने का मकसद नौ दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनी 11,529 वाहनों में यदि 'कॉम्बिनेशन मीटर' में खराबी पाई जाती है, तो उसकी जांच करना और बदलना है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि अपने 'सबसे पहले ग्राहक' दृष्टिकोण और उच्चतम गुणवत्ता मानकों के प्रति प्रतिबद्धता के तहत कंपनी ग्राहकों की चिंताओं को तुरंत दूर करती रहेगी।

इजराइल के साथ एफटीए का रास्ता खुला

नई दिल्ली। भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जल्द ही वार्ता शुरू होगी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इजराइल के उद्योग एवं आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के बीच हुई एक बैठक में एफटीए पर बातचीत की दिशा तय करने के लिए दोनों मंत्रियों ने गुरुवार को एक टर्म ऑफ रिफ्रेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए। इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर गए गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि अंतिम मुक्त व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत को आसान बनाने की दिशा में टीओआर पहला जरूरी कदम है।

इंटरग्लोब एविएशन में 82 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी इंडिगो

मुंबई। घरेलू विमान कंपनी इंडिगो ने विमान अधिग्रहण के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंटरग्लोब एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर (करीब 7,270 करोड़ रुपये) के निवेश को शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। यह निवेश शेयर और 0 .01 प्रतिशत गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर (ओसीआरपीएस) के संयोजन के माध्यम से एक या एक से अधिक किस्तों में किया जाएगा।

रियल एस्टेट और इन्फ्रा निवेश ट्रस्टों में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत

सेबी प्रमुख ने कहा- बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहीन कांत पांडेय ने रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों (रिट्स) और बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों (इनविट्स) में खुदरा निवेश बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए शुक्रवार को कहा कि ये दोनों तंत्र देश की बुनियादी ढांचा जरूरतों के लिए पैसे जुटाने का अनोखा अवसर प्रदान करते हैं।

भारत इनविट्स एसोसिएशन और इंडियन रिट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पांडेय ने बताया कि सेबी दोनों इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश बढ़ाने के उपाय कर रहा है। इसके लिए वह केंद्रीय वित्त मंत्रालय

● केंद्रीय वित्त मंत्रालय और राज्य सरकारों के साथ की जा रही चर्चा

और राज्य सरकारों के साथ भी चर्चा कर रहा है। उन्होंने एमएससीआई की तरह दूसरे सूचकांकों में इन्हें अधिक से अधिक शामिल करने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा कि सरकार को परिसंपत्ति प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाने की बजाय इनविट्स बनाकर उसके मौद्रीकरण को सरल बनाने पर विचार करना चाहिये। उन्होंने कहा कि भारत के पास रिट्स और इनविट्स मिलाकर एक लाख करोड़ डॉलर यानी लगभग 90 लाख करोड़ रुपये के निवेश तक पहुंचने की संभावना है।

वर्तमान में देश में पांच सूचीबद्ध रिट्स और 24 सूचीबद्ध इनविट्स हैं। इनके पास सम्मिलित रूप से 9.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश है। इसमें सात लाख करोड़ रुपये का निवेश इनविट्स के पास है। पांडेय के अनुसार आने वाले समय में देश में सड़क, परिवहन, शहरीकरण, ऊर्जा और विमानन क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। वैश्विक स्तर पर जहां सभी सूचीबद्ध रियल एस्टेट परिसंपत्तियों में 57 प्रतिशत रिट्स और इनविट्स का हिस्सा हैं, वहीं भारत में यह महज 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि दोनों तंत्र देश में नये हैं और इन्हें बढ़ावा देने के उपाय किये जाने चाहिये।

सेबी ने पेंशन फंड नियामक और बीमा नियामकों से उनके द्वारा नियमित इकाइयों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। साथ ही कहा कि म्यूचुअल फंडों में अतिरिक्त तरलता पूल तैयार किया जायेगा ताकि इन दोनों तंत्रों में निवेश कर देश में बुनियादी ढांचे के लिए ज्यादा से ज्यादा पूंजी उपलब्ध करायी जा सके। उन्होंने खुदरा निवेशकों को इनविट्स और रिट्स में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि देश में सिर्फ 10 प्रतिशत निवेशक इनके बारे में जागरूक हैं। खुदरा निवेशकों को अन्य विकल्पों की तरह इन्हें एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में देखना चाहिये।

भारतीय उपमहाद्वीप के अध्ययन को 100 करोड़ देगा अडानी ग्रुप

अहमदाबाद। अडानी समूह भारतीय उपमहाद्वीप - विशेषकर भारत - के इतिहास, यहां की संस्कृति और विरासत के अध्ययन के लिए काम करने वाले विद्वानों और प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञों को 100 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करेगा। समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने शुक्रवार को अडानी वैश्विक इंडोलॉजी सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारत नॉलेज ग्राफ बनाने और इंडोलॉजी मिशन में काम करने वाले विद्वानों और विशेषज्ञों के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता की घोषणा की। कहा कि आने वाले समय में बच्चे अपने देश के बारे में जानने के लिए न तो किताबों के पन्ने पलटेंगे और न ही किसी जानकार के पास जायेंगे। वे एआई से और मशीन से पूछेंगे। वर्तमान समय में भारत के बारे में एआई पर जो भी उपलब्ध है वह देश को सही ढंग से परिभाषित नहीं करता और इसलिए भारत नॉलेज ग्राफ तैयार करने और इंडोलॉजी मिशन की जरूरत है।

शेयर बाजार में जारी तेजी थमी सेंसेक्स 400 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों में दो दिनों से जारी तेजी पर शुक्रवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक, बीएसई सेंसेक्स 400 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 124 अंक टूटा। कमजोर वैश्विक रुझानों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में गिरावट आई। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 400.76 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85,231.92 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 444.84 अंक तक फिसल गया था। पचास शेयर वाला एनएसई निफ्टी 124 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,068.15 पर बंद हुआ। पिछले दो सत्र में यह एक प्रतिशत यानी 282 अंक से अधिक चढ़कर 26,000 के पार पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इटर्नल के शेयर में प्रमुख रूप से गिरावट आई। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और आईटीसी शामिल हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि वेतन आंकड़ों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम कर दिया है। इससे वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। एआई से संबंधित शेयरों में जरूरत से अधिक तेजी को लेकर चिंता ने भी वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। एशिया के अन्य बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई।

चार श्रम संहिता लागू की गईं मौजूदा श्रम कानून होंगे सरल

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है। ये चार श्रम संहिताएं - वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब ये देश का कानून हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि श्रम नियमन को आधुनिक बनाकर, श्रमिकों के कल्याण को बढ़ाकर तथा श्रम परिवेश को बदलते कार्य जगत के साथ जोड़कर यह कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत उद्योगों की नींव रखता है। बयान में कहा गया कि इससे आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को गति मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि भारत के कई श्रम कानून आजादी से पहले और आजादी के शुरुआती दौर (1930 से 1950 के दशक तक) में बनाए गए थे। उस समय अर्थव्यवस्था और कार्य जगत बहुत अलग थे। बयान में आगे कहा गया कि अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने हाल के दशकों में अपने श्रम नियमन को समय के अनुसार बदला है, लेकिन भारत 29 केंद्रीय श्रम कानूनों में बिखरे हुए खंडित, जटिल और पुराने प्रावधानों के साथ काम रहा था।

एसएफआईओ के नोटिसों पर आसान सत्यापन के लिए होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली, एजेंसी। गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा जारी नोटिसों पर अब क्यूआर कोड का प्रावधान किया गया है जिसके माध्यम से आसानी से इनका सत्यापन किया जा सकेगा। कंपनीज एक्ट, 2013 के तहत गठित एसएफआईओ इस कानून की धारा 212 के तहत सौंपे गये गंभीर और बड़े कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच करता है और उन पर केस चलाता है। जांच के दौरान, नियमों के मुताबिक नोटिस भी जारी किया जाता है।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि एसएफआईओ ने समन अथवा नोटिस के गलत इस्तेमाल या नकल को रोकने के लिए प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया के स्तर पर सुरक्षात्मक उपाय किये हैं। एसएफआईओ द्वारा जारी किये गये नोटिस डिजिटली जेनरेट होते हैं और उनमें एक क्यूआर कोड और एक विशिष्ट दस्तावेज पहचान संख्या (डीआईएन) होता है। कुछ बेहद खास परिस्थितियों को छोड़कर एसएफआई के अधिकारियों को सिर्फ़ डिजिटल तरीके से जेनरेट नोटिस जारी करने का अधिकार है।

जंगली जानवरों और बाढ़ से फसल नुकसान भी अब पीएम फसल बीमा योजना के दायरे में

नागपुर, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि जलभराव और जंगली जानवरों से फसल के नुकसान का मुआवजा अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत मिलेगा। नागपुर में 'एग्रोविजन इवेंट' में एक सभा को संबोधित करते हुए, चौहान ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में अनाज का उत्पादन छह प्रतिशत बढ़ाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 सालों में कुल उत्पादन 44 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में, कोई यह अंदाजा नहीं लगा सकता कि कब बारिश होगी या कब सूखा पड़ सकता है।

चौहान ने कहा कि मैं किसानों को अच्छी खबर देना चाहता हूं... पीएमएफबीवाई,

● नागपुर में हुए एग्रोविजन इवेंट में केंद्रीय कृषि मंत्री ने शिवराज सिंह की घोषणा

जो फसल के नुकसान के लिए जोखिम से सुरक्षा और मुआवजा देती है, के दायरे में अब बाढ़ और जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान को भी शामिल किया जाएगा। चौहान ने कहा कि किसान लंबे समय से ऐसे प्रावधान नहीं होने की शिकायत कर रहे थे, और अब इस योजना के तहत इन नुकसानों की भरपाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत खेती के एक नए दौर में जा रहा है।

विचार से नवाचार की ओर, मशीनीकरण से विविधीकरण की ओर, एकीकरण से सिंचाई की ओर और उपग्रह से ड्रोन की ओर बढ़ रहा है। कृषि मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सिंचाई में स्वचालन, मंडियों के आधुनिकीकरण और खेतों के विविधीकरण जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है।

चौहान ने यह भी कहा कि सरकार ने जीन स्तर पर संसाधित (जीनोम एडिटिंग) तरीकों का इस्तेमाल करके दो तरह के अनाज सफलतापूर्वक उगाए हैं। उन्होंने दोहराया कि किसानों की आय दोगुनी करना सरकार और प्रधानमंत्री की प्राथमिकता है, जिसके लिए उत्पादन और मुनाफा बढ़ाना जरूरी है।

उन्होंने आईसीएआर के वैज्ञानिकों को किसानों की मांग पर आधारित शोध करने, प्रयोगशाला को जमीन से जोड़ने और अच्छी गुणवत्ता के बीज देने का काम सौंपा। इन क्षेत्रों में शोध पहले से ही चल रहा है।

राष्ट्रीय

भारत से हर घुसपैठिये को बाहर निकाला जाएगा : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह को किया संबोधित, एसआईआर को लेकर तृणमूल पर किया कटाक्ष

भुज (गुजरात), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार देश से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर शाह की टिप्पणी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को कड़े शब्दों में

भुज में बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे अमित शाह।

पत्र लिखे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने (बनर्जी ने) इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध किया था। शाह ने कहा, आज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है। घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी आवश्यक है। एसआईआर को मतदाता सूची का शुद्धिकरण बताते हुए शाह ने कुछ राजनीतिक दलों पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सरकार के अभियान को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एसआईआर का विरोध कर रही हैं, क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। शाह ने कहा, मैं इस हीरक जयंती समारोह में बहुत स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम इस देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे। यह हमारा प्रण है। एक-एक घुसपैठिए को देश से बाहर निकालना मोदी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा, देश के किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा या देश का प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय केवल भारत के नागरिक ही कर सकते हैं। घुसपैठियों को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने और हमारे लोकतांत्रिक निर्णयों को प्रभावित करने का कोई अधिकार नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत के लोकतंत्र को सुरक्षित और शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है और हर नागरिक को इसका पूरा समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं उन राजनीतिक दलों को भी आगाह करना चाहता हूं जो इन घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश था। और यह जनादेश हमारे देश में घुसपैठियों की मौजूदगी के खिलाफ है।

सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से होंगे नक्सलमुक्त

उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों की बदौलत भारत बहुत जल्द नक्सली समस्या से मुक्त हो जाएगा। शाह ने कहा, हम 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल समस्या से हमेशा के लिए मुक्त करने और अपने आदिवासी भाइयों-बहनों के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। तिरुपति से पशुपति तक का पूरा कॉरिडोर सुरक्षित रहेगा और शेष भारत की तरह प्रगति करेगा। छत्तीसगढ़ में बीएसएफ ने 127 माओवादियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया है, 73 को गिरफ्तार किया है और 22 को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बल्कि पूरा देश बीएसएफ जवानों की बहादुरी और अनुकरणीय साहस को सलाम करता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि अब तक बीएसएफ के 2,013 बहादुर जवानों ने देश की सीमाओं की सुरक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

आत्महत्या: छात्रा ने शिक्षक से पांच बार मांगी थी मदद

नई दिल्ली/जयपुर, एजेंसी

● सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में सामने आया सच

सीबीएसई की एक जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जयपुर के एक स्कूल आत्महत्या करने वाली चौथी कक्षा की छात्रा को उसकी कक्षा में 18 महीने से ज्यादा समय तक 'परेशान' किया गया तथा सहपाठी उसके खिलाफ 'बुरे शब्द' इस्तेमाल करते थे जबकि स्कूल अच्छा माहौल बनाए रखने में नाकाम रहा।

सीबीएसई ने जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बोर्ड ने इस महीने की शुरुआत में स्कूल की इमारत से कूदकर जान देने वाली नौ वर्षीय लड़की की मौत की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट मिलने पर यह नोटिस जारी किया। इस बीच, राजस्थान पुलिस ने कहा है कि घटना के 'आपराधिक पक्ष' की जांच जारी है। जांच समिति ने स्कूल की तरफ से कई कमियों की ओर इशारा किया, जिसमें लड़की को लगातार परेशान किये जाने की ओर ध्यान दिलाया गया, और बताया गया कि उसके माता-पिता ने सबसे पहले जुलाई 2024 में शिक्षकों के सामने यह मुद्दा उठाया था।

समिति ने पाया कि कक्षा अध्यापक ने बच्ची की दिक्कतों के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की, तब भी जब लड़की अपनी जिदगी के आखिरी 45 मिनट में पांच बार शिक्षक के पास मदद मांगने गई। कक्षा चार की बच्ची ने एक नवंबर को स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी।

बिहार मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा भाजपा के सम्राट को मिला गृह विभाग

पटना, एजेंसी

● राज्य में पहली बार भाजपा के किसी नेता को सौंपा गया गृह विभाग

● इससे पहले नीतीश कुमार अपने पास ही रखते थे यह मंत्रालय

बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा किया, जिसके तहत उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह विभाग का कार्यभार सौंपा गया है। बिहार में पहली बार भाजपा के किसी नेता को गृह विभाग दिया गया है।

एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार कुमार ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), कैबिनेट सचिवालय, निगरानी और चुनाव विभाग अपने पास रखे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके अलावा 26 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की। कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुए यह पहला अवसर है जब उनके पास गृह विभाग नहीं होगा। इससे पहले उनके सभी कार्यकाल में यह विभाग उनके पास ही रहा है। भाजपा और कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) समेत विभिन्न दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में गृह विभाग को लेकर खींचतान चल रही थी। अब उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी राज्य की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। कैबिनेट विभाग की अधिसूचना के अनुसार भाजपा से उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भूमि एवं राजस्व विभाग और खान एवं भू-तत्व विभाग दिए गए हैं। मंगल पांडे को स्वास्थ्य विभाग और विधि, दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग, नितिन नवीन को पथ निर्माण और नगर विकास एवं आवास विभाग सौंपा गया है। इसके अलावा, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरुण शंकर प्रसाद को पर्यटन विभाग तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

मंत्रियों में 24 में से 21 करोड़पति भाजपा की रमा सबसे रईस

पटना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषित 24 मंत्रियों में से 21 यानी 88 प्रतिशत मंत्री करोड़पति हैं। यानी कैबिनेट में हर 10 में से 9 मंत्री करोड़पति हैं। एडीआर के अनुसार सभी 24 मंत्रियों की औसत घोषित संपत्ति 5.32 करोड़ है। औराई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की विधायक रमा निषाद कैबिनेट की सबसे संपन्न मंत्री हैं।

उन्होंने कुल 31.86 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। यह संपत्ति मंत्रियों की सूची में दूसरे स्थान के मंत्री से लगभग तीन गुना अधिक है। दूसरे स्थान पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का है। लखीसराय विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा के श्री सिन्हा ने कुल 11.62 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। वहीं तीसरे पायदान पर भी भाजपा की टिकट पर तारापुर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित सम्राट चौधरी का कब्जा है।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कुल 11.34 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। दलवार गणना करें तो भाजपा के 13 में से 11 मंत्री करोड़पति हैं। जदयू के आठ विश्लेषित मंत्रियों में से आठों मंत्री करोड़पति हैं। हम और लोजपा (रा) के एक- एक मंत्री करोड़पति हैं।

एनआईए मुख्यालय में वकील से मिलने की याचिका नामंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विस्फोट

● हाईकोर्ट ने कहा- आरोपी के लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती

दिल्ली उच्च न्यायालय ने लालकिले के निकट धीमी गति से चलती कार में हुए विस्फोट मामले के सह-आरोपी जसीर बिलाल वानी की उस याचिका पर आदेश पारित करने से शुक्रवार को इन्कार कर दिया, जिसमें एनआईए मुख्यालय में वकील से मुलाकात करने देने का अनुरोध किया गया था।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि आरोपी एनआईए मुख्यालय में अपने वकील से मुलाकात करने देने की अनुरोध याचिका को खारिज करने संबंधी निचली अदालत का कोई भी आदेश दिखाने में विफल रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी कोई विशेष व्यक्ति नहीं है तथा अदालत में एक निश्चित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए और उसके लिए कोई नई प्रक्रिया नहीं बनाई जा सकती। न्यायाधीश ने कहा, आपको लगता है कि मैं अपनी प्रक्रिया स्वयं बनाऊंगा, मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह कोई विशेष प्रक्रिया नहीं है।

अदालत ने यह टिप्पणी उस वक्त की, जब वानी के वकील ने दावा किया कि निचली अदालत ने अर्जी को मौखिक रूप से खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, कोई मौखिक अस्वीकृति नहीं हो सकती। यदि आपके पास आदेश नहीं है, तो आप मेरे सामने क्यों हैं।

शव को फिर से दफनाने के लिए कब्र से निकालने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

● मद्रास हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप में सुप्रीम कोर्ट का इन्कार कोविडकाल के दौरान हुई थी मौत

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें 2020 में कोविड महामारी के दौरान मृत एक व्यक्ति के शव को उसके पारिवारिक कब्रिस्तान में फिर से दफनाने के लिए कब्र से निकालने की अनुमति देने वाले आदेश को रद्द कर दिया गया था।

मद्रास उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले को चुनौती देने वाली मृत व्यक्ति की पत्नी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की शीर्ष अदालत की पीठ ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि महामारी के समय स्थिति अलग थी। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने पति की मृत्यु के चार साल बाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और कहा कि यदि वह इस तरह के अनुरोध को अनुमति देता है, तो इसी तरह के कई मामले सामने आएंगे। पीठ ने कहा कि हमें उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता।

जुलाई में मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें अधिकारियों को मृतक की पत्नी को उसके शव को कब्र से निकालने और प्रोटेस्टेंट ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार उसके अवशेषों को उनके पैतृक स्थान पर पारिवारिक कब्रिस्तान में पुनः दफनाने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

नाइजीरिया में स्कूल में घुसकर विद्यार्थियों का अपहरण किया

अबुजा। नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने शुक्रवार सुबह पश्चिमी प्रांत में स्थित एक कैथोलिक स्कूल पर धावा बोलकर कई विद्यार्थियों और कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब कुछ दिन पहले ही पड़ोसी राज्य में बंदूकधारियों ने 25 छात्राओं को अगवा कर लिया था। राज्य सरकार में सचिव अबुबकर उस्मान ने बताया कि यह हमला और अपहरण सेंट मैरी स्कूल में हुआ, जो अगवारा में स्थित है। हालांकि, उन्होंने अगवा किए गए विद्यार्थियों और कर्मचारियों के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की। स्थानीय टीवी चैनल 'अराइज टीवी' की खबर के मुताबिक, 52 विद्यार्थियों का अपहरण किया गया है। इस घटना की किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

ब्रिटेन ने स्विंडन में की नए ड्रोन उत्पादन केंद्र की शुरुआत

लंदन। ब्रिटेन ने दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के स्विंडन में एक नया ड्रोन उत्पादन केंद्र शुरू किया है। ब्रिटिश सरकार ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 40,000 वर्ग फुट में निर्मित इस संयंत्र का उद्घाटन रक्षा मंत्री अल कार्न्स ने किया है। यह जर्मनी के बाहर स्टार्क का पहला उत्पादन केन्द्र है। आने वाले महीनों में यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस मानवरहित ड्रोनों का निर्माण शुरू हो जाएगा। बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ड्रोन यूक्रेन को दिए जाएंगे या नहीं, लेकिन कहा गया है कि यह सुविधा हजारों वर्टस लोइटरिंग गोला-बारूद का उत्पादन करेगी, जिसे यूक्रेन में पहले ही सफलतापूर्वक तैनात किया जा चुका है। स्टार्क यूके के प्रबंध निदेशक माइक आर्मस्ट्रांग ने कहा कि इस संयंत्र में निवेश का उद्देश्य ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय, यूक्रेन और अन्य यूरोपीय साझेदारों की सहायता करना है।

आईएस समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो में 89 लोगों की हत्या की

गोमा। इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोही समूह ने पूर्वी कांगो में कई गांवों पर हमला कर 89 लोगों की हत्या कर दी। देश में स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ने बताया, लुबेरो शहर से लगभग 60 किमी पश्चिम में स्थित ब्याम्बे गांव में 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस' ने शनिवार को एक अस्पताल में 17 लोगों की हत्या की। इनमें प्रसूति वार्ड में भर्ती 11 महिलाएं भी शामिल थीं। मिशन के कार्यवाहक प्रमुख ब्रूनो लेमारक्विस ने कहा, नागरिकों के खिलाफ की गई हिंसा, जिसमें चिकित्सा सुविधाओं में होने वाले हमले भी शामिल हैं, युद्ध अपराधों और अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघनों के दायरे में आ सकती है।

ईरान के पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल भारतीय संस्थाओं पर प्रतिबंध

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका ने आतंकी समूहों तक पैसा पहुंचने का लगाया आरोप

अमेरिका ने भारत की उन संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कहा कि इस व्यापार से मिलने वाली धनराशि तेहरान के क्षेत्रीय आतंकवादी समूहों को समर्थन देने और हथियार प्रणालियां खरीदने में उपयोग की जाती है, जो अमेरिका के लिए सीधा खतरा हैं।

अमेरिका के विदेश और वित्त मंत्रालयों ने उन 'शिपिंग नेटवर्क' पर प्रतिबंध लगाए हैं जो ईरानी शासन की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को अवैध तेल बिक्री के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही उन एयरलाइंस और उनसे जुड़ी कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं, जो ईरान समर्थित आतंकी संगठनों को हथियार और आपूर्ति भेजती हैं। इस प्रतिबंध सूची में जिन भारतीय नागरिकों और कंपनियों को शामिल किया गया है उनमें जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैय्यद, जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैय्यद, महाराष्ट्र स्थित 'आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड' और पुणे स्थित 'टीआर6 पेट्रो इंडिया एलएलपी' शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह भारत, पनामा और सेशेल्स सहित कई देशों में स्थित कुल 17 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाज़ों को नामित कर रहा है जो ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री में शामिल हैं।

हर साल हजारों बच्चे लापता

बच्चों की गुमशुदगी के मामले में भारत की स्थिति बेहद गंभीर है। विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार भारत दुनिया के उन देशों में से एक है जहां बच्चों के लापता होने के मामले बहुत ज्यादा हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, हर घंटे लगभग 11 बच्चे लापता हो जाते हैं, और उनमें से कम से कम चार कभी नहीं मिलते। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि लापता होने वाले बच्चों में करीब 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं। बाल तस्करी, बंधुआ मजदूरी और यौन शोषण बच्चों के लापता होने के प्रमुख कारण हैं। सरकारी तौर किए जाने वाले प्रयास और पुलिस सिस्टम इसमें कमी लाने में नाकाम रहे हैं। हाल ही में भारत में लापता बच्चों की स्थिति पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी गहरी चिंता जताई है और केंद्र सरकार को इसमें कमी लाने और रोकने के लिए ठोस उपायों की अपेक्षा की है।

बच्चों की बढ़ती गुमशुदगी

लगातार बढ़ रहा है आंकड़ा

- रिकॉर्ड के अनुसार देश में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है, अनुमानित तौर पर हर साल करीब 96 हजार बच्चे लापता हो जाते हैं।
- लापता बच्चों में लड़कियों की संख्या लड़कों से काफी ज्यादा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 75% लापता बच्चे लड़कियां थीं।
- 2022 में, 76,069 बच्चों के अपहरण की सूचना मिली थी पुलिस की जांच के बाद और 33,650 लापता बच्चों को अपहरण का शिकार माना गया था।
- एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा लापता बच्चे होते हैं, केरल और हरियाणा की स्थिति इस मामले में बेहतर है।

ये हैं प्रमुख कारण

- सबसे बड़ा कारण निसंतान दंपतियों को बच्चों को बेचने के रूप में उभरा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया कठिन होना इसका कारण है।
- बाल तस्करी दूसरी गंभीर समस्या है, जिसके तहत बच्चों को यौन शोषण, जबरन श्रम और भीख मांगने के लिए मजबूर किया जाता है।
- फिरौती के लिए अपहरण भी प्रमुख कारण है, कुछ सालों से इसमें हालांकि कमी आई है, लेकिन फिर भी लगातार ऐसी घटनाएं होती हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत

- संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल अनुमानित रूप से 4,60,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- जर्मनी के सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार हर साल लगभग 1,00,000 बच्चों के लापता होने की सूचना मिलती है।
- यूनाइटेड किंगडम में यह संख्या काफी ह, यहां हर साल 1,12,853 बच्च लापता होने की सूचना दर्ज होती है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उस रिपोर्ट पर चिंता जताई थी जिसमें कहा गया था कि भारत में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से गोद लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ लापता बच्चों के मामलों को संभालने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया था। जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है। देश में गोद लेने की प्रक्रिया जटिल है जो बच्चों की गुमशुदगी का प्रमुख कारण है। कोर्ट ने गृह मंत्रालय को लापता बच्चों को ट्रेस करने और ऐसे मामलों की जांच के लिए समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को भी कहा था।

देश में हुई चर्चित घटनाएं

- निठारी कांड सबसे भयावह घटनाओं में से एक था, जिसमें नोएडा के निठारी इलाके में नाले से 17 बच्चों के कंकाल मिले थे।
- पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में 2017 में 291 बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी, जो 2018 में बढ़कर 474 हो गई थी।
- भोपाल में एक महिला ने ढाई वर्ष और तीन महीने की दो बच्चियों को बेचने के लिए अगवा किया था।

जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए बने न्यायसंगत वैश्विक परिवर्ती तंत्र

भारत ने कॉप 30 में की अमीर और गरीब देशों की क्षमतानुसार भूमिका की पैरवी

- अमीर देशों की ओर से लगाए जा रहे प्रतिबंधों की आलोचना की

बेलेम, एजेंसी

कॉप 30 सम्मेलन के विशेष सत्र को संबोधित करते पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव।

वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन कॉप 30 के समापन से पहले भारत ने समानता और सीबीडीआर-आरसी पर आधारित एक न्यायसंगत परिवर्ती तंत्र पर जोर दिया और साथ ही जलवायु संबंधी कदमों के परिप्रेक्ष्य में अमीर देशों की ओर से लगाए गए एकतरफा व्यापार प्रतिबंधों की कठोर आलोचना की।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, एकतरफा कार्रवाई विशेष रूप से व्यापार-प्रतिबंध जलवायु उपाय, समानता और न्याय के सिद्धांतों को कमजोर करते हैं तथा एक निष्पक्ष और न्यायसंगत परिवर्तन को बाधित करने वाले कदम के रूप में कार्य करते हैं। यादव ने कहा कि भारत इस तंत्र की स्थापना के साथ बेलेम में एक महत्वाकांक्षी परिणाम की आशा करता है ताकि संधि और पेरिस समझौते को क्रियान्वित करने में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर किया जा सके।

उन्होंने कहा, हमें अब एक सच्चे न्यायसंगत परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए समता और साझा लेकिन विभेदित उत्तरदायित्वों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) को क्रियान्वित करना होगा। पर्यावरण मंत्री बृहस्पतिवार को यूएई न्यायसंगत परिवर्तन कार्य कार्यक्रम (जेटीडब्ल्यूपी) के तहत 'न्यायसंगत परिवर्तन' विषय पर तीसरे वार्षिक उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत और 190 से अधिक देशों के वार्ताकार जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं। साथ ही अमीर और गरीब देशों की अलग-अलग क्षमताओं के आधार पर न्यायोचित परिवर्तन सुनिश्चित करने पर भी विचार कर रहे हैं।

यादव ने जेटीडब्ल्यूपी के ठोस परिणामों के बारे में कहा कि भारत अन्य विकासशील देशों के साथ मिलकर न्यायसंगत परिवर्तन तंत्र के निर्माण का दृढ़ता से समर्थन करता है। मंत्री ने कहा कि मौजूदा अंतराल को पाटने तथा व्यावहारिक समाधान निकालने के लिए ऐसी व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ के लिए, राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण तक किफायती और पर्याप्त पहुंच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पीछे न छूटे।

दुनिया को मिलकर जलवायु संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत

बेलेम। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत जलवायु कार्रवाई के हिस्से के तौर पर घरेलू अनुकूलन के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वैश्विक खाई बढ़ने के चलते जलवायु अनुकूलन संबंधी वित्त को बढ़ाने की जरूरत है। यादव ने यह भी कहा कि जलवायु संबंधी वार्षिक शिखर सम्मेलन 'सीओपी 30' को एक साफ राजनीतिक संदेश देना चाहिए कि अनुकूलन कोई वैकल्पिक उपाय नहीं, बल्कि एक जरूरी निवेश है। उन्होंने जारी 'यूएन सीओपी 30' शिखर सम्मेलन में बृहस्पतिवार को अनुकूलन पर 'बाकू उच्चस्तरीय संवाद' में अपने संबोधन के दौरान कहा, वर्ष 2025 की अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट का अनुमान है कि विकासशील देशों को 2035 तक सालाना 310-365 अरब अमेरिकी डॉलर की जरूरत होगी, जबकि अभी केवल 26 अरब अमेरिकी डॉलर मिल रहे हैं। यादव ने चिंता जताई कि अगर मौजूदा रुझान जारी रहा तो सार्वजनिक अनुकूलन वित्त को 2019 के स्तर से दोगुना करके 2025 तक लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर करने का 'ग्लासगो जलवायु समझौते' का लक्ष्य शायद पूरा नहीं हो पाएगा।

यूक्रेन में अपार्टमेंट पर गिरा रूसी ग्लाइड बम, पांच की मौत

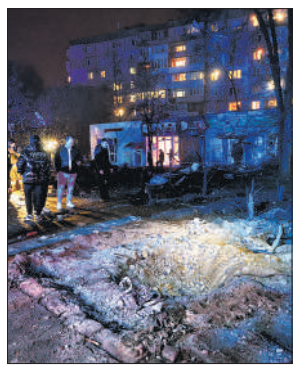

कीव। यूक्रेन के जापोरिज्जिया शहर के एक रिहाइशी इलाके में रूसी ग्लाइड बम हमले में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक किशोरी समेत दस लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले के बाद चार साल से जारी युद्ध को खत्म करने की अमेरिकी योजना के बारे में जानकारी सामने आने के बाद, बीती रात यह हमला हुआ। यूक्रेन के अधिकारी युद्ध खत्म करने के प्रस्तावों का अध्ययन कर रहे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह आगामी दिनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। स्थानीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख इवान फेदोरोव के अनुसार जापोरिज्जिया में हुए शक्तिशाली ग्लाइड बम हमले में ऊंची-ऊंची रिहाइशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा स्थानीय मार्केट को भी नुकसान पहुंचा है।

ओली समर्थकों और जेन जी की अब काठमांडू में भिड़ंत

काठमांडू, एजेंसी

- घायल युवाओं का ओली के खिलाफ धरना, मौतों का जिम्मेदार बताया

नेपाल के जेन जी युवा और अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल के समर्थकों की शुक्रवार को एक बार फिर राजधानी काठमांडू में भिड़ंत हो गई। कुछ ही दिन पहले ही उनके बीच झड़प के कारण बारा जिले में कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि स्थिति सामान्य होने के बाद बारा में शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लिया गया है।

जेन जी समूह के दर्जनों घायल युवकों ने शुक्रवार को काठमांडू के माइतीघर मंडला में पूर्व प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ धरना दिया। वे आठ सितंबर को प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई के लिए ओली को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, जिसमें 76 लोग मारे गए थे। शुक्रवार का प्रदर्शन निकटवर्ती बानेश्वर-बबरमहल क्षेत्र में सीपीएन-यूएमएल की रैली के बाद हुआ, जहां पार्टी प्रमुख ओली ने यूएमएल नेताओं और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने के लिए 'नेशनल वोलेंटियर्स फोर्स' के गठन की घोषणा की।

यूएमएल कार्यकर्ताओं और जेन जी युवाओं, दोनों के कार्यक्रम लगभग एक ही स्थान पर और एक ही समय आयोजित किए गए थे तथा उनके बीच किसी भी टकराव को टालने के लिए बड़ी संख्या में दंगा रोधी पुलिसकर्मी तैनात किये गए थे। एक दिन पहले, जेन जी के युवाओं और ओली की पार्टी के सदस्यों के बीच झड़प में 10 लोग घायल हो गए, जिसके बाद तनाव फैल गया था। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा था। हालांकि, शुक्रवार को कर्फ्यू हटा लेने के बाद बारा ज़िले में जनजीवन पटरी पर लौट आया।

चुनावों से पहले सेना की तैनाती की सिफारिश

काठमांडू। नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और आगामी पांच मार्च, 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए राष्ट्रीय मंत्रिमंडल में नेपाली सेना के जवानों को तैनात करने की सिफारिश की है। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिनिधि सभा के चुनावों से पहले गुरुवार को परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। एक बयान में, परिषद ने कहा कि सुरक्षा बलों की तैनाती की सिफारिश संविधान के अनुच्छेद 266(1) के अंतर्गत की गई है, जो निकाय को नेपाल सेना की लामबंदी एवं नियंत्रण का प्रस्ताव देने और राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा मामलों पर सलाह देने के लिए अधिकृत करता है। बैठक में कई अंतर्निहित संभावित सुरक्षा चुनौतियों की भी समीक्षा की गई।

बांग्लादेश: 5.7 तीव्रता का भूकंप, छह की मौत

ढाका, एजेंसी

अस्पताल में भर्ती कराए गए कई घायल।

- तमाम इमारतें हुईं जमींदोज, कई स्थानों पर लगी आग

बांग्लादेश में शुक्रवार को आए 5.7 तीव्रता के भूकंप के कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी ढाका और कुछ अन्य हिस्सों में महसूस किए गए तथा इस दौरान कई इमारतों को नुकसान पहुंचा और कुछ जगहों पर आग लग गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि ढाका में तीन लोगों, जबकि नारायणगंज में एक व्यक्ति की मौत की सूचना है। वहीं, दो अन्य मौतें नरसिंगडी में हुईं, जहां भूकंप का केंद्र सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। स्थानीय मीडिया ने भूकंप के कारण देशभर में कम से कम 50 लोगों के घायल होने की खबर दी है। बांग्लादेश के मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 10 बजकर 38 मिनट पर आया और इसका केंद्र ढाका के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नरसिंगडी में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। यह स्थान ढाका के अगरगांव क्षेत्र में भूकंपीय केंद्र से लगभग 13 किलोमीटर पूर्व में है।

ढाका के पुलिस उपायुक्त मलिक अहसान उद्दीन सामी ने अग्निशमन सेवा के हवाले से बताया कि पुराने ढाका के अरमानीटोला इलाके में पांच मंजिला इमारत की रेलिंग, बांस की मचान और मलबा गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले इलाके में एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। सामी ने पुष्टि की कि मृतकों में एक मेडिकल छात्र शामिल है, जो मांस खरीदने के लिए अपनी मां के साथ वहां गया था।

व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलेंगे ममदानी

वाशिंगटन। न्यूयॉर्क के निर्वाचित महापौर जोहरान ममदानी वाशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

ममदानी को चार नवंबर को न्यूयॉर्क शहर का महापौर निर्वाचित किया गया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, यह बहुत कुछ बताता है, कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट नेता आ रहे हैं, क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने उसे देश के सबसे बड़े शहर के महापौर के रूप में चुना है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है और यह भी दर्शाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और किसी से भी बात करने के लिए तैयार हैं और अमेरिका के हित में काम करने की कोशिश करते हैं।

विवादों में घिरी रहीं मेक्सिको की फातिमा बॉश के सिर सजा मिस यूनिवर्स का ताज

बैंकॉक। मेक्सिको की 25 वर्षीय फातिमा बॉश फर्नांडीज ने शुक्रवार को मिस यूनिवर्स 2025 का ताज अपने नाम किया। यह जीत उनके लिए नाटकीय रही, जो बैंकॉक में आयोजित इस लोकप्रिय सौंदर्य प्रतियोगिता के उतारचढ़ाव वाले 74वें संस्करण के दौरान एक मेजबान द्वारा सार्वजनिक बदसलूकी का उनके डटकर सामना करने के कारण चर्चा में रहीं।

इस प्रतियोगिता की उप विजेता थाईलैंड की 29 वर्षीय प्रवीनर सिंह रहीं जबकि तीसरा स्थान वेनेजुएला की 25 वर्षीय स्टेफनी एड्रिआना अबासाली नासिर ने हासिल किया। इस वर्ष की प्रतियोगिता का माहौल एक विवाद के कारण बिगड़ गया था, जिसकी शुरुआत मेक्सिको की प्रतिभागी बॉश को फटकारने से हुई। इस घटना ने बहिष्कार, नारीवादी एकजुटता और स्थानीय आयोजक की भावुक माफी जैसे नाटकीय मोड़ लिए। चार नवंबर को प्रतियोगिता के एक सत्र के दौरान थाईलैंड के राष्ट्रीय निदेशक नवात इट्सारागिसिल ने बॉश पर स्थानीय प्रचार गतिविधियों में भागीदारी के निर्देशों का पालन न करने का आरोप लगाया और उन्हें फटकार लगाई। जब बॉश ने अपना पक्ष रखने की कोशिश की तो उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को बुला लिया।

बॉश कमरे से बाहर चली गईं और उनके समर्थन में कई अन्य प्रतिभागी भी से बाहर निकल गईं, जिनमें मिस यूनिवर्स 2024 डेनमार्क की विक्टोरिया कायर थेलविग भी शामिल थीं। बॉश ने कहा, आपके निदेशक का व्यवहार सम्मानजनक नहीं था, उन्होंने मुझे मूर्ख कहा। अगर कोई चीज आपकी गरिमा छीनती है, तो आपको उससे हट जाना चाहिए। 'मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन' के अध्यक्ष और मेक्सिको के व्यवसायी राउल रोचा कांतू ने एक बयान में नवात के व्यवहार को सार्वजनिक उत्पीड़न और गंभीर दुर्व्यवहार बताया था।

थाईलैंड की प्रवीनर पहली, वेनेजुएला की स्टेफनी दूसरी उप विजेता

मिस यूनिवर्स चुनी गईं फातिमा बॉश।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 15.11 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

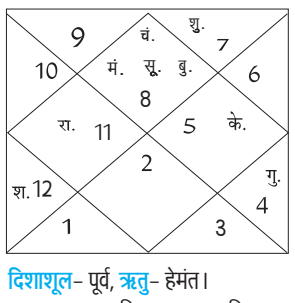

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 16.47 तक तत्पश्चात मूल।

मेष - आज अपने विचारों को दूसरों पर अध्यारोपित न करें। क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। आय के साधनों में कमी आ सकती है। आपके मन में अज्ञात भय उत्पन्न होगा। थायराइड से पीड़ित महिलाओं को स्वास्थ्य कष्ट हो सकता है।

वृष - आज पारिवारिक जीवन आनंद और उल्लास से भरपूर रहेगा। बिना मांगे किसी को सलाह न दें। प्राकृतिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। व्यापार में गति तीव्र होने के योग बन रहे हैं। प्रेमी जन के माध्यम से आपको उपहार मिल सकता है।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र कर सकते हैं। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों के लिए दिन थोड़ा उबाऊ है। पहले की गई मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें। विपरीत परिस्थितियों के बीच अपनी योग्यता को सिद्ध कर सकेंगे।

कर्क - आज दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम संबंधों के बीच आयी गलतफहमियों को दूर करने के लिए दिन अच्छा है। व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

सिंह - आज कार्यक्षेत्र के माहौल में कुछ तनाव हो सकता है। परिजनों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। आपके अच्छे कार्यों की सराहना होने के बजाय लोग उनकी आलोचना कर सकते हैं। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से नुकसान हो सकता है। समय का सदुपयोग करें।

कन्या - आज पारिवारिक रिश्तों में संवादहीनता के कारण समस्या हो सकती है। मित्रों के साथ कहीं घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है। भाई-बहनों की चिंता रहेगी। रक्तचाप के रोगियों को ठण्ड को लेकर विशेष सावधानी रखनी चाहिए। वरिष्ठ लोगों की अवहेलना न करें।

तुला - आज व्यापार में धन लाभ होगा। लेकिन आपको थोड़ी सावधानी भी बरतनी होगी। प्रबंधन से जुड़े लोगों के ऊपर काम का दबाव रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव हो सकता है। शाम के समय किसी समारोह के लिए निमंत्रण मिल सकता है।

वृश्चिक - आज आप रुके हुए कार्यों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। जीवनसाथी आपका मानसिक और आर्थिक रूप से काफी सहयोग करेगा। काम के प्रति सकारात्मक रवैया रखें। मित्रों के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे।

धनु - आज आपके काम की लोग उपेक्षा कर सकते हैं। व्यर्थ के कार्यों में आपका धन बर्बाद होगा। आज आवश्यक न हो तो यात्रा न करें। आय की अपेक्षा आपके खर्चों में अधिकता रहेगी। सहकर्मियों से अपनी व्यक्तिगत बातें शेयर करना उचित नहीं है।

मकर - आज कार्यक्षेत्र की तनावयुक्त परिस्थितियों को हल करने में सफल होंगे। आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। नया काम शुरू करना हर दृष्टिकोण से उत्तम है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े प्रपोजल मिलने के योग बन रहे हैं।

कुंभ - आज अपने कार्य के प्रति निष्ठावान रहें। प्रेमी जन की भावनाओं का अनादर न करें। मन में वैराग्य के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से उचट सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा। जिन लोगों का स्वास्थ्य खराब था, उनके स्वास्थ्य में सुधार आयेगा।

मीन - आज आपकी दिनचर्या में सुधार आयेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपका समय बीतेगा। दांपत्य संबंधों को गहरा और मजबूत करने के लिए रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं। बच्चों का मार्गदर्शन लगातार करते रहें।

सुडोकू-168

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

								4
			1					
		3						
				7				
							3	
	1			9				
						9		
					6			
		5						

सुडोकू - 167 का हल

1	2	3	5	9	7	6	4	8
8	6	7	3	1	4	2	9	5
9	4	5	8	6	2	3	1	7
3	7	4	1	2	5	8	6	9
2	8	9	7	4	6	5	3	1
5	1	6	9	8	3	7	2	4
4	5	8	6	3	9	1	7	2
6	9	1	2	7	8	4	5	3
7	3	2	4	5	1	9	8	6

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली में अब अंतर्राष्ट्रीय मानक वाला ट्रैक

बरेली के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैयारी के लिए स्पोर्टस स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है। ट्रैक का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिस पर 9.34 करोड़ रुपये की लागत आई है। 400 मीटर लंबे इस ट्रैक का निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। ट्रैक एक विशेष प्रकार का कृत्रिम रूप से निर्मित रनिंग ट्रैक होता है, जिसे एथलीट्स के प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाता है। यह ट्रैक आमतौर पर रबर ग्रेन्यूल्स और पॉलीयुरेथेन की कई परतों से बना होता है, जो इसे लचीला, टिकाऊ और झटकों को अवशोषित करने योग्य बनाता है। यह सतह एथलीट्स को बेहतर ग्रिप, स्थिरता और गति प्रदान करती है, जिससे परफॉर्मेंस में सुधार होता है और चोट का खतरा कम होता है। किसी भी मौसम में उपयोग किया जा सकता है। मिट्टी या घास के ट्रैक की तुलना में अधिक टिकाऊ व सुविधाजनक होता है।

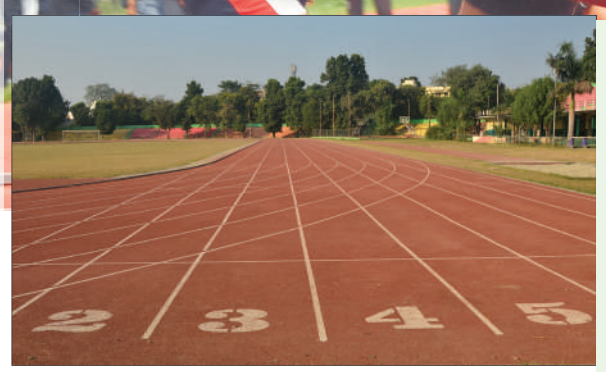

■ खिलाड़ियों को मिलेंगे ये लाभ

स्पोर्टस स्टेडियम में करीब 400 खिलाड़ी रोजाना प्रैक्टिस करते हैं। इसमें एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन और हर्डल रेस आदि की प्रैक्टिस करने वाले खिलाड़ियों को सिंथेटिक ट्रैक बनने से काफी फायदा मिलेगा। वह अपनी प्रैक्टिस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के हिसाब से करेंगे। साथ ही इनके खेल स्तर में भी सुधार होगा।

■ सिंथेटिक ट्रैक पर होने वाले गेम्स

एथलेटिक्स, लॉग जंप, हाई जंप, डिस्कस थ्रो, हैमर थ्रो, ट्रिपल जंप, शॉर्टपुट, जैबलिन, हर्डल रेस।

> आठ लेन वाला यह सिंथेटिक ट्रैक जनपद ही नहीं अपितु मंडल में सबसे शानदार होगा। अप्रैल 2025 में ही प्लेयर्स इस पर दौड़ना शुरू कर देंगे। राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी करेंगे। खिलाड़ियों के लिए यह ट्रैक सौगात होगी।
> – **जितेंद्र यादव**, आरएसओ स्पोर्टस स्टेडियम बरेली

कामयाबी की मिसाल हैं रिदम अब फोकस ओलंपिक पर

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है. ये कहावत तो आपने खूब सुनी होगी, लेकिन बरेली की पैरा एथलीट रिदम शर्मा ने इसे सच कर दिखाया। 18 साल की रिदम बचपन से न बोल सकती है और न सुन सकती है, फिर भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत चुकी है। रिदम की कहानी सिर्फ पदकों की नहीं, बल्कि जज्बे, संघर्ष और प्रेरणा की कहानी है। उन्होंने साबित किया है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी असमर्थता सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। रिदम ने उन लोगों के लिए मिसाल कायम की है जो दिव्यांग हैं। अब रिदम का एक ही सपना है ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाना। 2023 में इंदौर में हुई 35वीं राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 200 मीटर, 100 और 400 मीटर दौड़ में पदक जीते। 2024 में अंतर्राष्ट्रीय गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर नाम रोशन किया। कुआला लंपुर मलेशिया में एशियाई डीफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर मिक्स रिले और 4&400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, जबकि 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक अपने नाम कर इतिहास रच डाला। रिदम ने दो बार राज्य स्तर पर गोल्ड, दो बार राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड और एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीता।

■ रिदम बरेली के बड़ा बाजार इलाके की रहने वाली हैं। उनके पिता अनुकाम शर्मा प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां पूनम शर्मा हाउस वाइफ हैं। दोनों ने मिलकर अपनी बेटी के सपने को उड़ान दी। रिदम लिप रीडिंग तकनीक से संवाद करती हैं और 12 साल की उम्र में उन्होंने तय कर लिया था कि वह एथलीट बनेंगी। रिदम के परिवार में एक बड़ी बहन अपूर्वा और छोटा भाई विनायक है।

■ मां पूनम शर्मा ने बताया कि रिदम को बचपन से ही टीवी पर खेल देखने का शौक था। चार से पाच साल की उम्र में रिदम ज्यादा कुछ समझ नहीं पाती थीं, लेकिन टीवी चैनल परिवार में कोई चेंज कर देता तो खुद अपने पसंद का स्पोर्ट चैनल लगा लेती थीं, इसके बाद पेरेंट्स को रिदम की रुचि के बारे में पता चला और सपोर्ट करने लगे।

■ जब रिदम पांच साल की थी तो पेरेंट्स यही सोचते थे कि थोड़ा समय और लगेगा फिर बेटी बोलने और सुनने लगेगी। मगर छह साल बीतने के बाद भी कोई रिस्पांस नहीं मिलता तो डाक्टर को दिखाया गया और पता चला कि वह सुन-बोल नहीं सकती। इलाज के लिए बरेली से लेकर दिल्ली तक गए, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते इलाज नहीं करा पाए।

■ 11वीं की छात्रा रिदम कड़ी मेहनत कर रही हैं। सुबह चार बजे रेलवे ग्राउंड में तैयारी के लिए जाती हैं। मदद कोच अजय कश्यप करते हैं। कालेज की तरफ से भी उन्हें एक घंटे की छूट दी गई है। खुद को फिट रखने के लिए रोजाना करीब 24 किलोमीटर साइकिल द्वारा अपने घर से रेलवे ग्राउंड तक आना-जाना करती हैं।

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय खेलों में कर चुका है मेजबानी

डोरी लाल अग्रवाल स्पोर्ट्स स्टेडियम या क्षेत्रीय खेल स्टेडियम उत्तर प्रदेश के बरेली में स्थित एक बहुउद्देश्यीय स्टेडियम है। इस मैदान का उपयोग मुख्यत फुटबॉल, क्रिकेट, नेटबॉल, हैंडबॉल, बास्केटबॉल और अन्य खेलों के मैचों के आयोजन के लिए किया जाता है। इस स्टेडियम की स्थापना 1960 में हुई थी और इसने भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के बीच अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी की है। 2015 में उत्तर प्रदेश सरकार ने पुरुष और महिला खिलाड़ियों दोनों के लिए 400 बिस्तरों वाले एक छात्रावास के निर्माण के साथ-साथ सीढ़ियों के निर्माण के माध्यम से स्टेडियम के कोर को अपग्रेड करने का निर्णय लिया था। अगस्त 2015 में स्टेडियम ने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक स्थानीय टी 20 टूर्नामेंट में भारतीय ग्रामीण क्रिकेट लीग की मेजबानी की। स्टेडियम स्थानीय क्रिकेट टूर्नामेंट की भी मेजबानी की कर चुका है।

हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है मेजर ध्यानचंद स्टेडियम

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम भी बरेली की शान है, जो हॉकी के जादूगर की याद दिलाता है। कैंट में स्थित यह स्टेडियम भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) का प्रशिक्षण केंद्र है। यह स्टेडियम विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसमें हॉकी और एथलेटिक्स शामिल हैं। हाल के वर्षों में, इसमें सुधार किए गए हैं, जैसे कि सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण शामिल है।
स्टेडियम के सेंट्रल इंचार्ज व एथलेटिक्स कोच संदीप मोहन चौधरी ने बताया कि जनवरी 2007 में 30 साल की लीस पर स्टेडियम लिया गया है। यह कैंटोमेंट बोर्ड से लिया था। इसमें हॉटी, एथलेटिक्स व सेपक टाकरा खेल शामिल है। खिलाड़ियों के लिए छात्रावास की सुविधा भी है। हर साल यहां खिलाड़ियों का चयन होता है। 10-18 साल के खिलाड़ियों के बीच- ट्रायल लिया जाता है। ट्रायल जनवरी व फरवरी में होते है। एसिस्टेंट अभिषेक कुश्वाह ने बताया कि यह स्टेडियम रीजनल सेंटर लखनऊ अंडर में आता है। सेपक टाकरा में खिलाड़ी बॉबी कुमार इंटरनेशन खिलाड़ी है। उनकी बिहार के पटना में पुलिस में दो माह पहले ही नौकरी लगी है। वहीं बिहार के जयवीर सिंह भी इंटरनेशन खिलाड़ी है। सेपक टॉकरा की कोच मीना ने बताया कि आवासीय योजना स्कीम के अंतर सेपक टाकरा के 18 खिलाड़ी, हॉकी के 20 और एथलेटिक्स के 17 खिलाड़ी है।

डरबन वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण और दो विश्व रिकॉर्ड

किसी भी ख्वाब को पूरा करने के लिए उम्र मायने नहीं रखती, बल्कि जज्बा और जुनून सबसे बड़ा हथियार होता है। इस कहावत को सच कर दिखाया है बरेली शहर के 75 वर्षीय भगवान बंसल ने, जो उम्र के उस पड़ाव पर खड़े हैं जहां अधिकतर लोग आराम और दवाइयों पर निर्भर हो जाते हैं, लेकिन भगवान बंसल इसके बिल्कुल उलट हैं। वह रोजाना वेट लिफ्टिंग और पावरलिफ्टिंग का अभ्यास करते हैं। अब तक दुनिया के मंच पर भारत का नाम बार-बार रोशन कर चुके हैं। भगवान बंसल ने साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने पांच स्वर्ण पदक जीतकर और दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। 5 से 9 नवंबर तक साउथ अफ्रीका के डरबन में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भगवान बंसल ने एक बार फिर अद्वितीय प्रदर्शन किया।

सेपक टाकरा लाए थे डॉ. सीरिया

यह खेल बरेली जिले में 1985 में आया। जिसका पूरा श्रेय स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है। यही प्रदेश में इस खेल के जनक हैं। उस समय मेरी उम्र 17 वर्ष थी। आज 57 साल के अंतराल में मैंने इस खेल में बहुत उतार चढ़ाव देखे। प्रदेश में सेपक टकरा लगभग 35 से 40 जिलों में खेला जाने लगा है। खेल के माध्यम से कई सरकारी नौकरियां मिलना, प्रदेश स्तरीय मान्यता और सभी सरकारी स्कूलों में इस खेल को खेला जाना ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। कई खिलाड़ी पोस्ट ऑफिस, इनकम टैक्स, पैरामिलिट्री फोर्स में इसी खेल के माध्यम से नौकरी कर रहे हैं।

खेल की स्थापना एसोसिएशन का गठन

उत्तर प्रदेश में सेपक टकरा खेल को संगठित रूप देने और इसे बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सेपक टकरा संघ की स्थापना 1986 में हुई थी।

संस्थापक : इस संघ की बुनियाद डॉ. एस. एम. सीरिया (Dr. S.M. Siriah) के मार्गदर्शन में रखी गई थी। उद्देश्य : इस संघ का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में इस खेल को जमीनी स्तर पर विकसित करना, विभिन्न जिलों में प्रचार-प्रसार करना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उत्तर प्रदेश से कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और कुछ ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, जैसे साउथ एशियन गेम्स और एशियन गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

हाल ही में हुई चैंपियनशिप

हाल ही में पुरुष व महिला इक्कीसवीं सीनियर सेपक टकरा चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। इससे पहले प्रथम प्रदेश स्तरीय चैंपियनशिप 1989 में बरेली कालेज के मैदान में खेली गई। इसमें भाग लेने वाले जिलों में लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, अमरोहा, पीलीभीत, बागपत, सीतापुर, बदायूं के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करके अपने जिले का नाम रोशन कर रहे हैं।

सेपक टकरा खेल की बुनियाद

सेपक टकरा एक प्राचीन और रोमांचक खेल है जिसे किक वॉलीबॉल भी कहा जाता है। यह खेल फुटबॉल और वॉलीबॉल का मिश्रण है, जिसमें खिलाड़ी बिना हाथ का उपयोग किए अपने पैर, सिर और शरीर का इस्तेमाल कर नेट के ऊपर से गेंद को विरोधी के पाले में गिराने की कोशिश करते हैं।

2000 में भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना

उत्तर प्रदेश में ही दो 2000 भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना साई सेन्टर बरेली में किया गया। इससे पहले सांई सेंटर बरेली बरेली कॉलेज में इस खेल का प्रशिक्षण चला रहा था। मगर यह खेल जो इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में लोकप्रियता और ऊँचाइयों को छू रहा है इसका पूरा श्रेय बरेली बरेली कॉलेज के पूर्व क्रीड़ा अधिकारी स्वर्गीय डॉ. एसएम सीरिया को जाता है जो हमारे उत्तर प्रदेश सेपकटाकरा के जनक और भीष्म पितामाह है।

बरेली में नेशनल से इंटरनेशनल स्तर के तैयार हो रहे खिलाड़ी

सिविल लाइंस स्थित पुरानी जेल के पास स्मार्ट सिटी के तहत 11.23 करोड़ की लागत से रायफल क्लब खिलाड़ियों के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर बनाया गया है। यहां यूपी ही नहीं बल्कि कई राज्यों से खिलाड़ी शूटिंग सीखने आते है। कोच का कहना है कि न्यूज रायफल क्लब शुरु हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन खिलाड़ी जिस तरह प्रतिभाग कर रहे है देखकर लगता है कि बरेली को नए कई नेशनल और इंटरनेशल खिलाड़ी मिलने वाले है। रायफल क्लब में खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधा देने के लिए नई बिल्डिंग का निर्माण शुरू किया गया। प्रस्ताव बनाकर भेजा गया, जो 2019 में पास हुआ। इसमें कमिश्नर, डीएम और नगर आयुक्त की महत्वपूर्ण भूमिका रही। न्यू राइफल क्लब को स्मार्ट सिटी ने बनाकर पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के सुपुर्द किया। क्लब में इलेक्ट्रॉनिक टारगेट सिस्टम, साउंडप्रूफ रेंज की सुविधा दी गई है। क्लब का उद्देश्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब के अधिकारियों ने बताया कि यह क्लब शहर के युवाओं में खेलों के प्रति रुचि जगाने के साथ-साथ उन्हें आत्मरक्षा, अनुशासन और फिटनेस की दिशा में प्रेरित करेगा। पैसिफिक इंटरप्राइजेज फर्म के मालिक आनंद विक्रम और नवल ने बताया कि क्लब में मेरठ, बनारस, राजस्थान समेत कई राज्यों और जनपदों से खिलाड़ी आते है।

इन खिलाड़ियों ने किया गोल्ड -सिल्वर पर कब्जा

यूपी स्टेट शार्ट गन प्रतियोगिता (12 बोर) जयपुर में 30 अगस्त से 7 सितंबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड, विराट नाथ चौबे ने दो सिल्वर, फुरखान अली ने सिल्वर, दानिश अहमद ने गोल्ड, सारा ने गोल्ड, मो हसन खां ने ब्रांच मेडल पर कब्जा किया था। वहीं नार्थ जोन की प्रतियोगिता दिल्ली में 25 अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर को हुई। इसमें मंतिशा फातमा ने गोल्ड और दानिश ने सिल्वर पर कब्जा किया।

आडियो-वीडियो से लेकर लॉकर तक की सुविधा

न्यू रायफल क्लब में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं का इंतजाम किया है। यहां मेडिकल रूप, आडियो-वीडियो, सीसीटीवी, बेसिक किट रखने के लिए लॉकर, जिम की सुविधा, दिव्यांगों के लिए लिफ्ट, कैफेटेरिया आदि सुविधाएं है। जिस कारण खिलाड़ियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

चाइना वार को देखते हुए खोले गए थे राइफल क्लब

राइफल क्लब के वरिष्ठ अधिकारी बताते है कि जब चाइना से युद्ध की संभावनाएं बन रही थी तब सेना को और मजबूत करने के लिए हर जिले में राइफल क्लब खोले गए थे। ताकि वक्त आने पर खिलाड़ी भारतीय सेना के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल सके। बरेली में राइफल क्लब की स्थापना 9 फरवरी 1962 में हुई थी।

50, 25 और 10 मीटर रेंज

खिलाड़ी सुविधाओं में अच्छा प्रदर्शन कर पाए इसके लिए स्मार्ट सिटी क्लब में खास इंतजाम किए है। फर्म के मालिक ने बताया कि यहां 10, 25 और 50 मीटर एयर पिस्टल की सुविधा है। यूपी में यह अकेली ऐसी रेंज है यहां सभी सुविधाएं है। खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जा रही है।

अमृत विचार

शनिवार, 22 नवंबर 2025

लोगों को हर तरह से सुंदर होना चाहिए- चेहरे में, पहनावे में, विचारों में और स्व अंतरतम में।
-एंटोन चैखव, रूसी लेखक

फिर नीतीश नेतृत्व

बिहार में बंपर बहुमत वाली ऐसी सरकार बनी है, जिसके मुख्यमंत्री के साथ दोनों उप मुख्यमंत्री और कतिपय मंत्री भी पुरानी ही सरकार से हैं। सत्ता का यह समीकरण परोक्षतः राजनीतिक स्थिरता का संदेश देता है, परंतु इसके पीछे जटिल सामरिक मजबूरियां छिपी हैं। युवा, ऊर्जावान चेहरे को आगे न लाने के पीछे यह तर्क दिया जा सकता है कि गठबंधन की राजनीति और जातीय-सामाजिक संतुलन की अनिवार्यता इसकी वजह बनी, लेकिन सही तो यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को रिपीट किए जाने का मतलब है कि भाजपा और जदयू- दोनों ही साझेदार अभी किसी नए चेहरे के प्रयोग का जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं।

सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा का अपना मुख्यमंत्री न देने का निर्णय रणनीतिक है। तत्काल नेतृत्व परिवर्तन से सामाजिक-राजनीतिक असंतुलन उत्पन्न होने का खतरा था, हालांकि नीतीश कुमार के 'अल्पकालिक मुख्यमंत्री' होने की चर्चा आम है। उनके स्वास्थ्य ने आशंका बढ़ाई है कि वे लंबी पारी नहीं खेलेंगे। राजनीतिक मजबूरियों के तहत उन्हें जिम्मेदारी तो मिली है, पर यह भी सच है कि भाजपा भविष्य में बिहार का नेतृत्व अपने हाथ में लेना चाहेगी। फिलहाल नीतीश उसके लिए एक 'ट्रांजिशनल फिगर' की तरह अधिक उपयोगी हैं। बिहार में पिछले डेढ़ दशक में सड़क, बिजली, कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सुधार हुआ है, परंतु बेरोजगारी, पलायन, उद्योग, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति धीमी रही। राज्य आज भी निवेश आकर्षित करने में पिछड़ा है। 50 लाख करोड़ बाहरी निवेश का वादा राजनीतिक जुमला है। सुरक्षा, कौशल, आधारभूत ढांचे और प्रशासनिक दक्षता सुधारे बिना यह लक्ष्य आशावादी से अधिक अव्यावहारिक प्रतीत होता है। नीतीश कुमार के लंबे शासनकाल की उपलब्धियां मिश्रित रही हैं। उन्होंने बुनियादी शासन-व्यवस्था को स्थिर बनाया, परंतु उद्यम, उद्योग, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों में बिहार अब भी देश के निचले पायदानों पर है। आने वाले दिनों में नई सरकार से उम्मीद रहेगी कि वह रोजगार, स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार, निवेश और उद्योग-संबंधी सुधारों पर गंभीरता से कार्य करे। कमजोर विपक्ष नयी सरकार के लिए फायदेमंद है। कम सवाल, कम निगरानी और बिना बाधा विधेयकों के पारित होने की सहूलियत, परंतु यह उतना ही खतरनाक भी है, क्योंकि जवाबदेही का दबाव घटने से शासन में ढिलाई की आशंका रहती है।

भाजपा और जदयू ने इस चुनाव में कई बड़े बड़े वादे किए हैं। बुनियादी ढांचा, रोजगार, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, निवेश, कौशल विकास, लेकिन इतिहास बताता है कि पिछली सरकार अपने अधिकाधिक वादों को पूरा नहीं कर पाई। इस कार्यकाल में वादों की पूर्ति की संभावना इसलिए कम है, क्योंकि गठबंधन की आंतरिक खींचतान और भविष्य की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पहले से ही दिखाई दे रही हैं। आने वाले वर्षों में भाजपा अधिक सीटों पर दावा ठोकने की तैयारी करेगी, जिससे सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ेगा। बिहार की जनता की अपेक्षाएं बहुत स्पष्ट हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन। प्रश्न है कि क्या यह रिपीट सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी?

प्रसंगवश

असमानता: 'बेटा', तुम बहुत अच्छा कर रही हो!

"बेटा, तुम बहुत अच्छा कर रही हो!" यह वाक्य हमारे समाज और शिक्षा व्यवस्था में लगभग हर दिन सुनाई देता है। बच्ची जब कोई अच्छा काम करती है, तो शिक्षक, अभिभावक या रिश्तेदार उसे प्रोत्साहित करते हुए अक्सर "बेटा" कहकर सराहते हैं। यह सुनने में सामान्य लगता है, क्योंकि हमारे सामाजिक परिवेश में 'बेटा' शब्द सफलता और उत्कृष्टता का मानक बन चुका है, लेकिन क्या कभी किसी लड़के से कहा गया है, "बेटी, तुम बहुत अच्छा कर रहे हो"? शायद कभी नहीं और यदि कहा भी गया हो, तो लोग इसे मजाक में टाल देते हैं। यही हमारी भाषा में गहरे छिपा हुआ लैंगिक असमानता है, जो सुनाई तो देता है, पर चुभता नहीं।

सत्य प्रकाश नायक
एक्टिविस्ट

भाषा और समाज का रिश्ता बहुत गहरा है। हमारी सोच, दृष्टि और संस्कारों को गढ़ने में भाषा की भूमिका निर्णायक होती है। हम जो बोलते हैं, वही हमारी मानसिकता और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है और वही बच्चों की सोच का हिस्सा बन जाता है। जब भाषा में असमानता छिपी होती है, तो वह बच्चों की आत्म-छवि और आत्मविश्वास को भी असमान बना देती है। बचपन में बच्चे अपने बारे में वही मानने लगते हैं, जो वे बार-बार सुनते हैं। यदि किसी बच्ची को सराहने के लिए भी 'बेटा' कहना जरूरी समझा जाता है, तो इसका संदेश यही है कि उत्कृष्टता, साहस या नेतृत्व लड़का होने के गुण हैं। इससे अनजाने में बच्ची को यह महसूस होने लगता है कि 'बेटी' होना पर्याप्त नहीं है। उसे मूल्यवान बनने के लिए 'बेटा' कहलाना होगा। दूसरी ओर लड़के को 'बेटी' कहकर सराहना लगभग असंभव है। यही भेद-भाव बच्चों की पहचान और आत्मविश्वास पर गहरा असर छोड़ता है। शब्द केवल वाक्य नहीं होते, वे धारणाएं गढ़ते हैं।

कक्षा में बैठी लड़कियां अनजाने ही इन वाक्यों से बाहर रह जाती हैं। यदि शिक्षक कहते 'कौन करेगा या करेगी?' तो भाषा में ही बराबरी की खिड़की खुल जाती। कुछ विद्यालयों में तो समूहों के नाम तक इस असमानता से प्रभावित होते हैं। कई स्कूलों में केवल पुरुष महापुरुषों गांधी, नेहरू, विवेकानंद, भगत सिंह के नाम पर समूह बनाए जाते हैं। प्रेरणादायक महिलाओं जैसे रानी लक्ष्मीबाई, रानी कमलापति, अवंतिबाई, कल्पना चावला, टेस्सी थॉमस, सुधा मूर्ति या अन्य महिला वैज्ञानिकों, खिलाड़ियों, लेखिकाओं के नाम शायद ही किसी को सूझते हों। जब बच्चों के सामने आदर्शों के रूप में केवल पुरुष चेहरे आते हैं, तो संदेश यह जाता है कि नेतृत्व और पराक्रम का चेहरा भी मात्र पुरुष ही है।

भाषा की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह संवाद का माध्यम होते हुए भी अनजाने ही जेंडर असमानता को ढोती रहती है। 'करेगा', 'लाएगा', 'नेता बना', 'मर्द बनो' जैसे वाक्य हमारे अवचेतन में पुरुष-प्रधान सोच को पुख्ता करते हैं। भाषा ऐसे विचारों को वैधता देती है, जिन्हें हम शायद सचेत रूप से नहीं मानते। पाठ्यपुस्तकों में भी इसी असमानता की झलक है। ज्यादातर उदाहरणों में 'रवि', 'सुमित', 'राजेश' विज्ञान प्रयोग करते, खेल जीतते या पुरस्कार पाते दिखते हैं, जबकि लड़कियों के हिस्से में 'रीना मां की मदद करती है' या 'सीमा गुड़िया से खेलती है', जैसे दृश्य आते हैं। इससे बच्चों के मन में यह धारणा मजबूत होती है कि सक्रियता और खोज लड़कों का क्षेत्र है, जबकि देखभाल और सहयोग लड़कियों का। रोजमर्रा की भाषा भी इस सोच को बढ़ाती है, 'लड़की होकर ऐसे बोलती है?', 'बेटी, घर का ध्यान रखो', 'बेटे, बाहर का काम तुम संभालो।' यहां शब्दों के जरिए भूमिकाएं बांट दी जाती हैं एक भीतर की, एक बाहर की।

एसआईआर पर विपक्ष खुद भी तो कुछ करे!

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

चुनाव आयोग पर आरोप है कि वह सत्ता पक्ष के लिए यूपी विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव की बिसात बिछा रहा है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं?

एसआईआर क्यों? इस सवाल का कोई मतलब नहीं। इस सवाल का भी कोई मतलब नहीं कि बिहार के बाद सिर्फ 12 राज्यों में ही एसआईआर क्यों? म्यांमार, जहां से सर्वाधिक रोहिंग्या घुसपैठ कर सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में विराजमान हैं, जैसा कि कहा जाता है, लेकिन म्यांमार के सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में एसआईआर की जरूरत चुनाव आयोग ने बिल्कुल नहीं महसूस की। यह तय है कि विपक्ष कितना भी चिल्ल-पों कर ले, यूपी में 2027 का विधानसभा चुनाव और 2029 में लोकसभा चुनाव एसआईआर के जरिए परिवर्तित वोटर लिस्ट से ही होना है।

एसआईआर की विसंगतियां कई हैं। जैसे- बीएलओ, जिन्हें एसआईआर फार्म घर घर पहुंचाने की जिम्मेदारी है, वह लगभग नहीं हो रहा है। जागरूक लोगों को बीएलओ को ढूंढकर एसआईआर फार्म लेना पड़ रहा है। राजस्थान से लेकर यूपी में ऐसे हजारों उदाहरण मौजूद हैं। यूपी के एक भाजपा विधायक के वायरल वीडियो पर यकीन करें, तो वह अपने लोगों से बहुत साफ शब्दों में कह रहे हैं कि विपक्षी वोटरों के नाम उड़ा दिए जाएं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ बड़ा आंदोलन चलाया, लेकिन क्या हुआ? किसने सुनी उनकी बात? उलटे 272 पूर्व जज और नौकरशाहों ने राहुल के खिलाफ चिट्ठी लिखकर विरोध जताया कि वे चुनाव आयोग जैसी 'पवित्र' संस्था को बदनाम कर रहे हैं। इन नौकरशाहों को ब्राजील की माडल का भारतीय वोटर लिस्ट में शामिल होकर कई जगहों पर मतदान करना गलत नहीं लगा और बिहार में बीच चुनाव सरकारी खजाने से लाखों महिलाओं को दस-दस हजार की इमदाद भी अचंभित नहीं किया।

जब दो पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त, मौजूदा चुनाव आयोग को दिशाहीन बता रहे हैं, तब लोकसभा में बहुमत के आंकड़े के बराबर 272 पूर्व नौकरशाहों का राहुल के खिलाफ खुलकर आना हैरान करने वाला है। तो क्या पूर्व नौकरशाहों के खुला विरोध को राहुल के खिलाफ 'महाभियोग' माना जाए?

इधर चुनाव आयोग एसआईआ करा रहा है और उधर विपक्ष बैठकें करने में व्यस्त है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है, तब विपक्ष के लोग कहां हैं? बात केवल यूपी की करें, तो यहां आरोप लग रहे हैं कि एसआईआर एक पक्षीय चल रहा है। यह सब आसानी से होने क्यों दिया जा रहा है? सरकारी अमला तो सरकार के लोग होते हैं, वे वही करेंगे जो सरकार चाहेगी और यह आज की बात नहीं है। पहले भी सरकारें ऐसे ही करती रही हैं, लेकिन सत्ता में विराजमान राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं के समतुल्य विपक्षी दलों के लोग ऐसा क्यों नहीं कर पाते?

यूपी में प्रमुख विपक्षी दल सपा है। आगामी विधानसभा चुनाव में इसे सत्ता के लिए जंग करनी है, लेकिन ये पार्टी भी पूरे यूपी में कुछ जगहों को छोड़कर एसआईआर को लेकर शायद ही कहीं और दिख रही हो। हां, वाट्सऐप पर इनके ज्ञान की भरमार है। वे जानते हैं कि उनके कोर वोटर कौन हैं और इन्हीं वोटरों को सहेजने में वे विफल हो रहे हैं।

दूसरी पार्टी कांग्रेस है। यूपी के लिए फिलहाल इसकी बात ही क्या करना। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही में उसकी दिल्ली में हाई लेवल की बैठक हुई। इस बैठक में जो भी निर्णय लिए गए हों, उसका धरातल पर उतरना आसान नहीं है। यूपी में कांग्रेस के अभी छः सांसद हैं। सपा के साथ मिलकर 17 सीटों पर लड़ी थी। हारी हुई सीटों पर भी कांग्रेस की स्थिति सम्मानजनक थी। विधानसभा में कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक हैं। एसआईआर को लेकर ये दो विधायक कितना कुछ कर पाएंगे, बताने की जरूरत नहीं। यहां संगठन भी हवा-हवाई है।

जिला कमेटी को छोड़ दीजिए बाकी ब्लाक स्तर की कमेटियां कहने भर को हैं। प्रदेश भर में एसआईआर को लेकर इक्का-दुक्का जिला अध्यक्ष ही सक्रिय हैं। बाकी सब के सब सुषुप्तावस्था में हैं। न्याय पंचायत और बूथ स्तर पर इनका कुछ नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यवस्था दी है कि सरकारी बीएलओ के अलावा राजनीतिक पार्टियां अपना बीएलओ भी नियुक्त कर सकती हैं, ताकि चुनाव आयोग पर वोट काटने और जोड़ने की तोहमत न लगे। कांग्रेस इसमें भी सुस्त है। एसआईआर को लेकर विपक्ष के लापरवाह व सुस्ती का फायदा सत्ता पक्ष के कार्यकर्ता खूब उठा रहे हैं। विपक्ष को सक्रिय होने से किसने रोका है? विपक्ष यह समझने की भूल कर रहा है कि यह सामान्य एसआईआर नहीं है। इस एसआईआर का 'मूल सिद्धांत' ही कुछ और है।

बिहार चुनाव में बुरी तरह पराजित कांग्रेस इस खुशफहमी में हो सकती है कि वहां सर्वाधिक 65 लाख वोटर आउट किए जाने के बाद भी उसे औसतन करीब 71 हजार वोट प्रति विधानसभा सीट हासिल हुए। वह भी तब जब ओवैसी से लेकर बसपा, जन सुराज, आम आदमी पार्टी सहित अन्य छोटी पार्टियां महागठबंधन को ही नुकसान पहुंचाने के लिए चुनाव मैदान में थीं। आखिर ये पार्टियां तो यूपी विधानसभा चुनाव में भी होंगी और लोकसभा चुनाव में भी। आखिर इनसे सिसायीस तौर पर निपटने का प्लान कांग्रेस के पास क्या है?

दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी से सवाल किया कि बिना संगठन के हम क्या करें? धरातल पर कोई संगठन ही नहीं है। बैठक में निस्संदेह और लोगों ने भी ऐसा ही महसूस किया होगा। कांग्रेस वर्किंग कमिटी के सदस्यों पर गौर करें, तो वह पूरा का पूरा दक्षिण भारतीयों के कब्जे में है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी में करीब दो सौ सदस्य दक्षिण भारत से ही हैं। इसके अलावा ढेर सारे ऐसे लोग हैं, जो या तो भाजपा नेताओं से गलबहियां करते घूम रहे हैं या फिर बिना धरातल पर झांके कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता में वापसी का ख्वाब दिखा रहे।

आमने

अमीर घर में पैदा हुए राहुल गांधी को धरातल की जानकारी नहीं है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी देखी है, प्रधानमंत्री मोदी गरीब जनता का दुख-दर्द समझते हैं।

-पंडित मोहन लाल बड़ौली
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
हरियाणा

सामने

अपने प्राइम मिनिस्टर को खुश करने की बात है। न राहुल गांधी का वह मुकाबला कर सकते हैं। जिस तरह से राहुल जी आम लोगों के साथ मिलते-जुलते हैं। लोगों के बीच में जाते हैं। माननीय प्रधानमंत्री तो कभी ऐसे नजर ही नहीं आए।

-कुमारी शैलजा
कांग्रेस सांसद

भारत: यूएन में स्थायी सदस्य का बढ़ा समर्थन

अमित नारायण
कानपुर

अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थक तो रहा है, लेकिन उसने कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले। उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक ही रहेगा।

1.40 अरब की आबादी वाले भारत को वीटो पॉवर के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थायी सदस्य बनाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। रूस और ब्रिटेन के बाद अब फ्रांस ने भी खुलकर भारत को वीटो पॉवर की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाने की मांग संयुक्त राष्ट्र संघ रिफॉर्म डिबेट में उठा दी है। इस बैठक में चीन ने भारत का विरोध न करके यह संकेत दे दिया है कि वह अब भारत के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसने खुलकर समर्थन नहीं किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति का ही असर है कि पहली बार चीन ने भारत का विरोध नहीं किया है। इससे यह उम्मीद की जा सकती है कि अब भारत की राह में कोई रोड़ा नहीं रह गया है, हालांकि चीन ने जापान के नाम का खुलकर विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को स्थायी सदस्यता हासिल है। इन देशों के पास वीटो का अधिकार है, जबकि अस्थायी सदस्य दो-दो साल के लिए चुने जाते हैं। उनका चुनाव क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखकर किया जाता है।

परिषद की स्थापना को 80 साल हो चुके हैं। भारत समेत दुनिया के कई देश चाहते हैं कि इसके स्ट्रक्चर में बदलाव किया जाए और भारत समेत कुछ और देशों को वीटो की शक्ति के साथ स्थायी सदस्य बनाया जाए, लेकिन स्थायी सदस्य नहीं चाहते कि उनके बराबर कोई और देश खड़ा हो, इसलिए वे भारत को स्थायी सदस्य बनाना तो चाहते हैं, पर वीटो की शक्ति नहीं देना चाहते। चीन तो अब तक भारत के विरोध में ही रहा है। जब भी भारत का नाम आया, उसने पाकिस्तान को भी स्थायी सदस्य बनाने की मांग रखकर अड़ंगा लगाया, लेकिन ब्रिटेन और रूस के बाद अब फ्रांस का भारत को स्थायी सदस्य बनाने के साथ ही वीटो की शक्ति देने की मांग उठाना भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है।

भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके, इसके लिए जरूरी है कि उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाए। स्थायी सदस्य बनने का मतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में भारत का योगदान और बढ़ जाएगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रक्चर में बदलाव को लेकर चर्चा हो रही है। अगर इसमें सहमति बनती है, तो भारत स्थायी सदस्य बन जाएगा, वह भी वीटो पॉवर के साथ। फ्रांस ने कहा है कि वीटो पॉवर के साथ भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए। भारत जनसंख्या के मामले में दुनिया का पहला सबसे बड़ा देश है। भारत का रुख साफ है। वह दो अफ्रीकी देशों को स्थायी सदस्यता दिलाना चाहते हैं। भारत के अलावा ब्राजील, जर्मनी और जापान को भी एक-एक सीट मिलनी चाहिए, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इन देशों की जिम्मेदारियां हैं।

चीन के स्थायी दूत ने बैठक में भारत का विरोध नहीं किया है, जो उसके भारत के प्रति बदलते नजरिए को दिखाता है। चीन ने सिर्फ जापान का विरोध किया और कहा कि जापान जिस तरीके से ताइवान के मुद्दे पर मुखर है, उससे यह साबित होता है कि जापान यूएन की स्थायी सदस्यता मांगने का कोई अधिकार नहीं रखता है। यदि जापान को स्थायी सदस्यता देने की कोशिश की गई, तो हम इसका खुलकर विरोध करेंगे। चीन के रुख से अब उम्मीद है कि भारत आसानी से स्थायी सदस्य बन जाएगा। हां, अमेरिका को भी इसके लिए तैयार करना होगा कि वह भी भारत को वीटो की शक्ति देने के लिए तैयार हो। उसे मनाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम तो करेगी ही, फ्रांस और ब्रिटेन भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन के लिए तैयार कर लेंगे, हालांकि अमेरिका भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का प्रबल समर्थक रहा है, लेकिन उसने भी कभी नहीं चाहा कि भारत को वीटो मिले, लेकिन उम्मीद है कि उसका रुख भी अब सकारात्मक रहेगा।

चीन की टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका से छिड़ी रार के बाद वह भारत के समर्थन में कई मुद्दों पर खुलकर आगे आया है। पाकिस्तान की अमेरिका से बढ़ती नजदीकी से चीन नाराज है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसने पाकिस्तान का पर्दे के पीछे से साथ दिया था, लेकिन अचानक अमेरिका के पाले में पाकिस्तान के जाने से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी सकते में हैं। पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका कई बड़े मिनरल्स का खनन करने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि वह पाकिस्तान में अपना सैन्य बेस भी बना सकता है। यदि ऐसा होता है तो चीन के लिए यह शुभ संकेत नहीं होगा। यही वजह है कि अब चीनी नेतृत्व धीरे-धीरे भारत के करीब आ रहा है और पाकिस्तान की नीतियों का समर्थन करने से बच रहा है।

सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए उसके चार्टर में संसोधन करना होगा। भारत को सभी स्थायी सदस्यों का समर्थन लेने के साथ ही जनरल असेंबली में दो तिहाई सदस्यों का समर्थन प्राप्त करना होगा। फिलहाल परिषद में 193 देश सदस्य के रूप में हैं। इनमें से 145 देशों का समर्थन हर हाल में भारत को चाहिए। वैसे तुर्किए, पाकिस्तान, अजरबैजान को छोड़ दें, तो शायद ही कोई देश भारत के विरुद्ध खड़ा हो। हालांकि अजरबैजान के रुख में भी परिवर्तन आया है। वह भारत से धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

सोशल फोरम

एक कामयाब इनसान की नाकाम दास्तान

यह व्यक्ति 1809 में जन्मा था। 1816 में, 7 साल की उम्र में, उसे काम करने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि उसका परिवार बेदखल किया जा रहा था। 1818 में, उसने अपनी मां को खो दिया। 1828 में, उसने अपनी बहन को खो दिया। 1831 में, उसने अपना पहला व्यवसाय शुरू किया और दिवालिया हो गया। 1832 में, उसने विधानसभा के चुनाव में हिस्सा लिया और हार गया।

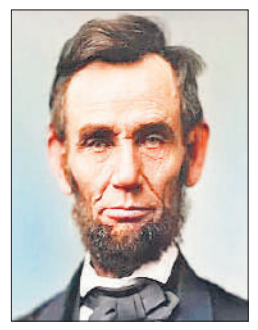

संजीव कुमार
शिक्षक

1833 में, उसने एक और व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे उधार लिए और फिर से दिवालिया हो गया। 1835 में, उसे एक अद्भुत महिला से प्रेम हुआ। वे दोनों सगाई करते हैं और वह महिला मर जाती है। 1836 में, वह अपने जीवन के अत्यंत अंधेरे दौर से गुजरा और गहरे अवसाद में चला गया। वह लगातार 6 महीने बिस्तर से उठा ही नहीं, लेकिन फिर वह उठा।

वह उठा और उसी साल 1836 में उसने फिर से विधानसभा के चुनाव लड़े और फिर हार गया। 1840 में, उसने चुनाव लड़ा और हार गया। 1842 में, वह उस महिला से मिला, जिसके साथ वह बूढ़ा होगा- उसकी पत्नी। वे प्रेम में पड़े, सगाई की, शादी की और उसने उसे चार बच्चे दिए, जिनमें से तीन को वे खो बैठे। 1843 में, उसने कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और हार गया। 1845 में, उसने फिर से कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया।

1850 में, बेटा मर गया। 1854 में, उसने सीनेट का चुनाव लड़ा और हार गया। 1856 में, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ा और सौ वोट भी हासिल नहीं कर सका। 1858 में, उसने फिर सीनेट के लिए चुनाव लड़ा और फिर हार गया और 1860 में, अब्राहम लिंकन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए और उन्होंने दो अद्वितीय कार्यकाल पूरे किए, जिन्होंने उन्हें अमेरिकी इतिहास के सबसे सम्मानित राष्ट्रपतियों में से एक बना दिया।

हम केवल नायक को देखते हैं, लेकिन सफलता के पर्दे के पीछे की कठिनाइयां नहीं देखते। -फेसबुक वाल से

सामयिकी

हर दसवां भारतीय मधुमेह का शिकार

हाल ही में जारी अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (आईडीएफ) की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में 589 मिलियन वयस्क मधुमेह से पीड़ित हैं, जबकि 252 मिलियन लोग इस बात से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं कि वे इस बीमारी की गिरफ्त में हैं। वहीं भारत में भी हर दसवां वयस्क डायबिटीज का रोगी है। ऐसे में मधुमेह यानी डायबिटीज अब केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि एक मौन महामारी बन चुकी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि स्थिति पर तुरंत नियंत्रण नहीं पाया गया, तो 2050 तक भारत में मधुमेह रोगियों की संख्या 15.7 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती होगी।

आईडीएफ की रिपोर्ट के अनुसार, वयस्कों में मधुमेह की दर 11.1 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। मधुमेह केवल शुगर की समस्या नहीं, बल्कि यह शरीर के अन्य अंगों हृदय, किडनी, आंखों और मस्तिष्क पर गहरा असर डालती है। दुनिया के साथ भारत में भी स्थिति चिंताजनक है। देश में फिलहाल लगभग 89 मिलियन लोग डायबिटीज से जूझ रहे हैं, जबकि 50 फीसदी लोग ऐसे हैं, जिन्हें ये तक नहीं पता कि वे डायबिटीज से ग्रसित हैं।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

यह आंकड़ा तब और भयावह लगता है, जब यह जानने को मिलता है कि यह रोग अब बड़ों के साथ बच्चों और किशोरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में मधुमेह संबंधी स्वास्थ्य व्यय पहली बार एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से पार गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह जीवन भर साथ रहने वाली बीमारी है। एक बार इसकी चपेट में आने के बाद इसे नियंत्रित करना ही एकमात्र उपाय रह जाता है।

देश के कई राज्यों में हालात बेहतर नहीं हैं। गोवा में डायबिटीज की दर 26.4 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक है। पुडुचेरी 26.3 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल 25.5 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। राजस्थान में इस वर्ष के अंत तक मधुमेह रोगियों की संख्या दस लाख तक पहुंचने का अनुमान है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में मधुमेह का प्रसार लगभग 10 प्रतिशत है, जबकि सिर्फ पिछले दस महीनों में छह लाख नए मामले सामने आए हैं। यह इस बात का संकेत है कि बीमारी कितनी तेजी से पैर पसार रही है।

उत्तर प्रदेश में यह दर 4.8 प्रतिशत है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में अब इस बीमारी की दर में कोई खास अंतर नहीं बचा है। यह धारणा पूरी तरह टूट चुकी है कि मधुमेह केवल शहरी जीवनशैली की देन है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, देश के केवल सात प्रतिशत मरीज अपनी बीमारी को लेकर गंभीर हैं और इसे नियंत्रण में रखने के लिए सभी चिकित्सकीय सलाहों का पालन करते हैं। बाकी 93 प्रतिशत मरीज या तो अपनी बीमारी को हल्के में लेते हैं या उसकी गंभीरता से अनजान रहते हैं। यही लापरवाही आगे चलकर गंभीर जटिलताओं को जन्म देती है।

मधुमेह के साथ हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक और किडनी फेल्योर जैसी समस्याएं जुड़ी रहती हैं। इस बीमारी से पीड़ित लोगों में साइलेंट हार्ट अटैक का खतरा कई गुना अधिक होता है। अनुसंधान बताते हैं कि जो व्यक्ति मधुमेह से मुक्त हैं, उनमें दिल का पहला दौरा पड़ने पर मरने की संभावना 20 प्रतिशत होती है, जबकि मधुमेह रोगियों में यह संभावना 80 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। अब मधुमेह केवल बुजुर्गों या मध्यम आयु वर्ग तक सीमित नहीं रहा। यह युवाओं और किशोरों तक पहुंच चुका है। 12 से 13 वर्ष के बच्चों में टाइप-2 डायबिटीज के मामले सामने आना बेहद चिंताजनक है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

जीवन में संस्कारों से होती है व्यक्ति की पहचान

जीवन में अच्छे संस्कारों से अच्छे इंसान की पहचान की जाती है। दूसरी ओर हम यह कह सकते हैं कि अच्छे संस्कार बेहतर जीवन की नींव होते हैं। मानव जीवन में सबसे पहले दृश्य होने वाले भाव उसके संस्कार ही होते हैं। सरल शब्दों में कहें, तो संस्कार बिन मनुष्य पशु समान है। अच्छे बुरे का भेद हमें संस्कारों से ही पता चलता है। बच्चे जो कुछ भी सीखते हैं वे सब संस्कारों की श्रेणी में फलता फूलता है। अच्छे संस्कार बेहतर कल का निर्माण करने में सहायक होते हैं। वास्तविकता पर प्रकाश डाला जाए, तो हमें ज्ञात होगा कि हमारे हर एक कार्य पर संस्कारों की छवि झलकती है। फिर चाहे वह कार्य छोटा हो या बड़ा, हमारा हर आचरण हमारे संस्कारों को ही दर्शाता है। भला ऐसे कौन से माता–पिता होंगे, जो अपने बच्चों को अच्छे संस्कारों से हीन देखना चाहते होंगे?

शिवालिक अवस्थी
लेखक

बचपन से ही दें अच्छी परवरिश

हम बात तो यहां अच्छे संस्कारों की कर रहे हैं, लेकिन बचपन से ही अच्छे संस्कारों का समावेश कैसे किया जाए यह बात ध्यान देने योग्य है। आईए इस पर थोड़ा प्रकाश डालते हैं। बच्चों में अच्छे संस्कारों का सृजन माता-पिता द्वारा जीवन के शुरुआती दौर में ही कर देना चाहिए। बढ़ती उम्र के साथ बच्चों को हर एक संस्कार से रूबरू करवाना माता-पिता का कर्तव्य समझा जाता है। हर कार्य को सही ढंग से पूर्ण करना चाहिए, जिसके लिए बच्चों को अच्छे-बुरे की पहचान होना अनिवार्य हो जाता है। कौन सा कार्य अच्छा है और कौन सा कार्य बुरा है यह संस्कारों के अधीन ही समझा जाता है। सुबह उठते ही बच्चों द्वारा अपना बिस्तर समेटना, उनके संस्कार को दर्शाता है। दिनचर्या के कार्यों को सही ढंग से पूर्ण करना, संस्कारों की श्रेणी में आता है। भोजन कैसे ग्रहण किया जाता है यह भी संस्कारों में शामिल किया गया है।

अच्छे संस्कारों के कारण बच्चे अपने रोजमर्रा के कार्यों को सफलतापूर्वक करने में सक्षम बन जाते हैं। सही ढंग से भोजन ग्रहण करना सीख जाते हैं। बेहतर संस्कारों के कारण ही बच्चे, बड़ों का आदर सम्मान करना सीख जाते हैं। बच्चों को अच्छाई-बुराई का बोध भी अच्छे संस्कारों के कारण ही होता है। कौन सा कार्य करना उचित है और कौन सा अनुचित यह बच्चों को संस्कारों के ग्रहण करने से ज्ञात हो जाता है। आज के इस युग में कई जगह देखा जाता है कि बच्चों के जीवन से संस्कार लुप्त होते जा रहे हैं, जिस कारण बच्चों द्वारा कार्य करने के तरीके भी बदल चुके हैं। अब बच्चे बिना मोबाइल के भोजन तक ग्रहण नहीं करते हैं, जो सरासर गलत है। नतीजन भोजन पाचन क्रिया में कठिनता नजर आने लगी है। कई बच्चे तो एक ओर टीवी अथवा मोबाइल को देखने के लिए लेटे होते हैं, तो दूसरी ओर वह भोजन भी ग्रहण कर रहे होते हैं। अब इस क्रिया में बच्चों का पेट कैसे भरेगा और भोजन कैसे पचेगा यह समझ से परे है। नतीजन मोटापे या कुपोषण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी ओर बच्चों में यदि संस्कार अच्छे होंगे, तो बच्चे भी बड़े-बुजुर्गों के साथ बैठकर आराम से भोजन ग्रहण करेंगे, जो जीवन में अति आवश्यक भी है। आजकल ज्यादातर बच्चों ने अपने से बड़ों के पांव छूकर आशीर्वाद लेने का महत्व भी खो दिया है। बच्चों को चाहिए कि वे रोज सुबह उठकर अपने माता-पिता के पांव छूकर स्कूल जाएं। स्कूल में अपने गुरुजनों का आशीर्वाद लिया जाए। अथवा घर में कोई मेहमान आए, तो उसके भी पांव छूकर आशीर्वाद लिया जाए। यह क्रियाएं नैतिक संस्कारों की श्रेणी में आती हैं, जिनका प्रभाव जीवन भर रहता है। जीवन में स्वछता को अपनाना भी संस्कार माना गया है। इसलिए बच्चों को स्वछता का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्वछता के अलावा सुबह जल्दी उठना, रात को जल्दी सोना भी बच्चों के विशेष संस्कारों में सम्मिलित होना चाहिए। स्कूल की बात करें, तो बच्चों को अपने गुरुजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए। अपने गुरु के कहे शब्दों को ध्यानपूर्वक ग्रहण करना चाहिए। स्कूल के नियमों का पालन करना चाहिए और नियमों का पालन वही विद्यार्थी कर सकता है, जिसके भीतर संस्कारों का बीज अंकुरित किया जा चुका हो।

मोबाइल से बच्चों को दूर रखें

आज के समय में बच्चों में संस्कार मानो लुप्त होते जा रहे हैं। बच्चे चिड़चिड़ेपन का शिकार होते जा रहे हैं। बच्चे घर में आए मेहमानों से मिलने को कतराते हैं। अकेलेपन को ज्यादा पसंद करने लगे हैं। मोबाइल से ज्यादा लगाव लगाकर बैठे हैं। मानो बच्चों ने अपना बचपन ही बेच दिया हो। दुनिया की इस चकाचौंध में बच्चे अपना बचपन खो बैठे हैं। अब जरूरत है, तो बच्चों के खोए हुए बचपन को लौटाने की, जिसमें संस्कार अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों में ऐसे संस्कार निहित होने चाहिए, जिनसे वह जीवन का मूल मकसद समझ सकें। माता-पिता और गुरु यह तीन ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जो बच्चों में संस्कारों का निर्माण करने में सक्षम होते हैं। बच्चों के जीवन की नींव इन्हीं तीन स्तंभों पर टिकी होती है। बाहर हर बच्चा अक्सर वैसा ही व्यवहार करता है जैसा वह घर के वातावरण से सीखता है, इसलिए विशेष रूप से माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों में संस्कारों की ऐसी पैदावार करें, जो जीवनपर्यंत बच्चों के लिए फलदायक साबित हो।

...फिर जिले में कभी तैनाती नहीं ली

आपबीती

बात है वर्ष 1986 की, जिला बुलंदशहर में सीओ अनूप की तैनाती के तीन महीने में कप्तान साहब ने मेरे कार्यक्षेत्र के पांच थानों में फेरबदल करते हुए दो छोटे थाने हटाकर दो बड़े थाने पकड़ा दिए। अब अलीगढ़ सीमा से मुरादाबाद (अब अमरोहा जिला) सीमा तक गंगा किनारे का बड़ा इलाका पुलिसिंग के लिए मिल गया। नए मिले थानों के बारे में ब्रीफ किया गया कि साल के शुरुआती ढाई महीने में ही डकैती के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं और मेरे इलाके में अपराध कमोबेश कंट्रोल में है। नए लड़के हैं, जाकर इस इलाके में कंट्रोल कीजिए। उसी शाम एक कोतवाली पर पंहुचकर उपनिरीक्षकों से अपराध के बारे में चर्चा की। इंस्पेक्टर को क्राइम कंट्रोल मे विफल रहने के कारण हरिद्वार कुंभ मेला ड्यूटी भेज दिया गया था। बचे थाना पर तीन–चार नए और तीन पुराने दारोगा।

पुरानों दारोगाओं में सीनियर इंचार्ज पी. पी. सिंह शांत स्वभाव के और दिनभर मेहनत करने वाले अफसर थे। दूसरे यादव जी थे, लिखा-पढ़ी में इतने माहिर कि तफ्तीश में कोई भी नतीजा लिख दें, उसमें कमी निकाल पाना आसान नहीं होता था। तीसरे खुर्शीद गौहर-50 से ऊपर की उम्र में सुंदर व शालीन व्यक्तित्व के मालिक, उतनी ही नफासत भरी बातचीत, मानो पश्चिमी उप्र में लखनऊ उतर आया हो। सेवा में नए होने के कारण पूरी गंभीरता से डकैतियों की रोकथाम की कार्ययोजना के बारे में पूछने पर जनाब खुर्शीद गौहर साहब ने लखनवी अंदाज में फरमाया- 'हुजूर! अब आप का हुक्म है, तो नहीं पड़ेंगी।' मेरी जिज्ञासा पर उन्होंने बतलाया- 'साहब! मेहनत से गश्त की जाएगी। मुखबिरान मामूर (सक्रिय) किए जाएंगे। माशाल्लाह! आप भी जवान हैं, रात भर इलाके में घूमते ही रहते हैं। डकैती की क्या मजाल, जो पड़ जाएगी।'

इसके बाद अगले दो-ढाई महीनों तक उन नए थानों में डकैती तो दूर, चोरी-नकबजनी पर भी मानो ब्रेक सा लग गया। मासिक क्राइम मीटिंग में कप्तान साहब जब कहते कि नया लड़का है, कैसे क्राइम कंट्रोल कर रखा है, तो सीना खुद-ब-खुद चौड़ा हो जाता। इस बीच मंडल के डीआईजी साहब भी शाबासी दे गए। कुछ ही दिन बाद उसी थाना क्षेत्र के एक उभरते युवा नेता अपने शस्त्र लाइसेंस के प्रार्थना पत्र पर संस्तुति कराने के सिलसिले में मिलने आए। मैं खाली बैठा था, सो बातचीत का सिलसिला निकल पड़ा। बातों-बातों में नेताजी ने उक्त थाने के कामकाज की तारीफ करते हुए जो कहा, उसने मेरे पैरों तले से जमीन हिला दी। उन्हीं के शब्दों में-'साब, जबसे आपने हमारे थाने को संभाला है, पुलिस इतनी मेहनत कर रही है कि पूछिऐ मत। पहले तो रात में निकलता ही नहीं था कोई। अभी हाल में फलाने गांव मे डाका पड़ा, इतनी मेहनत करी पुलिस ने और पिछले महीने ढिमके गांव में डकैती पड़ी, साब, कितनी मेहनत की पुलिस वालों ने। गजब का सुधार हुआ है, आप के आने से...' अब मुझे काटो तो खून नहीं। उन्हें विदाकर अपने बुजुर्ग पेशकार ओमप्रकाश सिंह तोमर को बुलाकर नेताजी की तारीफ के बारे में बतलाते हुए चिंता व्यक्त की। पेशकार बहुत अनुभवी थे। उन्होंने कहा कि कोई शिकायत तो नहीं आई है सर। ऊपर के अफसर भी कहां चाहते हैं कि क्राइम बढ़े। जब कोई शिकायत आएगी, तब कार्रवाई कर दीजिएगा।

मुझे परेशानी से उबरता न देखकर पेशकार साहब ने विभाग का रहस्य बतलाया कि सरकार से थानेदार तक कोई नहीं चाहता कि अपराध बढ़ता दिखाई दे। सब आंकड़ों का खेल है। अपराध के आंकड़े बढ़ने पर विपक्ष सरकार को घेर लेती है और सरकार अफसरों को। थानेदार लूट-डकैती नहीं लिखता है। अफसरों की नौकरी बचाने के लिए और चोरी-नकबजनी नहीं लिखता है, अपनी थानेदारी बचाने के लिए, लेकिन सच यह है कि डकैती न लिखने पर भी मौके पर सारी कार्रवाई का दिखावा करना पड़ता है, अपराधी भी पकड़े जाते हैं, बस उन्हें डकैती के बजाय डकैती की योजना बनाते हुए पुलिस मुठभेड़ में तमंचा आदि के साथ पकड़कर बंद कर दिया जाता है। फिर उनकी पिटाई कर इतनी दहशत भर दी जाती है कि वह महीनों जमानत नहीं कराते। अभी जो बदमाश मुठभेड़ में मारे गए हैं, वह सभी शातिर लुटेरे हैं। बाकी क्राइम कंट्रोल मिमिमाइजेशन (अपराध को हल्के धाराओं में दर्ज करना) और कंसीलमेंट (अपराध को बिल्कुल न लिखना) पर ही चल रहा है पूरे सूबे में। इसके बाद मेरे ज्ञान चक्षु खुल गए और मैंने कभी जिला पुलिस में तैनाती के लिए कोशिश नहीं की और नौकरी का बड़ा हिस्सा इंटेलिजेंस, विजिलेंस और सुरक्षा में बिताकर आज से साढ़े आठ साल पहले रिटायर हो गया।

-अरुण गुप्ता
पूर्व आईपीएस, उप्र

लव बर्ड्स

वो दोस्त जो जीवनसाथी बन गया

दोस्ती-एक ऐसा रिश्ता जो धीरे-धीरे जीवन की सबसे मजबूत नींव बन जाता है। कुछ ऐसा ही मेरे साथ भी हुआ। मुझे आज भी याद है, 2009 की बात है, जब मैं केमिस्ट्री की कोचिंग कर रही थी। हमारी क्लास में एक लड़का था, हमेशा शांत, विनम्र और पढ़ाई में अव्वल। वहीं मैं स्वभाव से काफी चंचल थी। हमारी कोचिंग के दिनों में हम दोनों के बीच लगभग कोई बातचीत नहीं होती थी। कोचिंग पूरी होने के बाद मैं बीएससी करने चली गई और वह भी अपनी पढ़ाई में व्यस्त हो गया। अचानक एक दिन हमारी मुलाकात हुई और वहीं से हमारी दोस्ती की शुरुआत हुई। समय के साथ यह दोस्ती गहरी होती गई और हम अपनी छोटी-बड़ी सभी बातें एक-दूसरे से साझा करने लगे।

इसी दौरान मेरी बड़ी बहन, जिन्हें ब्रेन ट्यूमर था, उनका ऑपरेशन दिल्ली के एम्स में होना था। उस समय मेरे साथ केवल दो बहनें थीं-एक जो बीमार थीं और दूसरी जो मेरा सहारा बनी हुई थीं। वहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी हमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह बात मैं अक्सर अपने दोस्त से साझा करती थी। शायद उसे महसूस हुआ कि हम वहां अकेले संघर्ष कर रहे हैं, इसलिए उसने अपने घर पर झूठ बोलकर दिल्ली पहुंचने का फैसला कर लिया। दिल्ली पहुंचकर उसने मेरी बड़ी बहन के साथ मिलकर सारा काम संभाल लिया। ऑपरेशन सफल रहा और मेरी बहन पूरी तरह ठीक हो गई। इस घटना के बाद हमारी दोस्ती और मजबूत हो गई। वह मेरे घर आने-जाने लगा और देखते ही देखते हमारे परिवार का एक अभिन्न हिस्सा बन गया। इसी बीच मेरे शादी के रिश्तों की बातचीत भी चल रही थी। घर में पापा की सबसे छोटी और सबकी लाडली होने के कारण सभी मेरे लिए बेहतर से बेहतर रिश्ता ढूंढने में लगे थे। लेकिन मेरे मन में लगातार एक डर था कि कहीं मेरा विवाह ऐसी जगह न हो जाए जहां मैं अपनी तरह से जीवन न जी सकूं। कई रिश्ते आते-जाते रहे, और मैं लगातार उलझन में डूबी रही। एक दिन, इसी उधेड़बुन में, मैंने अपने दोस्त से पूछा-"अगर तुम्हारे जीवन में कोई और नहीं है। तो क्या तुम मुझसे शादी करोगे?"

वह कुछ क्षणों के लिए सक्त रह गया। फिर बोला- "मुझे थोड़ा समय दो मैंने कभी इस बारे में सोचा ही नहीं।" मैंने उसका उत्तर पाने के लिए इंतजार किया। मगर हमारे बीच एक बड़ी बाधा थी-जाति। वह ठाकुर था और मैं कायस्थ। कई उतार-चढ़ाव आए, कई बार स्थितियां मुश्किल हुईं, लेकिन अंततः हमने हिम्मत दिखाई। मैंने अपने परिवार को और उसने अपने परिवार को इस रिश्ते के लिए मनाया। लंबी कोशिशों और अनेक भावनात्मक संघर्षों के बाद, 22 फरवरी 2022 को हमारी शादी धूमधाम से संपन्न हुई। आज भी हम पहले की तरह ही अच्छे दोस्त हैं। हमारी दोस्ती ही हमारा सबसे मजबूत रिश्ता है-वही दोस्ती जो सम्मान, भरोसे और साथ से पति-पत्नी के सुंदर बंधन में बदल गई।

-आशीष एवं नैंसी श्रीवास्तव, अयोध्या।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में देश का शानदार परफॉर्मेंस इस बात का सबूत है कि भारतीय मुक्केबाजी अब सिर्फ एक उभरती हुई ताकत नहीं है, बल्कि इस खेल की सुपरपावर में से एक है। मैं इसे इंडियन बॉक्सिंग के लिए एक यादगार दिन कहूंगा।

-अजय सिंह, मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शनिवार 22 नवंबर 2025

हाईलाइट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सूर्यकुमार मुंबई की टीम में शामिल

मुंबई। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को मुंबई की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 26 नवंबर से शुरू हो रही है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर 17 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। स्क्वॉड में शिवम दुबे, सरफराज ख़ान, अजिंक्य रहाणे और आयुष म्हात्रे भी शामिल हैं। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले सूर्यकुमार की मुंबई टीम में वापसी हुई है। मुंबई इंडियंस के लिए इस आईपीएल में 717 रन बनाने और 167.91 की स्ट्राइक रेट के बावजूद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन नहीं बना पाए हैं।

बावुमा वनडे व मार्करम संभालेंगे टी-20 टीम की कमान

जोहान्सबर्ग। तेम्बा बावुमा को भारत के खिलाफ तीन मैचों की आगामी एकदिवसीय सीरीज के लिए शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका का कप्तान नियुक्त किया गया, लेकिन प्रमुख तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा मौजूदा टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास सत्र के दौरान पसली में लगी चोट से उबरने में नाकाम रहने के बाद स्वदेश लौटेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज एडेन मार्करम की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी हो रही है। **एकदिवसीय टीम :** तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, रुबिन हरमन, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रियान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन। **टी-20 टीम :** एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

युवराज ने जीता इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स खिताब

डिगबोई (असम)। युवराज संधू ने लगातार दो प्लेऑफ हार के बाद शानदार वापसी की और शुक्रवार को डिगबोई गोल्फ लिंक्स में खेले गए मशहूर इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स, जो 1 करोड़ रुपये का इवेंट है, में सात-स्ट्रोक की जबरदस्त खिताबी जीत हासिल की। युवराज (65-69-66-69), जिन्होंने तीसरे राउंड के बाद छह-स्ट्रोक की शानदार बढ़त हासिल की थी, ने इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स के ऐतिहासिक 25वें एडिशन में चौथे राउंड में तीन-अंडर 69 का शानदार स्कोर बनाया और इस हफ़्ते का कुल स्कोर 19-अंडर 269 कर लिया। नतीजतन, चंडीगढ़ के 28 साल के इस खिलाड़ी ने इस सीजन की अपनी पांचवीं जीत हासिल की और पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपनी बढ़त और बढ़ा ली। लगातार चैंपियन रहे युवराज ने 15 लाख रुपये का विनिंग चेक हासिल किया, जिससे उनकी सीजन की कमाई 1,21,67,100 रुपये हो गई।

पांच विकेट लेने के बाद जश्न मनाते इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (बीच में)। एजेंसी

एशेज टेस्ट : स्टार्क के कमाल के बाद स्टोक्स का धमाल

- पहले दिन गिरे 19 विकेट, इंग्लैंड की मजबूत वापसी

पर्थ, एजेंसी

एशेज टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को यहां तेज गेंदबाजों के दबदबे के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में महज 172 रन पर सिमटने के बाद कप्तान बेन स्टोक्स के पांच विकेट से इंग्लैंड ने मजबूत वापसी की। पांच मैचों की श्रृंखला का पहला दिन उम्मीदों पर खरा उतरा, जहां पर्थ स्टेडियम में 51,000 से अधिक दर्शकों के सामने 72 ओवर के खेल में 19 विकेट गिरे।

दिन का खेल खत्म होते समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर नौ विकेट पर 123 रन था और यह टीम पहली पारी में महज एक विकेट शेष रहते 49 रन पीछे है।

दिन का शुरुआती सत्र पूरी तरह से मिचेल स्टार्क के नाम रहा। उन्होंने नियमित कप्तान पैट कमिंस और दिग्गज जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर सात विकेट लिए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र तक इंग्लैंड को ऑल आउट कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के पहले ही ओवर में विकेट लेकर दिखा दिया कि पांच तेज गेंदबाजों की मौजूदगी वाली इंग्लैंड की टीम भी इस मामले में कमजोर नहीं है। मैच में अभी चार दिन शेष और दोनों टीमों की पहली पारी लगभग खत्म हो चुकी है। इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने के बावजूद आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए 5.23 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए रक्षात्मक रुख अपनाना भारी पड़ गया क्योंकि टीम उस तेजी से रन नहीं बना सकी लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रही। दोनों टीमों के बल्लेबाजों को तेजी से उठती शॉर्ट-पिच गेंदों का सामना करना पड़ा ऑस्ट्रेलिया की पारी के 24वें ओवर में कैमरून ग्रीन को मार्क वुड की 147 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली बाउंसर ने चोटिल किया जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे स्टंप पर गिरते-गिरते बचे।

इंग्लैंड का आक्रमण उस तरह की खतरनाक गेंदबाजी कर रहा था जैसा ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज आमतौर पर मेहमान टीमों के खिलाफ करते हैं। इंग्लैंड ने पुछल्ले बल्लेबाजों ने पारी के आखिर में तेजी से विकेट गंवाये जिसका खामियाजा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को भी उठाना पड़ा। ख्वाजा उस समय ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे और चूंकि वह आठ मिनट से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहे थे ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई पारी की शुरुआत करने की अनुमति नहीं दी गई। उनकी जगह लेने के लिए मार्नस लाबुशेन को ऊपरी क्रम में आना पड़ा। ख्वाजा को तीसरे नंबर पर भी बल्लेबाजी के नहीं आ पाये क्योंकि पदार्पण कर रहे जेक वेदरोल्ड को आर्चर ने पारी की दूसरी गेंद पर ही पगबाधा कर दिया।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	172/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	123/9

स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रृंखला में बराबरी करने उतरेगी टीम इंडिया

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच आज से, गिल की अनुपस्थिति में पंत करेंगे कप्तानी

गुवाहाटी, एजेंसी

पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में स्पिन पहेली को सुलझाकर श्रृंखला बराबर करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत के लिए नेतृत्व की चुनौती बेहद चुनौतीपूर्ण होगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए तो और भी कठिन परीक्षा आने वाली है, जिनके अक्सर उलझाने वाले फैसलों ने ड्रेसिंग रूम और थिंक टैंक को स्पष्टता के लिए जूझने पर मजबूर कर दिया है।

पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की अजेय रहने की जो चमक रही है, वह वर्तमान टीम के सामने गायब हो गई है। यह पिछले कुछ वर्षों में पहला अवसर होगा जबकि भारतीय टीम घरेलू मैदान पर जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत नहीं करेगी। उसकी टीम कमजोर नजर आ रही है और क्रिकेट विशेषज्ञों के अनुसार यह अच्छी स्थिति नहीं है।

अगर न्यूजीलैंड की स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और मिशेल सैंटनर ने 2024 में भारत के घरेलू धरती पर अजेय रहने की धारणा को तार-तार कर दिया था तो साइमन हार्मर और उनके अन्य साथी युवा भारतीय टीम को और भी कमज़ोर बना रहे हैं।

स्पिनरों से निपटने की उचित तकनीक का अभाव स्पष्ट तौर पर नजर आ रहा है। इसका भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता पर काफी प्रभाव पड़ा है जिसने स्थिति को और बदतर बना दिया है। इन मुश्किल हालात में गिल की अनुपस्थिति में पंत कप्तानी संभालेंगे। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी बल्लेबाजी भी उनके फैसलों की तरह ही महत्वपूर्ण होगी। यह शुरू से ही स्पष्ट था कि गर्दन में अकड़न के कारण गिल दूसरे टेस्ट मैच में खेलने की दौड़ में नहीं थे, लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन और बीसीसीआई ने आखिर तक संशय बनाए रखा। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, 26 वर्षीय गिल आराम करने और स्वास्थ्य लाभ के लिए शहर से बाहर चले गए हैं। गिल की जगह लेने के लिए साई सुदर्शन सबसे संभावित उम्मीदवार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है।

समय
पूर्वाह्न **9:00** बजे से

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत।

गिल को टीम से रिलीज किया गया, जाएंगे मुंबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले शुक्रवार को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया। गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा शुभमन गिल को चोट की जांच के लिए मुंबई जाना होगा।

एकमात्र मैच में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं : ऋषभ पंत

गुवाहाटी : आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि एकमात्र टेस्ट में कप्तानी करना सर्वश्रेष्ठ स्थिति नहीं है लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच की कड़ी चुनौतियों के के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। इस मैच से पहले नियमित कप्तान शुभमन गिल को चोटिल होने के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था, जिसके बाद पंत को कप्तानी सौंपी गई। वह भारत के 38वें टेस्ट कप्तान होंगे। पंत ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा एक कप्तान के लिए एकमात्र मैच सबसे अच्छा विकल्प नहीं होता, लेकिन मैं बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का मुझे यह सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। जब भी आप अपने देश का नेतृत्व कर रहे होते हैं, तो यह सबसे गर्व का क्षण होता है। पंत से जब उनकी कप्तानी शैली के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह नए और पुराने का मिश्रण होगी।

टीम

भारत : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, यशस्वी जयसवाल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, देवदत्त पडिक्कल, आकाश दीप।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोरजी, जुबैर हमजा, साइमन हार्मर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरान मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

एशेज श्रृंखला देखकर ईर्ष्या हुई : तेम्बा बावुमा

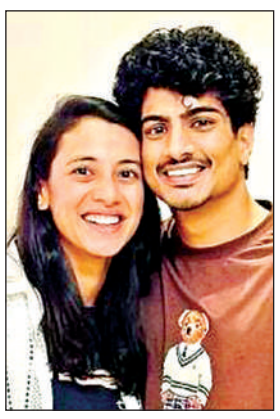

गुवाहाटी। तेम्बा बावुमा को इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज के शुक्रवार सुबह पर्थ में शुरू हुए मैच को देखकर ईर्ष्या हुई और उन्होंने हैरानी जताई कि पारंपरिक प्रारूप में मौजूदा विश्व चैंपियन होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका को भारत के खिलाफ सिर्फ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने का मौका क्यों मिला। इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब दिलाने वाले बावुमा ने कहा कि दो मैच की वर्तमान श्रृंखला टेस्ट क्रिकेट की दो मजबूत टीमों के साथ सही न्याय नहीं करती। बावुमा ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा हम आज सुबह एशेज देखने के लिए उठे। हमने उसे थोड़ी ईर्ष्या के साथ देखा, क्योंकि हम जानते थे कि वे पांच टेस्ट मैच खेल रहे हैं। वे एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बात से खुश नहीं हैं कि विश्व चैंपियन होने के बावजूद उन्हें भारत के खिलाफ केवल दो टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलने के लिए मिल रही है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा उम्मीद है कि निकट भविष्य में हमें भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैच की सीरीज खेलने के लिए मिलेगी। भारत की टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार या पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलती रही है लेकिन अन्य टीमों के खिलाफ वह अक्सर दो मैच की श्रृंखला ही खेलती है।

अभ्यास सत्र के दौरान जुबैर हमजा (बाएं) और टोनी डी जोरजी।

सगाई की अंगूठी दिखाते हुए डांस करतीं स्मृति मंधाना, साथ में राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, जेमिमा रोड्रिग्स और श्रेयंका पाटिल। एजेंसी

मंधाना ने संगीतकार मुच्छल के साथ सगाई की पुष्टि की

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुच्छाल के साथ अपनी सगाई की घोषणा कर दी है जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस आक्रामक बल्लेबाज का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह भारतीय टीम की अपनी साथी खिलाड़ियों राधा यादव, जेमिमा रोड्रिग्स, श्रेयांका पाटिल और अरुंधति रेड्डी के साथ बॉलीवुड की फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई के गीत 'समझो हो ही गया' पर नृत्य कर रही हैं। इस दौरान वह मुस्कुराते हुए अपनी सगाई की अंगूठी को भी दिखा रही हैं। जेमिमा ने यह क्लिप इंस्टाग्राम पर साझा की है जिसे अभी तक 19 लाख से ज़्यादा लाइक्स और 12,000 से ज़्यादा कमेंट्स मिल चुके हैं।

मंधाना और मुच्छाल 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। प्रधानमंत्री ने दम्पति को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मंधाना की कवर ड्राइव की सुंदरता मुच्छाल की मधुर संगीतमय सिम्फनी के साथ एक अद्भुत साझेदारी बनाएगी। उन्होंने लिखा जीवन के हर मोड़ पर हाथ में हाथ डालकर चलते हुए, इस जोड़े को एक-दूसरे की मौजूदगी में शक्ति मिले और उनके दिल, दिमाग और आत्मा में सामंजस्य हो। उनके सपने आपस में गुंथें और साथ-साथ बढ़ें तथा उन्हें खुशी और गहरी समझ से भरे भविष्य की की तरफ ले जाएं।

मोदी ने कहा मैं कामना करता हूं कि स्मृति और पलाश विश्वास पर आधारित एक साझा जीवन का निर्माण करें, हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहें, प्यार के साथ जिम्मेदारियों को स्वीकार करें तथा एक दूसरे के मजबूत और कमजोर पक्षों के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा जब वे एक साथ एक नया, सुंदर जीवन शुरू करते हैं, तो स्मृति के कवर ड्राइव की सुंदरता पलाश की मधुर संगीतमय सिम्फनी से मिलकर एक अद्भुत साझेदारी बनाती है।

सुपर ओवर में भारत ए की उम्मीदें तोड़कर बंगलादेश ए फाइनल में

राइजिंग स्टार्स 2025

दोहा, एजेंसी

भारत ए को बल्ले और गेंद से निराशाजनक प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा और राइजिंग स्टार्स एशिया कप के सेमीफाइनल में शुक्रवार को बांग्लादेश ए ने उसे सुपर ओवर में हरा दिया। बांग्लादेश ए का सामना अब पाकिस्तान शाहींस और श्रीलंका ए के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। फाइनल रविवार को खेला जाएगा। बांग्लादेश ए ने 20 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम का स्कोर भी बराबर रहा जिससे मैच सुपर ओवर तक खिंच गया। भारत ए ने सुपर ओवर में कप्तान जितेश शर्मा, आशुतोष शर्मा और रमनदीप सिंह को उतारने का अजीब फैसला लिया जबकि वैभव सूर्यवंशी और प्रियांश आर्य फॉर्म में थे। जितेश और आशुतोष को तेज गेंदबाज रिपोन मंडल ने सुपर ओवर में खाता खोलने का मौका दिए बिना आउट कर दिया। बांग्लादेश ने पहली गेंद पर यासिर अली का विकेट गंवाया लेकिन लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने अगली गेंद वाइड डाल दी जिससे बांग्लादेश को जीत मिली। इससे पहले भारत के लिये सूर्यवंशी ने 15 गेंद में 38 और आर्य ने 23 गेंद में 44 रन बनाए। भारत के 50 रन 19 गेंद में ही बन गए थे। सूर्यवंशी ने मंडल के पहले ओवर में 19 रन बनाये जिसमे दो छक्के और एक चौका शामिल था। इसके बाद आफ स्पिनर मेहराब हसन को लगातार दो छक्के जड़े।

मैच के दौरान भारत ए टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

गर्व की बात

बोलीं- भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने पूरे हों

पीटी उषा फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व स्प्रिंट क्वीन और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की मौजूदा अध्यक्ष पीटी उषा को भारतीय खेलों में उनके असाधारण योगदान और एथलीटों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए शुक्रवार को फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

उषा, जिन्हें 'पय्योली एक्सप्रेस' के नाम से भी जाना जाता है, को यह सम्मान फिक्की टर्फ 2025 -15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट में दिया गया। उन्होंने कहा भारत सपने देखने वाले युवाओं से भरा है, और यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम पक्का करें कि उनके सपने मायने रखें। ग्लोबल पार्टनरशिप, खासकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ, और हर लेवल पर डिसिप्लिन्ड गवर्नेंस के साथ, हम चैंपियंस की एक नई पीढ़ी बना सकते हैं। इसी तरह एथलीट आगे बढ़ते हैं, और इसी तरह एक देश खेल के जरिए आगे बढ़ता है। यह समिट आज सुबह फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली में शुरू हुई, जिसमें सरकार, खेल, इंडस्ट्री और डिप्लोमेसी के लीडर्स एक साथ आए ताकि भारत की खेल में अगले दशक की तरक्की का खाका तैयार किया जा सके।

शुरुआती सेशन की शुरुआत फिक्की स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन और जीएमआर स्पोर्ट्स के प्रेसिडेंट पी. के. एसवी सागर के वेलकम एड्रेस से हुई, जिन्होंने पूरे स्पोर्टिंग इकोसिस्टम में कोलेबोरेशन की बढ़ती ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस साल की थीम, इंडियन स्पोर्ट्स - ग्लोबल एक्सीलेंस का रास्ता बनाना, ने ग्लोबल एम्बिशन, इनोवेशन और कलेक्टिव एक्शन पर फोकस करने वाले एक दिन की दिशा तय की। पहले सेशन की एक खास बात फिक्की नॉलेज रिपोर्ट स्पोर्टिंग इंडिया राइजिंग' और स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन के लिए इंडिया-ऑस्ट्रेलिया स्ट्रैटेजी का रिलीज होना था, जो समिट में ग्लोबल पार्टनरशिप को मजबूत करने पर ज़ोर देने को दिखाता है। ऑस्ट्रेलिया को पार्टनर कंट्री के तौर पर देखते हुए, समिट ने हाई-परफॉर्मेंस सिस्टम, कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस, इनोवेशन और लॉन्ग-टर्म टैलेंट पाथवे में बढ़ते मौकों को और मजबूत किया। भारत सरकार के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी, हरि रंजन राव ने अपने भाषण में कहा भारत की स्पोर्ट्स प्रोग्रेस एक प्रिंसिपल पर निर्भर करती है: एक एथलीट-फोकस्ड, कोच-लेड इकोसिस्टम जिसे हर स्टेकहोल्डर का सपोर्ट हो। सेंटर, स्टेट्स, इंडस्ट्री और फेडरेशन के बीच कोलैबोरेशन ज़रूरी है, और फिक्की टर्फ जैसे प्लेटफॉर्म उस अलाइनमेंट को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं।

भारतीय खेल तभी आगे बढ़ता है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ते हैं। टैलेंट देश के हर कोने में मौजूद है, लेकिन मौका हर बच्चे तक पहुंचना चाहिए। हमारा फोकस एथलीट पर होना चाहिए : साफ रास्ते, मजबूत सिस्टम, सही चुनाव और साइंस, न्यूट्रिशन और मेंटल स्ट्रेंथ पर आधारित सपोर्ट।

-पीटी उषा

2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलने का यकीन

पीटी उषा को पूरा यकीन है कि भारत को 26 नवंबर को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल आमसभा की बैठक के दौरान 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिल जाएगी। उन्होंने शुक्रवार को कहा हम कल ग्लास्गो रवाना हो रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि लोगों की उम्मीदें पूरी होंगी। दो तीन दिन इंतजर कर लें। पिछले महीने राष्ट्रमंडल खेल कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद में इन खेलों के आयोजन की सिफारिश की थी। ग्लास्गो में होने वाली बैठक में अंतिम मंजूरी मिलेगी। नाइजीरिया का अबुजा भी मेजबानी की दौड़ में है। राष्ट्रमंडल खेल को 2030 में सौ साल भी पूरे होने जा रहे हैं।